ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हताशा में व्यवहार करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनादर करने के बराबर : विजयेन्द्र@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 31 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-243

बातचीत के रास्ते पर आ रहे भारत और चीन

तल्ख रिश्तों को नर्म करने की दोतरफा पहल

ब्रिक्स समिट में मोदी-जिनपिंग भेंट सार्थक करने की द्विपक्षीय तैयारी

एलएसी पर दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए ब्लूप्रिंट तैयार

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच में सीमा पर तनाव की स्थिति पिछले कुछ सालों से बनी हुई है। गलवान संघर्ष के बाद से तो स्थिति और ज्यादा विस्फोटक देखने को मिली। लेकिन अब दोनों ही देश फिर बातचीत के रास्ते पर आ चुके हैं, रिश्ते सुधारने और तनाव को कम करने पर जोर दिया जा रहा है। इस समय क्योंकि पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संभावित मुलाकात की भी चर्चा चल रही है, ऐसे में तेज गति के साथ एलएसी पर विवाद को खत्म करने की कवायद है।

इसी कड़ी में शुक्रवार को बीजिंग में भारत और चीन के प्रतिनिधिमंडल की एक अहम मुलाकात हुई थी। उस मुलाकात में भारत का प्रतिनिधित्व ईस्ट एशिया के ज्वाइंट सेक्रेट्री गौरांगलाल दास ने किया और चीन की तरफ से विदेश मंत्रालय के हॉन्ग लिआंग मौजूद रहे। अब मीटिंग तो हर बार की तरह तनाव को कम करने पर फोकस रहा, लेकिन एक बात पहली बार बोली गई। उस बात ने ही इशारा कर दिया है कि अब हर कीमत पर भारत और चीन को सीमा पर तनाव कम करना होगा। जारी बयान में कहा गया कि दोनों ही पक्षों के बीच में काफी फ्रैंक, निर्णायक बातचीत हुई है,

▶10पर

एससीओ समिट के लिए पीएम मोदी को पाकिस्तान का न्यौता

इस्लामाबाद, 30 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में होने जा रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में शामिल होने के लिए पाकिस्तान ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्यौता भेजा है। संकेत है कि भारत इस बैठक में शामिल नहीं होगा। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एससीओ समिट के पहले ही यह स्पष्ट संकेत दे दिया है। जयशंकर ने कहा कि भारत में पाकिस्तान की तरफ से लगातार प्रसारित और पोषित किए जा रहे आतंकवाद पर काबू करने के पहले पाकिस्तान के साथ भारत कोई संवाद नहीं करेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं। पिछले दस साल से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत लगभग बंद है। इस बीच पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी को पाकिस्तान आने के लिए न्यौता भेजा गया है। ▶10पर

पाकिस्तान के साथ बातचीत का दौर खत्म: जयशंकर

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ बातचीत का दौर खत्म हो चुका है। उसके साथ सामान्य रिश्तों की कल्पना कैसे की जा सकती है, जब वह भारत में लगातार आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने और उसे पोषित करने में लगा हुआ। विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद और बातचीत को एक साथ नहीं देख सकता है। पाकिस्तान को अपनी नीति पर पुनर्विचार करना होगा और उसे संशोधित करना होगा। ▶10पर

शिवाजी की प्रतिमा गिरने के मामले में पहली बार बोले पीएम मोदी, पालघर में सभा के दौरान मांगी माफी

पालघर (महाराष्ट्र), 30 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माफी मांगी है। प्रतिमा ढहने को लेकर कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा था। 26 अगस्त को 35 फीट ऊंची छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गई, जिसके बाद ही राज्य में केंद्र सरकार के खिलाफ नाराजगी तेज हो गई थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब 2013 में भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया, तब मैंने सबसे पहले रायगढ़ के किले में जाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि के सामने बैठकर प्रार्थना की और राष्ट्र सेवा की एक नई यात्रा आरंभ की थी। छत्रपति शिवाजी महाराज मेरे लिए सिर्फ नाम नहीं हैं। हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज आराध्य देव हैं। पिछले दिनों सिंधुदुर्ग में जो हुआ, मैं सिर झुकाकर मेरे आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज के चरणों में माथा रखकर माफी मांगता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर हम विकसित महाराष्ट्र-विकसित भारत के संकल्प पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज पालघर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास इसी दिशा में एक ऐतिहासिक प्रयास के रूप में याद किया जाएगा। हमारे संस्कार अलग हैं। हम वो लोग नहीं हैं जो आए दिन भारत मां के महान सपूत, इसी धरती के लाल वीर सावरकर के बारे में अनाप-शनाप बोलते हैं। अपमानित करते रहते हैं। ▶10पर

प्रतिमा ढहने के मामले में संरचना सलाहकार गिरफ्तार

मुंबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची मूर्ति प्रतिमा ढहने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एफआईआर में नामजद संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया है। कोल्हापुर के पुलिस अधीक्षक महेंद्र पंडित ने शुक्रवार को बताया कि चेतन पाटिल को गुरुवार देर रात हिरासत में लिया गया और आगे की जांच के लिए सिंधुदुर्ग पुलिस को सौंप दिया गया।

सिंधुदुर्ग पुलिस के मुताबिक, मामले में चेतन को गिरफ्तार किया गया है। कोल्हापुर निवासी चेतन ने बुधवार को दावा किया था कि वह इस परियोजना के लिए संरचनात्मक सलाहकार नहीं थे। मराठी समाचार चैनल से बात करते हुए मूर्तिकार जयदीप आप्टे के साथ एफआईआर में नामजद चेतन ने कहा था कि ▶10पर

1984 सिख विरोधी दंगा मामला

कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर को सिखों की हत्या के आरोप में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। राउज एवेन्यू कोर्ट ने टाइटलर के खिलाफ आईपीसी 302 (हत्या), 147 (दंगा), 109 (अपराध के लिए उकसाने) और अन्य धाराओं के तहत आरोप तय करने का आदेश दे दिया है। अब 13 सितम्बर को अगली सुनवाई होगी।

यह केस पुलबंगश इलाके में तीन सिखों की हत्या और गुरुद्वारा साहिब में आग लगाने के आरोप से संबद्ध है। सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक, टाइटलर ने गुरुद्वारा साहिब के पास दंगाइयों को हिंसा के लिए उकसाया था। इसी भीड़ ने तीनों सिखों को गले में टायर डालकर आग लगा दी थी, उन्हें मारा डाला। भीड़ ने गुरुद्वारा साहिब की भी आग लगा दी थी।

असम सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

दो घंटे का जुमा ब्रेक हमेशा के लिए खत्म

गुवाहाटी, 30 अगस्त (एजेंसियां)। असम की हिमंत बिस्व सरमा सरकार ने राज्य विधानसभा के कर्मचारियों को दो घंटे के लिए दिए जाने वाले जुमा ब्रेक को हमेशा के लिए खत्म करने का फैसला किया है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि दो घंटे के जुमा ब्रेक को खत्म करके, असम विधानसभा ने उत्पादकता को प्राथमिकता दी है और औपनिवेशिक बोझ की

औपनिवेशिक बोझ की निशानी हटाई: सीएम सरमा

एक और निशानी को हटा दिया है। इस प्रथा को मुस्लिम लीग के सैयद सादुल्ला ने 1937 में शुरू किया था। इस ऐतिहासिक फैसले के लिए स्पीकर विश्वजीत दैमारी और हमारे विधायकों का आभार।

जुमा ब्रेक खत्म करने के सरकार के फैसले पर असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि असम में सच्ची धर्मनिरपेक्षता को फिर से हासिल करने के लिए यह फैसला एक मील का पत्थर है।

असम विधानसभा ने आज हर शुक्रवार को जुम्मा की नमाज के लिए 2 घंटे के ब्रेक की प्रथा को समाप्त कर दिया है। यह प्रथा औपनिवेशिक असम में सादुल्ला की मुस्लिम लीग सरकार द्वारा शुरू की गई थी।

गौरतलब है कि लोकसभा, राज्यसभा और अन्य राज्यों की विधानसभाओं में नमाज पढ़ने के लिए ब्रेक देने का प्रावधान नहीं है। इसलिए असम विधानसभा के अध्यक्ष ने भी इस ब्रिटिश कालीन नियम को समाप्त करने का फैसला किया है। सोमवार से गुरुवार तक असम विधानसभा का समय सुबह साढ़े नौ बजे से शुरू होता है और शुक्रवार को यह सुबह नौ बजे से शुरू होता है ताकि नमाज के लिए दो घंटे का ब्रेक दिया जा सके। ऐसे में अब हर रोज विधानसभा की कार्यवाही सुबह साढ़े नौ बजे शुरू होगी।

भाजपा में शामिल हुए झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हेमंत सोरेन के जेल प्रवास के दरम्यान झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा से मुक्ति लेने के बाद औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी मौजूद थे।

हाल ही में चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा में खुद का अपमान होने की बात कह कर पार्टी से अलग राह तलाशने की बात कही थी। इसके बाद दिल्ली में चंपई की भाजपा नेतृत्व से मुलाकात की थी। इसके बाद बीते 28 अगस्त को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा से इस्तीफा दिया था। ▶10पर

जम्मू कश्मीर में चुनाव के पहले से शुरू हो गए बिगड़े बोल

हमारी हुकूमत आई तो हटा देंगे जन सुरक्षा कानून : उमर

श्रीनगर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा, हम यह लड़ाई जम्मू-कश्मीर रियासत के साथ मिलकर लड़ रहे हैं और इसलिए हमने पिछले दिनों कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। हालांकि ये गठबंधन हमारे लिए आसान नहीं था। हमने बहुत मुश्किल समय देखा है। बिना किसी वजह नौजवानों को सताया गया, तंग किया गया और अंधाधुंध पीएसए का इस्तेमाल हुआ। हमने अपने हलफनामे में वादा किया है कि अगर हमारी हुकूमत आई तो हम जम्मू-कश्मीर से पीएसए का कानून हटा देंगे। सख्ती और जुल्म के अलावा पिछले 5-6 सालों में हमने कुछ नहीं

देखा। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार चुनाव होंगे। जम्मू-कश्मीर में तीन चरण में मतदान होगा। 18 सितंबर को पहले चरण का मतदान होगा। 25 सितंबर को दूसरा फेज की वोटिंग होगी। एक अक्तूबर को तीसरा चरण का मतदान होगा। जबकि चार अक्टूबर को मतगणना होगी। जम्मू -कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के ▶10पर

महबूबा ने जमात पर लगा बैन हटाने की मांग की

श्रीनगर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सरकार से जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध हटाने की मांग की है। महबूबा ने कहा, अगर जमात-ए-इस्लामी चुनाव लड़ना चाहती है, तो यह अच्छी बात है। लोकतंत्र विचारों की लड़ाई है। सरकार को इस पर लगा प्रतिबंध हटा देना चाहिए। ▶10पर

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की स्वीकारोक्ति

अस्पतालों में महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व्यवस्था लचर

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की रिपोर्ट में यह आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया गया है कि देश के अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद लचर है। खास तौर पर महिला डॉक्टरों, नर्सों और अन्य महिला स्टाफ की सुरक्षा व्यवस्था बिल्कुल ही बदहाल है। भारत में रात की पाली में ड्यूटी करने वाले एक तिहाई डॉक्टर खुद को बेहद असुरक्षित महसूस करते हैं, इनमें ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। ये बात आईएमए के एक अध्ययन में सामने आई है। आईएमए ने दावा किया कि 3,885 व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं के आधार पर यह इस विषय पर भारत का सबसे बड़ा अध्ययन है। इसमें बताया

गया है कि कुछ डॉक्टर खुद की सुरक्षा के लिए अपने साथ हथियार रखने की जरूरत महसूस करते हैं।

हाल ही में कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या की पृष्ठभूमि में डॉक्टरों के बीच रात की पाली के दौरान सुरक्षा चिंताओं का मूल्यांकन करने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने ऑनलाइन सर्वे किया था। इस सर्वे में पाया गया कि 45 प्रतिशत डॉक्टर के पास रात की पाली के दौरान ड्यूटी रूम ही उपलब्ध नहीं है।

इस सर्वे में 22 से अधिक राज्यों से उत्तरदाता शामिल हुए, जिनमें से 85 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र के थे जबकि 61 प्रतिशत प्रशिक्षु या स्नातकोत्तर प्रशिक्षु थे। 20-30 की उम्र के डॉक्टर में सुरक्षा की भावना सबसे कम थी और इस समूह में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षु और स्नातकोत्तर शामिल हैं। सर्वेक्षण में पाया गया कि भीड़भाड़, गोपनीयता की कमी और गायब ताले के कारण ड्यूटी रूम अक्सर अपर्याप्त होते थे। जिससे डॉक्टरों को वैकल्पिक जगह ढूंढने के लिए मजबूर होना पड़ता है और उपलब्ध ड्यूटी रूम में से एक-तिहाई में ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,090/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,175/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 20^0

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लिया महत्वपूर्ण फैसला

मंदिरों को आर्थिक सहायता और पुजारियों को नया वेतन

अमरावती, 30 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस फैसले के तहत अब प्रदेश के प्रत्येक मंदिरों को आर्थिक सहायता मिलेगी और पुजारियों को नया वेतनमान मिलेगा। यह भी निर्णय हुआ कि किसी भी हिंदू मंदिर में कोई गैर हिंदू कर्मचारी काम नहीं करेगा। सीएम नायडू ने कहा, आंध्र प्रदेश के मंदिरों में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मंदिरों के पुजारियों के वेतन में 50 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। इसके साथ ही नाई ब्राह्मणों (मंदिरों में काम करने वाले नाई) के लिए न्यूनतम मासिक वेतन 25,000 रुपए दिया जाएगा। वेद विद्या प्राप्त करने वाले बेरोजगार युवाओं को भी 3,000 रुपए मासिक भत्ता दिया जाएगा। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य भर के विभिन्न मंदिरों में काम कर रहे 1683 अर्चकों (पुजारियों) का

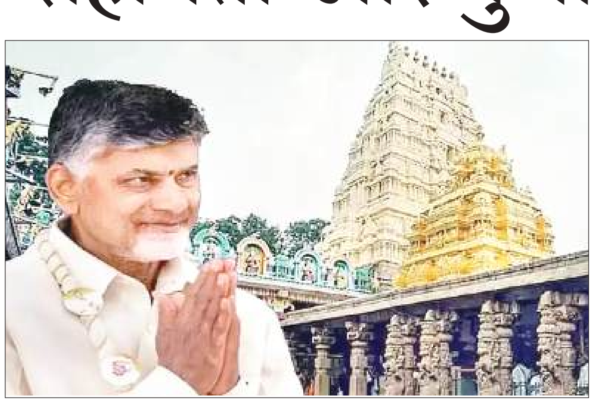

वेतन 10,000 रुपए से बढ़ाकर 15,000 रुपए महीना करने की घोषणा की है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने धूप दीप नैवेद्यम योजना के तहत छोटे मंदिरों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता को 5,000 रुपए से बढ़ाकर 10,000 रुपए प्रति माह करने का निर्णय लिया है।

बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि मंदिर ट्रस्ट में दो और बोर्ड सदस्य जोड़े जाएंगे। बता दें कि 20 करोड़ रुपए या उससे अधिक राजस्व वाले मंदिरों के ट्रस्ट बोर्ड में 15 सदस्य होते हैं। अब यह संख्या बढ़ाकर 17 की जाएगी। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट किया गया कि ट्रस्ट बोर्ड में एक ब्राह्मण और एक नाई ब्राह्मण सदस्य होंगे। एनडीए ने चुनाव से ये पहले वादा किया था। बैठक के दौरान सीएम नायडू ने कहा, हिंदू मंदिरों में गैर-हिंदुओं को कोई नौकरी नहीं दी जानी चाहिए। आंध्र प्रदेश में 1,110 मंदिरों के लिए ट्रस्टी नियुक्त किए जा रहे हैं। नायडू ने यह भी घोषणा की कि वर्तमान में अवैध रूप से कब्जा की गई 87,000 एकड़ मंदिर भूमि को कानूनी माध्यम से फिर से प्राप्त किया जाएगा। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

अस्पताल से स्वस्थ होकर चिकपेट श्रीसंघ पधारें आचार्य श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी का स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट में शुक्रवार सुबह मंगल शुभ वेला में आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी के विनयवान शिष्यरत्न विश्व प्रसिद्ध गिरीविहार संस्था मार्गदर्शक सत्वशाली प्रवचनकार, गुरुकृपा-पात्र गच्छाधिपति श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी अस्पताल से स्वस्थ होकर चिकपेट श्रीसंघ में पहुंचे, जहां पर उनका भव्य स्वागत हुआ। पूज्यश्री का दो सहवर्ती श्रमण भगवंतों के साथ 9 जून, 2024 को प्रातः कुर्नूल-हैदराबाद हाईवे पर कुर्नूल से करीब 60 किलोमीटर दूर ट्रक से एक्सीडेंट हो गया था, जिसके बाद उनका उपचार हैदराबाद की अस्पताल में चला और उसके बाद चतुर्मास के पूर्व में बेंगलूरु की भगवान महावीर जैन हॉस्पिटल में उपचार जारी रहा। स्वास्थ्य में सुधार दिखने के बाद डॉक्टर ने पर्व पर्युषण के एक दिन पूर्व पूज्यश्री को उपाश्रय की ओर प्रस्थान करने की अनुमति दी। पूज्यश्री के प्रवेश के समय चिकपेट श्रीसंघ में उत्साह भरा वातावरण दिखा। चिकपेट श्रीसंघ के श्रावक पूज्यश्री को लेने नगरथपेट पहुँचे। अलग अलग संघों से पूज्यश्री के निश्रावर्ती साधु-साध्वीजी भगवंतों का आगमन हुआ।

चिकपेट श्रीसंघ की श्राविकाओं ने गहुली, रंगोली, अष्टमंगल अलंकार आदि की तैयारी के साथ मंगल कलश के साथ प्रदीक्षणा दी।

मंदिर में चैत्यवंदन पश्चात गुरुदेव का आगमन सोहन हॉल में संगीतमय वाता-वरण में गुरुजी अमारो अंतर्नाद, अमने आपो आशीर्वाद के नाद से हुआ। वंदन पश्चात गुरुदेव ने मांगलिक के बाद पर्व पर्युषण के पूर्व आराधना में जुड़ने की हितशिक्षा प्रदान की। पूज्य मुनिराज श्री निर्मोहप्रभविजयजी ने उनके आगमन को चिकपेट मंडन श्री आदिनाथ दादा और परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी की कृपा बताई। संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने साधु भगवंतों, साध्वीजी भगवंतों, श्रावक श्राविकाओं का स्वागत कर आभार प्रकट किया।

बीओसीआई का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारी उद्योग मंत्रालय, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय तथा आवासीय एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा समर्थित राष्ट्रीय बस एवं कार संचालक संघ का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र तुमकुरु रोड में गुरुवार शाम को शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर किया। बस एवं कार संचालक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्थानीय युवा उद्यमी सुनील शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

इस मौके पर बस एवं कार संचालकों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार परिवहन क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत है और जल्द ही सभी संबंधित उद्योग जगत से वार्ता कर समाधान खोजने का आश्वासन देती है। तीन दिवसीय सेमिनार में बस एवं कार संचालकों की समस्याओं एवं समाधान पर विस्तृत विचार विमर्श होगा। वहीं व्यवसाय के उत्थान पर भी चर्चा होगी। सेमिनार में बस एवं कार संचालक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदेव सिंह खालसा सहित संघ के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भाषा साहित्य मंच की गोष्ठी सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाषा साहित्य मंच की अगस्त माह की एच्छिक विषय पर आधारित गोष्ठी गूगल मीट से बड़े ही सुचारू रूप से संपन्न हुई। गोष्ठी का शुभारंभ नंदिनी माथुर ने सरस्वती वंदना से किया। संस्थापिका डॉक्टर उषा श्रीवास्तव ने कोलकाता में हुई दुर्घटना पर सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए इस संबंध में मंच का उद्देश्य स्पष्ट किया एवं सभी से इस पर आवाज उठाने का आग्रह किया। सदस्यों ने अपनी अपनी रुचि के अनुरूप गद्य, पद्य और विषय को बहुत सूझबूझ से चुना, ज्यादातर सदस्यों ने श्री कृष्ण जी के भजन एवं कृष्ण जन्म से लेकर उनसे जुड़े विवरण सुनाए। सामाजिक विषय पर महिलाएं बहुत जागरूक नजर आई एवं अनेक सदस्यों ने महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार पर अपनी रचनाओं के माध्यम से आवाज उठाई। शालिनी गर्ग, डॉक्टर सुमन मेहरोत्रा, डॉक्टर वत्सला किरण, डॉक्टर उषा श्रीवास्तव, सुदेश वत्स, नंदिनी माथुर, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने अपनी रचना पाठ एवं भजन सुनाकर अपनी प्रबुद्धता का परिचय देकर सभी को मन मुग्ध कर दिया।

संचालन की बागडोर डॉक्टर शैलजा और प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने संभाली। विदेश से भी लोगों ने सहभागिता दिखाई, जो उत्साह में और वृद्धि कर रही थी। भाषा साहित्य मंच की सह-संयोजक डॉक्टर वत्सला किरण ने आभार ज्ञापित किया।

सफल जीवन के लिए आलस्य का करें त्याग : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित डॉ वरुणमुनि ने कहा कि अप्रमाद ही अमृत पद यानी प्रगति चाहते हैं तो आलस्य का त्याग करना ही होगा। जहां आलस्य होता है, वहां बड़ी से बड़ी संपत्ति और व्यापार नष्ट हो जाता है। अगर ऊंचाईयों पर पहुंचना चाहते हैं और अपने कार्यक्षेत्र में विश-षज्ञता हासिल करना चाहते हैं तो आज ही आलस्य का त्याग करें। आलस्य वास्तव में अंधकार का मार्ग है। अगर आप आलस्य करेंगे तो धीरे-धीरे सुख-समृद्धि खत्म होने लगती है। जीवन के किसी भी कार्यक्षेत्र में सम्पूर्ण प्रगति चाहते हो तो आलस्य का त्याग परम आवश्यक है। देश में कई महान लोग हुए हैं, जिन्हें धन और साधनों से महानता नहीं मिली, बल्कि लगातार कर्म करते रहने से, सक्रिय रहने से और त्याग की भावना से मिली है। महान लोगों ने आलस्य को त्यागकर ही अपने-अपने क्षेत्र में सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि अगर दुखों से बचना चाहते हो तो आलस्य का त्याग करो। आलस्य तन से होता है। जो जागा है वह साधु और जो सोया है वह असाधु कहलाता है। साधना की परम अवस्था है कि हम सोये हुए भी जागे हो। सच्चा संत वही होता है जो सोते सोते भी जागता है। जब हम आलस्य का त्याग करेंगे तो आत्मज्ञान की पराकाष्ठा हमारे जीवन में आएगी।

यह जीवन असंस्कृत है इसमें आलस्य मत करो। जिस प्रकार एक बार टूटे हुए पत्ते को जोड़ा नहीं जा सकता उसी प्रकार इस आयुष्य को, उम्र को एक बार छूटने पर दुबारा जोड़ा नहीं जा सकता। जीवन में किसी भी क्षेत्र में अगर तरक्की करनी है तो आलस्य का त्याग करना होगा। धनी हो, चाहे गुरु हो या भगवान हो इनको रिझाना है तो आलस्य का त्याग कर मेहनत करनी होगी। रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। संचालन संघ महामंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

वही तपस्या श्रेष्ठ है जो मन पर चोट करे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन बाविस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि वही तपस्या श्रेष्ठ है जो मन पर चोट करे। तपस्या का प्रमुख उद्देश्य जीभ के स्वाद आकर्षण पर नियंत्रण होना चाहिए। आयंबिल तप शरीर व साधना के लिए अनुकरणीय तप है। स्वयं भगवान महावीर ने अपने 14000 शिष्यों में से आयंबिल तपस्वी धन्ना अनगार की गुण गाथा गाई थी। आयंबिल में शरीर को भोजन मिलता है किंतु स्वाद का निषेध रहता है। शास्त्र वाचन और स्वाध्याय के लिए भी आयंबिल तप का नियम है। विनय मुनि जी ने कहा कि गृहस्थ व्यवहार संपन्न होना चाहिए। अधर्म और अनीति सद गृहस्थ के लिए कलंक है। अनीति का अंत भयानक होता है। धनपति की शोभा विनम्रता में है। धन की गर्मी को पचाना पड़ता है। न्याय नीति से अर्जित धन ही सुख दे सकता है। प्रवचन सभा में अलसूर संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरडिया, मंत्री अभय कुमार बांठिया, शुले संघ के मंत्री मनोहर लाल बम सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने आगामी पर्युषण पर्व के कार्यक्रमों की जानकारी दी। अध्यक्ष लालचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

चित्त समाधि पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्थानीय तेरापंथ भवन में चित्त समाधि पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरुआत मंगल-ाचरण से हुई। तत्पश्चात् प्रेरणा गीत का संगान किया गया।

अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका राजुल चोपड़ा एवं शिल्पी भंडारी ने अर्हम ध्वनि से कार्यशाला की शुरुआत की। कार्यशाला में शारीरिक व मानसिक व्याधि हेतु यौगिक क्रियाएँ, आसन, मैत्री अनुप्रेक्षा, श्वास प्रेक्षा आदि करवाया गया। साथ ही रोगों से संबंधित बचाव भी बताया गया। चेहरे पर स्माइल रख कर यौगिक क्रियाएँ करनी चाहिए। प्रशिक्षिकाओं ने चित्त समाधि शिविर में लक्ष्य रखवाया और इस शिविर का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आसन से तन में स्थिरता आती है। तभी हम ध्यान में प्रवेश कर सकते है। इस तरह हम बाहर से अंदर की ओर प्रस्थान कर आत्मा का आनंद ले सकते है। कुशल संचालन संयोजिका सुनीता भटेवरा व आभार ज्ञापन मंत्री नम्रता पितलिया ने व्यक्त किया। मंडल से उपाध्यक्ष संगीता बोहरा, सह- मंत्री वनिता मांडोत, संगठन मंत्री सरोज मारू, प्रचार प्रसार मंत्री मधु बोहरा, कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोंतिया, कार्यकारिणी सदस्य इंद्रा देवी कठोंतिया, रेखा बोहरा, पुष्पा भटेवरा आदि उपस्थित रही।

जारी गाइडलाइन का करना होगा पालन

गणेश उत्सव के लिए जबरदस्ती चंदा वसूलने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने चेतावनी दी है कि गणेश उत्सव के लिए जबरदस्ती चंदा वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 7 सितंबर से पूरे शहर में जनता को गौरी-गणेश उत्सव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 30 सूत्री गाइडलाइन का पालन करना होगा। शहर के सभी पुलिस स्टेशनों के स्टेशन अधिकारियों से अपने अधिकार क्षेत्र में गणेश प्रतिमा स्थापित करने के लिए अनुमति आवेदन प्राप्त करना होगा। एसोसिएशनों से अनुरोध किया गया है कि वे गणपति की मूर्ति स्थापित करने के स्थान, दिन आदि के बारे में जानकारी देकर पहले से अनुमति लें। लाउडस्पीकरों का लाइसेंस देते समय उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये नियमों/दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। लाउडस्पीकर का उपयोग केवल सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही करने की अनुमति होगी। किसी भी कारण से रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

संस्थाओं के नाम पर जनता और व्यवसायियों से धन उगाही और रंगदारी वसूलने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गणपति उत्सव के अवसर पर बदमाश पैसे मांगने के बहाने घर में घुसकर लूटपाट और रंगदारी जैसी वारदातों को अंजाम दे सकते हैं, इसलिए थाना अधिकारी इस संबंध में जनता को उचित जानकारी/दिशा-निर्देश दें। जिन स्थानों पर गणपति की मूर्ति स्थापित होगी, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, वहां प्रबंधक से कार्यक्रम के बारे में पहले से लिखित अनुरोध प्राप्त कर उस स्थान पर उचित सुरक्षा व्यवस्था करें। आयोजकों को निर्देश दिए गए हैं कि गणपति प्रतिमा स्थल पर लगे पेंडल/छप्परों में अग्निशमन वाहन अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। सभी संभागीय पुलिस उपायुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे आयोजकों को अनिवार्य रूप से सीसीटीवी स्थापित करने के निर्देश दें और गणपति प्रतिमाओं की स्थापना के दिन से प्रतिमाओं के विसर्जन तक संबंधित स्थानों पर स्थानीय पुलिस नियुक्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए जुलूस, विसर्जन और उसके बाद भी पर्याप्त एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए।

किसी भी हालत में रात 10 बजे के बाद ऐसे जुलूस नहीं निकलने दिये जायेंगे। सुझाव दिया गया है कि मुख्य त्योहारों पर वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहें, उचित पुलिस सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की जाये तथा त्योहार की सुरक्षा की निगरानी की जाये। गणपति जुलूस के मार्ग पर लगे फ्लेक्स, बैनर आदि की जांच करने के साथ ही इस प्रकार कार्रवाई की जाए कि कानून व्यवस्था भंग न हो। शहर के सभी प्रभागों के पुलिस उपायुक्तों से अनुरोध है कि वे सभी पुलिस स्टेशनों से जानकारी प्राप्त करें।

यदि गणपति की स्थापना और विसर्जन के स्थान पर कोई विवाद है या पूर्व में किसी विवाद को लेकर कोई दंगा या नाराजगी हुई है, तो ऐसे स्थानों को चिह्नित करने का सुझाव दिया गया है। शहर के सभी प्रभागों के पुलिस उपायुक्त सभी थाना प्रभारियों द्वारा इन सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्देश दें, नागरिक समिति के नेताओं की एक मुख्य बैठक आयोजित करें, मोहल्ला समिति, पड़ोस निगरानी समिति और अन्य सभी सांप्रदायिक संगठनों को शांति और सद्भाव बनाए रखने का निर्देश दें।

साहित्य की अभूतपूर्व सेवा कर रहा है जैन साहित्य संगम: थावरचंद गहलोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतरराष्ट्रीय जैन साहित्य संगम के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से भेंट कर मुम्बई में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन-2024 में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का आमंत्रण दिया।

राज्यपाल को जैन साहित्य संगम-कर्नाटक प्रदेशाध्यक्ष डॉ. प्रकाश दक के नेतृत्व में गौतमचंद सालेचा (कर्नाटक-सचिव), दिलीप गाँधी (बेंगलूरु-अध्यक्ष), रमेश श्रीश्रीमाल (सहसचिव-कर्नाटक), राजेश चावत (सचिव-बेंगलूरु) ने अधिवेशन में पधारने का आत्मीय-आमंत्रण दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने जैन साहित्य संगम के साहित्यिक अवदानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था साहित्य की अभूतपूर्व सेवा कर रही है। उन्होंने यथासंभव अधिवेशन में आने के लिए आश्वस्त किया। उल्लेखनीय है कि जैन कवि-साहित्यकारों की प्रतिनिधि संस्था जैन साहित्य संगम का राष्ट्रीय अधिवेशन 20 से 22 सितम्बर को लोढाधाम मुम्बई में होने जा रहा है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप जैन हर्षदर्शी ने बताया कि इस अवसर पर विश्वसंत, श्रेष्ठीवर्य, राष्ट्रीय राजनेता व फिल्मी संगीतकार आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। महामंत्री मनोज मनोकामना ने बताया कि संस्था की अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू-मंगलप्रभात लोढ़ा के सौजन्य से आयोजित इस अधिवेशन में देश-विदेश से कवि-साहित्यकार भाग ले रहे हैं।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश की संभावना

कुछ क्षेत्रों में ऑरेंज तो कही रेड अलर्ट जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बन रहे दो अलग-अलग दबाव के मद्देनजर राज्य में भारी बारिश का अनुमान है और मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य के तटीय, पर्वतीय और दक्षिणी आंतरिक हिस्सों के कई हिस्सों में बारिश हुई है और आगे भी बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने तटीय, पहाड़ी और दक्षिणी भीतरी इलाकों में उच्च वर्षा के पूर्वानुमान के कारण तटीय क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट और बाकी हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट की घोषणा की है। तटीय और पहाड़ी जिलों में शनिवार तक भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार से मध्यम बारिश जारी रहने की उम्मीद है। राज्य के दक्षिणी आंतरिक जिलों में मध्यम बारिश होगी, कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होगी। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र के सेवानिवृत्त विशेष निदेशक वीएस प्रकाश ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में गंभीर दबाव बना हुआ है और यह चक्रवात बन रहा है। इसका राज्य पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। अगर तटीय और पहाड़ी इलाकों में बारिश जारी रही तो उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में बादल छाए रहेंगे। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु समेत दक्षिणी भीतरी इलाकों के कई जिलों में बादल छाए रहेंगे और छिटपुट बारिश की भी संभावना है।

अरब सागर में हवा का दबाव कम होने से ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। चूंकि गुजरात राजस्थान की तरफ है, इसलिए राज्य पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ता है। इसी तरह, चूंकि बंगाल की खाड़ी में चक्रवात ओडिशा और आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ रहा है, इसलिए इसका प्रभाव राज्य में कम है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश की संभावना कम है।

भाजपा दलित नेता की आलोचना के लिए एमबी पाटिल की निंदा

हताशा में व्यवहार करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनादर करने के बराबर : विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल पर भूमि आवंटन विवाद के सिलसिले में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के परिवार के खिलाफ आवाज उठाने पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी को कथित तौर पर निशाना बनाने के लिए निशाना साधा। चलवाडी नारायणस्वामी कर्नाटक में भाजपा का एक प्रमुख दलित चेहरा हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि मैं मंत्री एमबी पाटिल के व्यवहार की कड़ी निंदा करता हू और उनसे आग्रह करता हू कि वे नारायणस्वामी और अनुसूचित समुदायों से तुरंत बिना शर्त माफी मांगें। चलवाडी नारायणस्वामी अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले विपक्षी दल में एक संवैधानिक पद पर हैं। अपने पद की गरिमा के बावजूद, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने अपमानजनक और उपहासपूर्ण शब्दों का इस्तेमाल करके अपने असभ्य व्यक्तित्व का

परिचय दिया है। यह अनुसूचित जाति समुदाय के एक सदस्य को उच्च पद पर रखने को बर्दाश्त करने में उनकी असमर्थता को दर्शाता है और उनकी नफरत को उजागर करता है। भाजपा ने एससी समुदाय से एक योद्धा की पहचान की है और उसे ऊंचा किया है। नारायणस्वामी ने कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) में सीए साइटों की अनियमित और अवैध मंजूरी के बारे में आरोप लगाए हैं। विजयेंद्र ने कहा इन आरोपों का खुले दिमाग से जवाब देने के बजाय, एमबी पाटिल की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि वे अनुसूचित जाति समुदाय के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति का अपमान करके अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं, जो एक साधारण पृष्ठभूमि से एक सम्मानित पद पर पहुंचे हैं। यह दर्शाता है कि अनुसूचित जाति समुदाय के लिए उनके मन में कितना सम्मान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीति में आलोचना और प्रति-आलोचना होनी चाहिए और सत्ताधारी दल के लोगों को विपक्ष की आलोचनाओं को सकारात्मक रूप से स्वीकार करके उदारता का प्रदर्शन करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि हताशा में व्यवहार करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनादर करने के बराबर है। नारायणस्वामी ने सिद्धरामैया सरकार द्वारा बेंगलूरु में एयरोस्पेस पार्क में पांच एकड़ जमीन के आवंटन को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे, राज्य मंत्री प्रियांक खड़गे पर हमला किया था और कहा था कि यह खड़गे परिवार द्वारा दलितों के साथ अन्याय है। उन्होंने दावा किया खड़गे परिवार दलितों के लिए निर्धारित जमीन पर राजनीति कर रहा है और योग्य दलितों को उनके उचित हिस्से से वंचित कर रहा है। उन्होंने इस संबंध में नए दस्तावेज भी जारी किए। उन्होंने कहा केआईएडीबी ने 72 दलित संगठनों से लाखों रुपये एकत्र किए, जिन्होंने भूखंडों के लिए आवेदन किया था, लेकिन अन्य परिवारों की अनदेखी करते हुए केवल खड़गे परिवार को ही भूमि आवंटित की।

सबसे बड़ी भूलों में से एक

उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने सभी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए खड़गे परिवार को मात्र 20 दिनों के भीतर भूमि स्वीकृत कर दी। उन्होंने जोर देकर कहा यह केआईएडीबी के इतिहास की सबसे बड़ी भूलों में से एक है। नारायणस्वामी ने मंगलवार को राज्यपाल से मुलाकात की और केआईएडीबी द्वारा भूमि आवंटन की गहन जांच के लिए एक पत्र सौंपा।

एमबी पाटिल ने खड़गे परिवार के खिलाफ आरोप लगाने के लिए उनकी आलोचना करते हुए कहा नारायणस्वामी सत्यवादी हरिश्चंद्र (एक महान राजा जिसने अपना राज्य दे दिया, अपने परिवार को बेच दिया और एक वादा पूरा करने के लिए गुलाम बनने के लिए सहमत हो गया) नहीं है। एमबी पाटिल ने उन्हें शेड मैन कहकर भी आड़े हाथों लिया था और कहा था कि 18 साल पहले आवंटित दो एकड़ जमीन पर उद्योग बनाने के बजाय उन्होंने सभी मानदंडों को ताक पर रखकर केवल एक शेड का निर्माण किया था।

कन्नड़ अभिनेता दर्शन को जेल में विशेष सुविधा देने की जांच शुरू

अधिकारियों ने कैदियों से की पूछताछ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में कन्नड़ अभिनेता दर्शन को विशेष सुविधा देने के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बेंगलूरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया कि जांच टीम ने जेल पहुंचकर कैदियों और अफसरों से पूछताछ की। इसमें कुछ कैदियों ने दर्शन को विशेष सुविधा देने की बात स्वीकार की। पुलिस आयुक्त ने कहा कि मामले में तीन केस दर्ज किए गए हैं। परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में चल रही अवैध गतिविधियों की जांच को लेकर कैदियों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि तीसरा मामला जेल अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया गया है। तीनों मामलों की जांच बेंगलूरु दक्षिण पूर्व क्षेत्र की पुलिस करेगी। जेल अधिकारियों के खिलाफ दर्ज मामले की जांच सहायक पुलिस आयुक्त के अधिकारी करेंगे और दो अन्य केसों की जांच इंस्पेक्टर रैंक अफसर करेंगे। उन्होंने कहा कि कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद

जेल के अंदर बीते दो दिन जांच की गई। इसमें जेल से एक और तस्वीर सामने आई है। इसे मामले से जोड़कर जांच की जा रही है। जांच दक्षिण पूर्व डिवीजन के उप पुलिस आयुक्त सारा फातिमा कर रही हैं। इसकी निगरानी अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर रमन गुप्ता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेल में कैदियों और अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। अगर कोई जेल के अंदर अवैध गतिविधि की जानकारी देता है तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे। अभिनेता दर्शन और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और अन्य को 8 जून को चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी नामक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। कथित तौर पर उसका अपहरण कर लिया गया था और उसे प्रताड़ित कर मार दिया गया। अभिनेता पर आरोप है कि रेणुकास्वामी की हत्या के समय दर्शन वहां मौजूद थे। वहीं, अभिनेत्री पर आरोप है कि उन्होंने दर्शन को रेणुकास्वामी को दंडित करने के लिए उकसाया था। अभिनेता के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी ने गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गए थे।

चन्नपटना विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस को दिया गया वोट मेरा होगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चन्नपटना विधानसभा सीट पर आगामी उपचुनाव से पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से कहा कि कांग्रेस को दिया गया वोट उनके लिए वोट होगा, चाहे कांग्रेस पार्टी से कोई भी उम्मीदवार क्यों न हो। अपने सदाशिवनगर निवास पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं ही 'बी' फॉर्म जारी करता हू और मैं इस पर हस्ताक्षरकर्ता हूं। इसलिए, चाहे कोई भी उम्मीदवार क्यों न हो, यह वोट मेरे लिए है। उपचुनाव के लिए भाजपा और जेडीएस के बीच गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन हाथ मिलाता है। हम लोगों की सेवा कर रहे हैं और वे सही निर्णय लेंगे। मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए कि क्या वह सीपी योगेश्वर का स्वागत करेंगे यदि वे कांग्रेस में

शामिल होने में रुचि दिखाते हैं, उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि मीडिया ऐसे सवाल क्यों पूछती है। मेरे पास कोई नहीं आया है और टेबल पर कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी उन्हें टिकट नहीं देती है तो योगेश्वर के निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की खबरों पर उन्हें यकीन नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा मैं इस बारे में मीडिया की खबरों पर यकीन नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में आयोजित रोजगार मेला इस क्षेत्र के युवाओं को रोजगार देने का एक प्रयास है। लोगों ने हमें उनकी सेवा करने का मौका दिया है, हम उनकी सेवा करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करेंगे। कुछ लोग कह रहे थे कि येत्तिनाहोल परियोजना साकार नहीं होगी, लेकिन हमने कुछ ही दिनों में एक प्रायोगिक ऑपरेशन किया है। हम जल्द ही परियोजना का उद्घाटन करेंगे। यह हमारी कार्यशैली है। इसी तरह, हमने इस क्षेत्र के युवाओं को रोजगार देने के लिए एक रोजगार मेला आयोजित किया है। हम एक ईमानदार प्रयास कर रहे हैं, देखते हैं यह कैसे होता हैं। कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए राजभवन चलो मार्च के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा राज्यपाल ने हमें शनिवार को एक समारोह में उनसे मिलने के लिए समय दिया है। उन्होंने हमें समय दिया है और हम अपील दायर करेंगे।

दर्शन का 511 कैदी नंबर अब उनके प्रशंसकों के बीच बन रहा ट्रेंड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हत्याकांड मामले में जेल में बंद दर्शन के प्रशंसकों की दीवानगी हद से ज्यादा बढ़ रही है। अग्रहारा से बेल्लारी जेल में शिफ्ट हुए दर्शन को दिया गया कैदी नंबर अब उनके प्रशंसकों के बीच एक ट्रेंड बन गया है। प्रशंसकों ने दर्शन को मिले कैदी नंबर 511 को अपनी गाड़ियों पर लिखना शुरू कर दिया है। जो प्रशंसक 6106 के प्रति वफादार थे, जो पहले दर्शन को जेल जाने पर दिया गया था, वही नंबर अपने वाहनों पर लिख कर खुश थे। उनकी बाइक, ऑटो, टैटू और बच्चे को कैदी नंबर 6106 पहनाया गया था और अब 511 नंबर ट्रेंड बन गया है। दर्शन के फैंस अपनी गाड़ियों पर बेल्लारी खैदी नंबर 511 लिखवाकर अपना प्यार दिखा रहे हैं। ज्ञातव्य है कि जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन, जो एक प्रशंसक के

अपहरण और हत्या मामले में आरोपी है, को गुरुवार की सुबह बेंगलूरु सेंट्रल जेल से बाहर निकाला गया। साथ ही बेल्लारी जेल में स्थानांतरित किया गया। यह उन तस्वीरों और वीडियो के सामने आने के बाद हुआ है, जिसमें दर्शन को जेल में विशेष सुविधाएं दी जा रही थी। पुलिस उन्हें सुबह 4.30 बजे बेंगलूरु सेंट्रल जेल से बोलेरो वाहन में ले गई। सूत्रों ने कहा कि जेल अधिकारियों ने मीडिया और आम लोगों को दर्शन को देखने से रोकने के लिए वाहन की खिड़कियों पर पर्दे लगा दिए थे। अधिकारियों ने बेल्लारी जाने का मार्ग बदल दिया था। चित्रदुर्ग से बेल्लारी जाने के सामान्य मार्ग की बजाय, वाहन को आंध्र प्रदेश के अनंतपुर मार्ग पर चिक्कबल्लापुर-बागेपल्ली के मार्ग से ले जाया गया। सूत्रों ने कहा कि काफिले का नेतृत्व एसीपी भरत रेड्डी ने की। इस बीच, दर्शन के प्रशंसकों की भीड़ को रोकने के लिए बेल्लारी जेल के आसपास के इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) अदालत ने मंगलवार को अपहरण और हत्या मामले में आरोपी कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन को बेंगलूरु सेंट्रल जेल से बेल्लारी सेंट्रल जेल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। सोशल मीडिया पर रविवार को जेल के लॉन में दर्शन की एक तस्वीर सामने आने के बाद मुख्य अधीक्षक ने अदालत के समक्ष यह दलील दी। इसमें एक उपद्रवी व्यक्ति भी शामिल है। दर्शन की साथी और मामले में मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा बेंगलूरु सेंट्रल जेल में रहेंगी। इस मामले में दर्शन के अन्य सहयोगी - पवन, राघवेंद्र और नंदीश - को मैसूरु जेल में स्थानांतरित किया जाएगा। जगदीश और लक्ष्मण को शिवमोग्गा जेल, धनराज को धारवाड़ जेल, विनय को विजयपुरा जेल, नागराज को कलबुर्गी जेल और प्रदूष को बेलगावी जेल भेजा जाएगा। अनुकुमार और दीपक बेंगलूरु सेंट्रल जेल में रहेंगे। चार आरोपियों, रवि, कार्तिक, निखिल और केशव मूर्ति को पहले तुमकुरु जेल में स्थानांतरित किया गया था। दो जेलरों सहित बेंगलूरु सेंट्रल जेल से जुड़े सात कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया और जेल के अंदर दर्शन को आलीशान सुविधाएं प्रदान करने के संबंध में तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इस संबंध में तीन विशेष टीमों ने जांच शुरू कर दी है।

सीआईडी द्वारा स्थगन की मांग के बाद

हाईकोर्ट येदियुरप्पा पॉक्सो मामले की सुनवाई 5 सितंबर को करेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट की एकल पीठ ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय समिति के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा की यौन अपराधों से बच्चों की रोकथाम अधिनियम (पोक्सो) मामले में याचिका खारिज करने की याचिका पर सुनवाई 5 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ सरकारी वकील अशोक नाइक द्वारा मामले में दस्तावेज जमा करने के लिए समय मांगे जाने के अनुरोध के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने पुलिस को येदियुरप्पा के खिलाफ कार्रवाई शुरू न करने का निर्देश देने वाले अंतरिम आदेश को भी जारी रखा है। येदियुरप्पा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील सी.वी. नागेश ने अदालत को बताया कि हर दिन कांग्रेस सरकार के एक या दूसरे मंत्री येदियुरप्पा को जेल भेजने के बारे में टिप्पणी जारी कर रहे हैं। उनका दावा है कि वे अंतरिम रोक हटवाएंगे और उन्हें गिरफ्तार करवाएंगे। हालांकि, अब वे मामले को स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। वकील नागेश ने आगे कहा कि मंत्रियों ने कहा कि येदियुरप्पा को मामले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए और उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। मैं दूसरे पक्ष को चुनौती देता हू कि वह अब दलीलें पेश करे। अगर मेरे मुवक्किल के भाग्य में जेल जाना है, तो उन्हें जेल जाने दो। इसका जवाब देते हुए

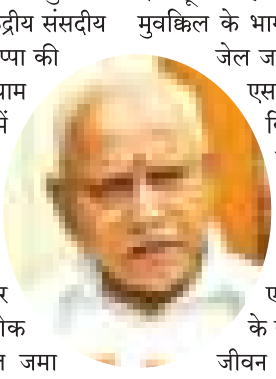

एसपीपी अशोक नाइक ने कहा कि हम मामले में बहस के लिए तैयार हैं। इससे पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि 82 साल की उम्र में पॉक्सो एक्ट मामले में आरोपित होने के बाद येदियुरप्पा को सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले लेना चाहिए। उन्होंने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं और विपक्षी दलों द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भाजपा द्वारा उनसे इस्तीफा मांगे जाने पर निशाना साधते हुए यह बात कही थी। सीएम ने कहा येदियुरप्पा पर पॉक्सो मामले में आरोप लगाए गए हैं और यह अदालत की दया के कारण है कि उन्हें जेल नहीं भेजा गया है क्योंकि ऐसे मामलों में जमानत नहीं दी जा सकती। अगर इस उम्र में वे पॉक्सो मामले में फंस गए हैं तो येदियुरप्पा में क्या नैतिकता है? मीडिया इस बारे में ज्यादा नहीं दिखाएगा। सीएम सिद्धरामैया ने कहा येदियुरप्पा को सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले लेना चाहिए। 82 साल की उम्र में उन्होंने एक लड़की के साथ दुर्व्यवहार किया है और उनके खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। ऐसे में उन्हें मेरे खिलाफ बोलने का क्या नैतिक अधिकार है? पहले उन्हें सार्वजनिक जीवन से संन्यास लेने दें फिर हम मेरे इस्तीफे के बारे में देखेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से कहा कि वे अपनी कुर्सी बचाने पर ध्यान दें और मांग की कि कांग्रेस पार्टी को पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के राजनीतिक संन्यास के बारे में दिए गए बयान वापस लेने चाहिए। उन्होंने कहा मेरे पिता के बारे में हल्के में बोलना बंद करें। येदियुरप्पा को सार्वजनिक जीवन से संन्यास लेने के लिए कहने के बजाय, मुख्यमंत्री को हजारों करोड़ की लूट को स्वीकार करते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। येदियुरप्पा के खिलाफ मामले की जांच कर रही सीआईडी ने 27 जून को यहां विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। आरोप पत्र के अनुसार, येदियुरप्पा पर अन्य तीन आरोपियों के साथ मिलीभगत करके पॉक्सो अधिनियम और आईपीसी की धारा 354 (ए) (यौन उत्पीड़न), 204 (दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड नष्ट करना) और 214 (अपराध को छिपाने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को रिश्वत की पेशकश करना) के तहत आरोप लगाए गए थे।

राज्य में 1.5 करोड़ भाजपा सदस्यता का लक्ष्य: नंदीश रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश महासचिव नंदीश रेड्डी ने कहा कि राज्य में 1.5 करोड़ भाजपा सदस्यता का लक्ष्य दिया गया है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में आयोजित भाजपा रायता मोर्चा की राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने केंद्र के निर्देशानुसार 1.5 करोड़ का लक्ष्य दिया है। उन्होंने कहा कि 2014 में 74.88 लाख, पिछली बार यानी 2019 में 26.86 लाख अतिरिक्त सदस्यता को मिलाकर लगभग 1 करोड़ सदस्यता दर्ज की गई। रायता मोर्चा को बूथ स्तर पर सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र से किसानों को होने वाले लाभ के बारे में किसानों को जानकारी दी जाये। रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली, रायता मोर्चा के राज्य महासचिव कलमारुदप्पा, डॉ. बीसी नवीनकुमार, राज्य उपाध्यक्ष गुरुलिंगना गौड़ा, भारती मल्लिकार्जुन, राज्य सचिव आर. राजेश, सतीश, अशोक कुमार, रायता मोर्चा के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यकर्ता देवेगौड़ा के सपने को पूरा करने के लिए करें काम: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि सदस्यता पंजीकरण पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा का कई वर्षों का सपना है, जो कि पूरा होना चाहिए।

तुमकुरु शहर के कोल्लापुरदाम हॉल में आयोजित बूथ समिति अभियान और सदस्यता कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के सभी 31 जिलों में सदस्यता पंजीकरण चल रहा है और हमने शुक्रवार को तुमकुरु से इसकी शुरुआत की है। पार्टी को राज्य में मजबूती से खड़ा करना है और ग्रामीण स्तर पर कार्यकर्ताओं की पहचान करने के उद्देश्य से सदस्यता पंजीकरण किया जा रहा है। इससे पहले, पार्टी ने तुमकुरु जिले में ग्यारह निर्वाचन क्षेत्रों में से नौ सीटें जीती थीं, इसी तरह, आने वाले दिनों में भी पार्टी जिले में मजबूत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में जिप, निगम और नगर निगम के चुनाव होंगे, तब हमें अपनी ताकत दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि हम पार्टी कार्यकर्ताओं को लगातार प्रशिक्षित करेंगे और विचार एकत्र कर पार्टी के सिद्धांतों को लोगों तक पहुंचाने का काम करेंगे। विधायक सुरेश बाबू ने कहा कि पार्टी को कैडर आधारित पार्टी बनाने की जरूरत है। उन्होंने उन पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की, जिन्होंने पिछली लोकसभा में वी. सोमन्ना को जिताने के लिए ईमानदारी से प्रयास किया। उन्होंने कहा पार्टी को हासन और मांड्या जिलों की तुलना में तुमकुरु में मजबूत बनाने की जरूरत है। बूथ स्तर की समिति का गठन करते समय सभी जातियों और महिलाओं सहित बुजुर्गों को प्रतिनिधित्व दिया जाए और प्रत्येक बूथ स्तर के सदस्य से सदस्यता शुल्क लिया जाए, तो कार्यकर्ताओं को गर्व होगा कि मैंने शुल्क का भुगतान किया है और सदस्य बन गया हू। राज्य में कांग्रेस पार्टी दलितों को मिलने वाली सुविधाओं में भी कटौती कर रही है, जो एक दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य है कि कुमारस्वामी द्वारा दी गई योजनाएं कांग्रेस की पांच गारंटी से बेहतर थीं। उन्होंने कहा कि अगर हम किसानों को कुछ देंगे तो किसान हमें वापस देंगे। पूर्व विधान परिषद सदस्य एचएस शिवशंकर ने कहा कि पार्टी में कार्यकर्ताओं से ज्यादा नेता हैं। इसलिए इतने लंबे समय तक सदस्यता पंजीकरण संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि अब इस बार सदस्यता का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। जिला अध्यक्ष आरसी अंजनप्पा ने कहा कि पार्टी को राज्य में 100 सीटें मिलेंगी और कुमारस्वामी फिर से मुख्यमंत्री बनें, इसलिए कुमारस्वामी और निखिल कुमारस्वामी के नेतृत्व में सदस्यता पंजीकरण किया जा रहा है। इस मौके पर पूर्व मंत्री डी. नागराजैया, विधायक एम. टी. कृष्णप्पा, पूर्व विधायक थिमरायप्पा, सुधाकर लाल, वीरभद्रप्पा, एच. लिंगप्पा, पूर्व जीपीएम सदस्य तिमारेड्डी, गंगन्ना, पूर्व उप महापौर नागराज और सदस्य मंजूनाथ आदि नेता मौजूद रहे।

विधानसभा परिसीमन भी चुनौती पैदा कर रहा है उम्मीदवारों के लिए

जम्मू, 30 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में एक दशक के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में उम्मीदवारों को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों में विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं का फिर से निर्धारण और प्रचार के लिए कम समय शामिल है। एकमात्र चीज जो नेताओं को आगे बढ़ा रही है, वह है मतदाताओं का सकारात्मक मूड।

परिसीमन के बाद, पहले से मौजूद विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को बदल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों में बूथ जोड़े और काटे गए। विधानसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव लड़ने के लिए तैयार उम्मीदवारों का एक बड़ा हिस्सा मानता है कि उन्होंने कभी अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में बदलाव की उम्मीद नहीं की थी।

बिजबिहाड़ा विधानसभा क्षेत्र से नेशनल कांफ्रेंस के उम्मीदवार डॉ. बशीर अहमद वीरी कहते हैं कि यह नए सिरे से स्कूल जाने और पहली कक्षा से शुरू करने जैसा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रचार के लिए ऐसे गांव में जाऊंगा जो कभी मेरे निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा नहीं था। यह जनसांख्यिकीय संरचना वास्तव में मेरे लिए और मेरा मानना है कि चुनाव मैदान में उतरे सभी लोगों के लिए एक चुनौती है। वीरी कहते हैं कि बिजबिहाड़ा पीडीपी के आने से पहले नेकां का गढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस निर्वाचन क्षेत्र में हमेशा नेकां और पीडीपी के बीच सीधी लड़ाई देखी गई है, लेकिन इस बार भाजपा का उम्मीदवार भी मैदान में है।

यही नहीं एक और चुनौती यह है कि अधिकांश बुजुर्ग मतदाता मर चुके हैं और जिन युवा मतदाताओं को मैं 10 साल पहले जानता था, जो 20 के दशक में थे, वे अब 30 के दशक में हैं और जो 30 के दशक में थे, वे 40 के दशक में हैं। चुनाव कराने में दस साल की देरी एक लंबा समय है। मेरी पार्टी के पीछे होने के कारण, मैं किसी तरह अपने मतदाताओं को मनाने और उन्हें अपनी पार्टी के एजेंडे और घोषणापत्र को स्वीकार करने के लिए राजी करने में सक्षम हूं। लेकिन यह सब आसान नहीं है।

वीरी के बकौल, उनके निर्वाचन क्षेत्र का कुछ हिस्सा होम शालीबाग क्षेत्र में चला गया है। इसके बावजूद, मेरे मतदाताओं का मूड मुझे आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सकारात्मक है। वे कहते थे कि नेकां के बारे में नकारात्मक धारणा जमीनी स्तर पर बदल गई है। मेरे लिए चिंता की बात यह है कि प्रचार के लिए समय की कमी है। इसी तरह से शोपियां के वाची निर्वाचन क्षेत्र के युवा नेता और पूर्व विधायक एजाज मीर, जो पीडीपी द्वारा टिकट न दिए जाने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, कहते हैं कि परिसीमन के बाद, उनके पूर्ववर्ती निर्वाचन क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक बूथ दूसरे निर्वाचन क्षेत्रों में चले गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की पारंपरिक मांगें- सड़क, बिजली और पानी तो हैं ही, लेकिन साथ ही, नई चिंताएं और मांगें भी हैं। नकली कीटनाशकों की बिक्री सेब किसानों के लिए एक बड़ी समस्या है। इसी तरह, ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें जीतने वाले व्यक्ति को हल करने की आवश्यकता है।

आगामी चुनावों में एक बड़ा अंतर यह है कि डर का स्तर गायब हो गया है और मतदाताओं में उत्साह है, जो मेरा मनोबल ऊंचा रखता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ना चुनौतियों से भरा है। मीर ने पत्रकारों से कहा कि मुझे अभी तक कोई चुनाव चिह्न नहीं मिला है। मैं अपने पोस्टर कब प्रकाशित करूंगा और कब प्रचार शुरू करूंगा। मेरे पास केवल 15 दिन हैं। यह कोई आसान काम नहीं है। माकपा नेता और कुलगाम से पूर्व विधायक एम वाई तारिगामी ने कहा कि 2019 के बाद बहुत कुछ बदल गया है। उन्होंने कहा कि केवल पूर्ववर्ती विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं ही नहीं, विधानसभा सीटों की संख्या भी बदल गई है। राज्य का दर्जा भी छिन गया है और इसकी बहाली पर किसी की ओर से कोई शब्द नहीं है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट का शब्द है, लेकिन केंद्र में शीर्ष पर बैठे लोगों की ओर से कोई शब्द नहीं है।

तारिगामी कहते हैं कि मैं परिसीमन के लिए इस्तेमाल किए गए मापदंडों के खिलाफ हूं। यह स्पष्ट नहीं है कि परिसीमन के लिए कौन सी पद्धति अपनाई गई, जिससे जम्मू में सात सीटें जुड़ गईं, जहां आबादी कम है और कश्मीर में एक सीट, जहां आबादी अधिक है। इस बार स्थिति बिल्कुल अलग है, क्योंकि हम 10 साल बाद चुनाव देख रहे हैं। अपने प्रचार के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत घूमने-फिरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मतदाता उन्हें जानते हैं और वह भी उन्हें जानते हैं। तारिगामी ने कहा कि मेरे पास प्रचार करने का अपना तरीका है। मेरा मानना छ्है कि इस घुटन भरे माहौल में, विधानसभा चुनाव एक अवसर है, जिसका हमें फायदा उठाना चाहिए। तारिगामी कहते थे कि हमें बस एक समान खेल मैदान की जरूरत है।

हालांकि वरिष्ठ भाजपा नेता और बिजबिहाड़ा से पार्टी के उम्मीदवार सोफी यूसुफ कहते हैं कि 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली थी, तब से बहुत कुछ बदल गया है। उनका मानना था कि विकास तो हुआ है, लेकिन इसमें और गुंजाइश है। बदलाव हुआ है। मैं अपने प्रचार के दौरान लोगों की आकांक्षाओं और इच्छाओं को महसूस कर सकता था। वे नए नेता और नया प्रतिनिधित्व चाहते हैं। परिसीमन के बाद विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण पर यूसुफ ने कहा कि इससे भाजपा नहीं बल्कि क्षेत्रीय पार्टी के उम्मीदवार घबरा गए हैं। वे कहते थे कि मेरा मानना छ्है कि परिसीमन के बाद मेरा निर्वाचन क्षेत्र बहुत बड़ा हो गया है। जितने लोग होंगे, उतने ही वोट होंगे। मैं खुश हूं। हालांकि, सोफी ने माना कि उनके पास बहुत कम समय बचा है, क्योंकि उन्हें 113 गांवों को कवर करना है। किसी तरह मैं कामयाब हो रहा हूं। उम्मीद है कि मैं विजयी होऊंगा।

मौसम भी बाधा उत्पन्न कर रहा है चुनाव प्रचार में

जम्मू, 30 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने चुनाव प्रचार को प्रभावित किया है, जिससे उम्मीदवार चिंतित हैं। जम्मू कश्मीर में एक दशक के बाद बहुप्रतीक्षित विधानसभा चुनाव 18 सितंबर से तीन चरणों में हो रहे हैं।

बिजबिहाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सोफी यूसुफ ने कहा कि उनके पास वास्तव में समय की कमी है, क्योंकि प्रचार के लिए केवल 15 दिन बचे हैं। वे कहते हैं कि बारिश ने प्रचार को बाधित किया है, हालांकि मैं और कार्यकर्ता गति बनाए रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। भारी बारिश के बीच लोगों तक पहुंचना बहुत मुश्किल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक-दो दिन में मौसम ठीक हो जाएगा।

दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी पीडीपी उम्मीदवार इल्तिजा मुफ्ती का आज सुबह बिजबिहाड़ा में अपने प्रतिद्वंद्वी सोफी यूसुफ से आमना-सामना हुआ। पीडीपी और भाजपा दोनों के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और बाद में शांतिपूर्वक तितर-बितर हो गए। यूसुफ का कहना था कि यह असली लोकतंत्र है। चुनाव में शामिल हर किसी को प्रचार करने का अधिकार है। यह चुनाव निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए भी काफी चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है, क्योंकि उन्हें अभी तक उनके चुनाव चिह्न नहीं मिले हैं।

शोपियां के वाची निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे एजाज मीर ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में 90 से अधिक गांव हैं और सभी गांवों में प्रचार करना काफी मुश्किल है। पहले ही हमारे पास समय की कमी है, क्योंकि प्रचार के लिए सिर्फ 15 दिन बचे हैं और अब बारिश ने खेल बिगाड़ दिया है। बारिश ने हमारी चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। मुझे अभी तक चुनाव चिह्न नहीं मिला है। मीर कहते हैं कि मैं पोस्टर कब छपवा सकता हूं और बैनर कब लगा सकता हूं। अब हमारे पास बारिश में भी प्रचार जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हालांकि नेशनल कांफ्रेंस के उम्मीदवार डा बशीर अहमद वीरी कहते थे कि जम्मू कश्मीर में जब भी चुनाव हुए हैं, मौसम हमेशा एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। समय की कमी हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमें एक बड़े क्षेत्र को कवर करना है, जो सिर्फ 15 या 20 दिनों में असंभव है। चाहे कितनी भी तेज बारिश हो, हमें एक जगह से दूसरी जगह जाने में आने वाली कठिनाइयों के बावजूद अपना प्रचार जारी रखना है। इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है।

सीएनएन की रिपोर्ट भारत को बदनाम करने वाली : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत ने अमेरिकी चैनल सीएनएन पर बांग्लादेश में बाढ़ से संबंधित रिपोर्टों को भ्रामक, तथ्यात्मक रूप से गलत और इरादतन बदनाम करने वाली बताते हुए शुक्रवार को खारिज कर दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गए सवालों पर कहा, हमने बांग्लादेश में बाढ़ की स्थिति पर सीएनएन रिपोर्ट देखी है। इसका वर्णन भ्रामक है और यह बताने की कोशिश की गई है कि बाढ़ के लिए किसी न किसी तरह भारत जिम्मेदार है।

यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। प्रवक्ता ने कहा कि रिपोर्ट भारत सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट करने के लिए जारी प्रेस विज्ञप्ति में उल्लिखित तथ्यों की अनदेखी करता है।

उन्होंने इस बात को भी नजरअंदाज कर दिया है कि जल संसाधन प्रबंधन के लिए मौजूदा संयुक्त तंत्र के माध्यम से दोनों देशों के बीच डेटा और महत्वपूर्ण सूचनाओं का नियमित और समय पर आदान-प्रदान होता है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बारे में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जैसा कि हमने पहले कहा, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री सुरक्षा कारणों से बहुत कम समय के नोटिस पर भारत आईं। इस मामले में हमारे पास जोड़ने के लिए और कुछ नहीं है। ढाका में भारतीय उच्चायोग में वीज़ा सेवाओं के संचालन पर पूछे जाने पर श्री जायसवाल ने कहा कि वर्तमान में बंगलादेश में सीमित भारतीय वीज़ा सेवाएं उपलब्ध हैं। अभी भारतीय वीज़ा आपातकालीन या चिकित्सा प्रयोजनों के लिए दिए जा रहे हैं। पूर्ण वीज़ा सेवाएं कानून और व्यवस्था बहाल होने और सामान्य स्थिति स्थापित होने के बाद ही फिर से शुरू हो सकती हैं।

हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण

रेलवे ने शुरू किया सर्वे, 4365 लोगों को नोटिस

हल्द्वानी, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

हल्द्वानी नगर के रेलवे स्टेशन के समीप 30 हेक्टेयर भूमि पर काबिज लोगों की भूमि पर एक बार फिर से रेलवे और नगर प्रशासन ने सर्वे का काम शुरू किया है। रेलवे का दावा है कि ये उसकी जमीन है और उसे स्टेशन विस्तार के लिए चाहिए, जबकि काबिज लोग इस पर सालों से यहां रहने पर इसे अपना बताते हैं।

रेलवे अपनी जमीन का दावा करने का मामला हाईकोर्ट से जीत चुका है, इसके साथ जुड़ी हुई जमीन नगर प्रशासन अपनी बताता है और वे भी हाई कोर्ट से जीत चुका है। काबिज लोग सुप्रीम कोर्ट गए है जहां दावे की सुनवाई चल रही है और 11 सितंबर को अगली सुनवाई होनी है। रेलवे स्टेशन से सटी इस भूमि पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर रेलवे विभाग ने पुनः सर्वे का काम पूरा कर लिया है। रेलवे ने डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम तकनीक से सर्वे किया है।

अब रेलवे और नगर प्रशासन की संयुक्त टीम आज से राजस्व और रेलवे भूमि दस्तावेजों का मिलान करते हुए सर्वे करेंगे। रेलवे और प्रशासन ने 4365 लोगों को सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के आरोप में नोटिस दिए हुए हैं। नगर प्रशासन, नगर निगम, ऊर्जा निगम, रेलवे, खाद्य आपूर्ति, बल विकास विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी घर घर जाकर, काबिज लोगों के पहचान पत्र, आधारकार्ड, परिवार सदस्यों की संख्या, घर के तलों की संख्या, बिजली पानी का बिल, राशन कार्ड, भूमि संबंधी दस्तावेज आदि का ब्यौरा एक प्रपत्र पर दर्ज करेंगे।

नगर मजिस्ट्रेट ए पी बाजपेई ने बताया कि बनभूलपुरा थाना क्षेत्र को छ सेक्टरों में बांट कर छ टीमें सर्वे का काम शुरू कर चुकी है। सभी टीमों की वीडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। ये सभी जानकारियां सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बेहद महत्वपूर्ण है, लिहाजा इसमें स्थानीय लोगों को भी सहयोग करना चाहिए।

बनभूलपुरा वार्ड संख्या 32 में ये सर्वे शुरू हुआ है और सेक्टर विभाजन की दृष्टि से लाल निशान लगाए गए है। उधर रेलवे प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में रेलवे स्टेशन के विस्तार संबंधी अपनी कार्य योजना को पेश करने का काम भी पूरा कर लिया है। उल्लेखनीय है कि पिछली तारीख में रेलवे को कोर्ट ने अपनी योजना पेश करने और उसके लिए कितनी भूमि चाहिए? संबंधी विषय रखने को बोला था।

जम्मू कश्मीर में पहले चरण में 15 करोड़पति उम्मीदवार मैदान में

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 30 अगस्त।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नजदीक आते ही वित्तीय खुलासे से पता चलता है कि प्रमुख राजनीतिक दलों के 15 से अधिक उम्मीदवार करोड़पति हैं और उनके जीवनसाथी के पास भी काफी संपत्ति है, खास तौर पर सोना। इन उम्मीदवारों और उनके परिवारों की आलीशान जीवनशैली इस क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। दक्षिण कश्मीर की डूरू विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गुलाम अहमद मीर 15 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं। उनकी पत्नी के पास

1,320 ग्राम सोना है और यह किसी भी अन्य उम्मीदवार की पत्नी के पास से अधिक सोना है।

सोने के स्वामित्व के मामले में दूसरे स्थान पर देवसर से पीडीपी उम्मीदवार सरताज मदनी की पत्नी हैं, जिनके पास 700 ग्राम सोना है और उनकी संपत्ति 46 लाख रुपए से अधिक है। तीसरे स्थान पर बिजबिहाड़ा उम्मीदवार अब्दुल रहमान वीरी की पत्नी हैं, जिनके पास 100 ग्राम सोना है। दिलचस्प बात यह है कि इन संपन्न उम्मीदवारों की पत्नियां खुद करोड़पति हैं।

संपत्ति के स्वामित्व के मामले में बनिहाल से उम्मीदवार इम्तियाज अहमद शान की पत्नी पहले स्थान पर हैं, जिनकी कुल संपत्ति 11 करोड़ रुपए है। उम्मीदवारों की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी काफी भिन्न है।

नामांकन दाखिल करने वाले कई पुरुष उम्मीदवारों ने केवल सामान्य शिक्षा ही हासिल की है, जिनमें से अधिकांश 10वीं या 12वीं पास हैं। हालांकि, किश्तवाड़ से दोनों महिला उम्मीदवार, भाजपा की शगुन परिहार और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) की पूजा ठाकुर, अच्छी तरह से शिक्षित हैं, जिनके पास क्रमशः एमटेक और एमए, बीएड की डिग्री है। पुरुष उम्मीदवारों में, डोडा पश्चिम से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के प्रदीप कुमार अंग्रेजी में पीएचडी के साथ सबसे आगे हैं। डोडा और रामबन से चुनाव लड़ रहे भाजपा, कांग्रेस, एनसी या डीपीएपी के किसी भी उम्मीदवार के पास 12वीं कक्षा से आगे की योग्यता नहीं है।

संपत्ति के मामले में, कांग्रेस के गुलाम अहमद मीर 15.80 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ सबसे अमीर उम्मीदवार बनकर उभरे हैं। उनके बाद भाजपा के राकेश सिंह 13.45 करोड़ रुपए और सुनील कुमार शर्मा 2.97 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। अन्य उल्लेखनीय उम्मीदवारों में नेकां के हसनैन मसूदी (7 करोड़ रुपए), नेकां के महबूब इकबाल (7 करोड़ रुपए) और पीडीपी के इम्तियाज अहमद शान (7.76 करोड़ रुपए) शामिल हैं।

थरूर के खिलाफ मानहानि का मुकदमा रद्द करने से इन्कार

पीएम मोदी को बताया था शिवलिंग पर बैठा बिच्छू

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता शशि थरूर के खिलाफ मानहानि के मामले को खारिज करने से इन्कार कर दिया है। इसके अलावा, अदालत ने मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी पिछली रोक भी हटा दी है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने साल 2018 के बैंगलोर साहित्य महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना शिवलिंग पर बैठे बिच्छू से की थी।

न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंहदीरत्ता की पीठ ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय को इस स्तर पर कार्यवाही रद्द करने का कोई आधार नहीं मिला है। उन्होंने दोनों पक्षों को 10 सितंबर 2024 को निचली अदालत में पेश होने का भी निर्देश दिया। साल 2020 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने थरूर के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। मानहानि का यह मुकदमा दिल्ली भाजपा के नेता राजीव बब्बर द्वारा दायर की गई है। इस मामले में शशि थरूर को तलब करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह रोक जारी की है। अप्रैल 2019 में ट्रायल कोर्ट ने बब्बर द्वारा साल 2018 में दायर आपराधिक मानहानि शिकायत के जवाब में थरूर को तलब किया था।

दिल्ली की एक अदालत ने जून 2019 में शशि थरूर को जमानत दे दी थी। बब्बर ने दावा किया कि अक्टूबर 2018 में बैंगलोर लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान शशि थरूर द्वारा की गई टिप्पणी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना शिवलिंग पर बैठे बिच्छू से की गई थी। बब्बर ने तर्क दिया कि यह बयान उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला और भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए अपमानजनक है। वहीं, थरूर ने मानहानि से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत दायर की गई शिकायत को रद्द करने की मांग की थी।

वादों की शत प्रतिशत डिलीवरी कर यूपी बना विश्वसनीय प्रदेश

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को 32 निवेशकों को 1300 करोड़ की प्रोत्साहन राशि और विभिन्न कंपनियों को एलओसी वितरण किया। यह कार्यक्रम अपनी नीतियों के प्रति योगी सरकार की प्रतिबद्धता, प्रदेश के बदले परिवेश और रोजगार सृजन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये ऐसे ही नहीं हुआ है। विगत साढ़े सात वर्षों में निवेश के अनुकूल माहौल बनाने के लिए सीएम योगी ने दिन रात एक किया है। पुराने उद्योगों के साथ ही नए उद्योगों को आकर्षित करने के लिए 27 सेक्टोरल पॉलिसी बनाई गई हैं और उन्हें लागू किया गया है। कानून व्यवस्था में सुधार करके उद्यमियों और व्यापारियों के डर को खत्म किया है। निवेश मित्र पोर्टल को संचालित किया है, जिसके जरिए उद्यमियों को एनओसी के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे। साथ ही उन्हें ऑनलाइन इंसेंटिव का लाभ भी मिल रहा है। उद्योगों को 24 घंटे बिजली आपूर्ती सुनिश्चित की गई है। उनकी सहायता के लिए हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, एयरपोर्ट और वाटरवे की कनेक्टिविटी पर तेजी से काम हुए हैं। ओडीओपी को प्रोत्साहित करके उन्होंने प्रदेश के अंदर निवेशकों को भी प्रेरित किया है। कुल मिलाकर सीएम योगी ने निवेशकों से जो वादा किया, उसकी शत प्रतिशत डिलीवरी करके उनके मन में प्रदेश सरकार और यहां की कार्य प्रणाली के लिए विश्वसनीयता स्थापित की है।

उत्तर प्रदेश को देश का इकोनॉमिक पावर हाउस बनाने में सबसे बड़ी भूमिका सिंगल विंडो सिस्टम निवेश मित्र पोर्टल की रही है। निवेश मित्र पोर्टल ने एनओसी/लाइसेंस के 15.40 लाख से अधिक आवेदनों को सफलतापूर्वक निस्तारित किया है। 8 लाख से अधिक उद्यमियों ने निवेश मित्र पोर्टल के विषय में संतुष्टि का फीडबैक दिया है। इस पोर्टल पर अब तक 10 लाख से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं। योगी सरकार के इस सिंगल विंडो सिस्टम पर 42 से अधिक विभागों की 491 से अधिक लाइसेंस संबंधी सेवाएं उपलब्ध हैं। विगत 6 वर्षों में इस पोर्टल को उत्तर प्रदेश में निवेश के इच्छुक उद्यमियों की तरफ से एनओसी/लाइसेंस के लिए 15.90 लाख से अधिक आवेदन मिले हैं, जिसमें से पोर्टल द्वारा 97 प्रतिशत आवेदनों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। वहीं, सरकार ने उद्यमी मित्रों की नियुक्ति करके निवेशकों की समस्याओं के निराकरण के लिए बड़ा प्रयास किया है।

आज उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में बिना भेदभाव बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इंडस्ट्री को ओपन एक्सेस की सुविधा दी गई है और साथ ही उन्हें रिन्यूएबल एनर्जी के माध्यम से बिजली आपूर्ति की सुविधा का लाभ प्रदान करने की पहल की है। यूपीसीडा के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों में सोलर प्लांट, सोलर पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालयों को 24 घंटे, तहसील मुख्यालय को 20 से 22 घंटे और ग्रामीण इलाकों को 18 से 20 घंटे बिजली दी जा रही है।

योगी सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति और भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है, जिससे कानून व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है। एनसीआरबी के डाटा के मुताबिक 2016 से 2024 की तुलना में तो यूपी में अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है। डकैती में 86.47, लूट में 78. 17, हत्या में 43.21, बलवा में 67.42 और फिरौती के लिए अपहरण में 70 फीसदी की कमी आई है। 2017 से 2022 में यूपी के सापेक्ष तेलंगाना, ओडिशा, राजस्थान, पं. बंगाल, महाराष्ट्र में अपराध अधिक बढ़े थे। यूपी में निरोधात्मक कार्रवाई के मामले में शस्त्र अधिनियम के तहत 2016 की तुलना में 2024 में 4.45 प्रतिशत, एनडीपीएस में 14.98 फीसदी, आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 57.95 प्रतिशत, गुंडा अधिनियम 70.69, गैंगस्टर के तहत 15.81 फीसदी अधिक कार्रवाई सरकार ने की है।

प्रदेश सरकार ने 10 महत्वपूर्ण सेक्टर बनाए हैं, उनमें इंफ्रास्ट्रक्चर का महत्वपूर्ण रोल है। प्रदेश के अंदर एक्सप्रेसवे, इंटरस्टेट कनेक्टिविटी, हाईवे का एक बेहतरीन जाल बिछ चुका है। यमुना एक्सप्रेसवे पहले से था। 2017 में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे बन रहा था। वहीं, पिछले 7 वर्ष में कई एक्सप्रेसवे बनाए गए हैं। इसमें दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, दिल्ली आगरा एक्सप्रेसवे शामिल है। दिसंबर 2024 तक गंगा एक्सप्रेसवे भी बनकर तैयार हो सकता है। इसके अलावा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, बलिया लिंक एक्सप्रेसवे के साथ ही चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे पर कार्य हो रहा है। शाहजहांपुर से फर्रूखाबाद होते हुए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए एक नए एक्सप्रेसवे पर कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ने की कार्यवाही को भी सरकार आगे बढ़ा रही है। इंटरस्टेट कनेक्टिविटी को फोरलेन की कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है। हर जिला मुख्यालय, तहसील मुख्यालय को फोर लेन और ब्लॉक मुख्यालय को टू लेन के साथ जोड़ने पर तेजी से काम हो रहा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में रेलवे नेटवर्क को भी मजबूत किया गया है। दिल्ली और मेरठ के बीच रैपिड रेल शुरू हुई है। पहले दिल्ली और मेरठ के बीच की दूरी कम होने के बाद भी साढ़े तीन से चार घंटे का समय लगता था। आज यह दूरी 40 से 45 मिनट में पूरी की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी के लिए भी कार्य हुए हैं। अब तक 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट और 11 डॉमेस्टिक एयरपोर्ट क्रियाशील हैं और बहुत जल्द ही 5वें इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में जेवर एयरपोर्ट को भी क्रियाशील किया जाना है।

यह एशिया का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में से एक होने जा रहा है जो उत्तर प्रदेश की इकॉनमी के लिए बहुत बड़ी बात होगी। यही नहीं, उत्तर प्रदेश सरकार ने वाटरवे का निर्माण भी किया है। वाराणसी से हल्दिया के बीच में वाटरवे सफलतापूर्क कार्य कर रहा है, तो अयोध्या से हल्दिया के बीच में वाटरवे के सर्वे की कार्यवाही को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश उन राज्यों में है जिसने वाटरवे अथॉरिटी की स्थापना करके जलमार्गों की संभावनाओं को भी गति देने की कार्यवाही को अंजाम दिया है।

मेगा जॉब फेयर के जरिए युवाओं का भविष्य संवार रही योगी सरकार

वाराणसी, 30 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नामचीन राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ,के साथ ही विदेशों औरउत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में भी नौकरी पाने अवसर दे रही है। वाराणसी के राजकीय आईटीआई (स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर) करौधी में शनिवार 31 अगस्त को मेगा जॉब फेयर में का आयोजन होने जा रहा। जॉब फेयर में जानी मानी लगभग 20 से अधिक नेशनल और मल्टीनेशनल कंपनी के शामिल होने की संभावना है। इस मेगा जॉब फेयर में 800 युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। अभ्यर्थियों को जॉब फेयर में शामिल होने के लिए अपना पंजीयन सरकार के पोर्टल पर करना अनिवार्य है।

वाराणसी क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के रोजगार मेला प्रभारी दीप सिंह ने जानकारी दिया कि राजकीय आईटीआई (स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर) करौधी में शनिवार को मेगा जॉब फेयर में का आयोजन होने जा रहा। इसमें 20 से अधिक राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियां भाग ले रही है। रोजगार मेले में उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम में संविदा पर चालक की भर्ती का अवसर दिया जा रहा है। इसके लिए अभ्यर्थियों को 2 वर्ष पुराना हैवी व्हीकल का ड्राइविंग लाइसेंस होना तथा नियमानुसार उम्र, हाइट और क्वालिफिकेशन का होना अनिवार्य है। मेला प्रभारी ने बताया कि 31 अगस्त को लगने वाले बृहद रोज़गार मेले में शनिवार को भी रोजगार संगम पोर्टल पर रोजगार मेला शुरू होने के पहले तक पंजीयन कराके अभ्यर्थी मेले में सम्मिलित हो सकते हैं।

रोजगार मेले में कई प्रमुख कंपनियों ने प्रतिभाग करेंगी। भारत सरकार की उपक्रम स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर युवाओं को विदेश मे नौकरी पाने का अवसर देंगी। इसके अलावा होटल ताज,एमआरएॅफ़ टायर्स, लिमिटेड, बजाज ऑटो लिमिटेड, क्यूस कॉर्प लिमिटेड, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, जनकल्याण ट्रस्ट, गुडविल इंडिया मैनेजमेंट कंपनी ऑफ ग्रुप, खेतिहर ऑर्गेनिक सलूशन, गीगा कॉर्पसोल, गहरवाल एडुकेयर, कोटक महेंद्रा, यूआरएस सिक्योरिटी सर्विसेस, वाल्क तरु इंटरनेशनल, बॉम्बे इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी सर्विसेस, ब्राइट फ्यूचर ऑर्गेनिक सलूशन, टीएसपीएल ग्रुप सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, टाटा मोटर्स, सोनाटा फाइनेंस, शिव शक्ति बायोटेक, सत्य माइक्रो फाइनेंस आदि कंपनियों ने प्रतिभाग करेंगी।

ई-कॉमर्स के जरिए नए युग का हुआ सूत्रपात: योगी

फ्लिपकार्ट के उन्नाव और वाराणसी वेयरहाउस का वर्चुअल उद्घाटन

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने की दिशा में प्रयासरत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म को नए युग की शुरुआत करने वाला कदम बताया। शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने ने फ्लिपकार्ट के उन्नाव व वाराणसी में वेयरहाउस का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन कर ओडीओपी विक्रेताओं के अनुभव साझा करने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमने डिजाइन, तकनीक, मार्केट समेत विभिन्न पहलओं पर कार्य करके हमने पैकेजिंग और एक्सपोर्ट पर फोकस किया। लेकिन इसको और गति देने का कार्य तब हुआ जब फ्लिपकार्ट ग्रुप हमारे साथ जुड़ा और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में जब उसने सेवाएं देनी प्रारंभ की तो ओडीओपी योजना न केवल प्रदेश बल्कि देश व दुनिया में प्रसिद्धि पाती दिखाई दी। स्वाभाविक रूप से ई-कॉमर्स के माध्यम से एक नए युग का सूत्रपात हुआ है। उन्होंने कहा कि यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहा है और हर नागरिक को, फिर चाहें व शहर में हो या फिर गांव में, उसे इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से दुनिया के किसी भी मार्केट तक अपने प्रोडक्ट को पहुंचाने का सामर्थ्य प्राप्त हुआ है जो पहले कठिन था और असंभव सा लगता था। इस अवसर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश में वेयरहाउसिंग नीति का लाभ लेकर कंपनियों को इस क्षेत्र में असीम संभावनाओं पर कार्य करने का भी आह्वान किया।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक निवेश के अभियान को एक नई गति देते हुए फ्लिपकार्ट कंपनी द्वारा उन्नाव व वाराणसी में अत्याधुनिक वेयरहाउसेस के लोकार्पण पर सीएम योगी ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि प्रदेश में एमएसएमई का एक बेस आज से नहीं बल्कि विगत सैंकड़ों वर्षों से है। लेकिन, समय के अनुरूप तकनीक, डिजाइन, पैकेजिंग समेत विभिन्न पहलुओं पर बदलते वक्त की मांग के अनुसार कार्रवाई न करने और ठोस कार्ययोजना न बनाए जाने के कारण पिछले तीन चार दशकों से दम तोड़ रहा था। इसका कोई प्रोत्साहन नहीं था। 2017 में जब प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फ्लिपकार्ट के उन्नाव और वाराणसी वेयरहाउस का उद्घाटन किया

में हमारी सरकार बनी तब प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तो हमने प्रदेश में अपने एमएसएमई सेक्टर की मैपिंग करना शुरू किया। फिर, इसके उत्पादों को हमने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के रूप में प्रमोट करना प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि मैंने उस समय विभाग के अधिकारियों से कहा था कि हमें अपने प्रदेश के परंपरागत उत्पादों को एक प्लैटफॉर्म देना होगा जो आम जनता को अपनी ओर आकर्षित कर सके। इसी बात को ध्यान में रखकर हमने ओडीओपी योजना को आगे बढ़ाया था।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के किसी भी मार्केट तक अपने प्रोडक्ट को पहुंचाने का कार्य पहले कठिन लगता था मगर आज तकनीक ने इस असंभव से दिखने वाले कार्य को न केवल संभव बनाया, बल्कि इसे नई दिशा भी दी। इसी दिशा में आज लखनऊ कमिश्नरी से जुड़े हुए जनपद उन्नाव में व दूसरा प्रदेश की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विख्यात वाराणसी में स्थापित किया गया है। हम देख सकते हैं कि कितने जॉब इससे क्रिएट हो सकते हैं, साथ ही वेयरहाउस होने के कारण आप अच्छी सर्विसेस दे पाते हैं जो जिससे प्रत्येक ग्राहक के साथ न्याय किया जा सकता है। इससे कालाबाजारी भी थमेगी क्योंकि इससे मोनोपॉली टूटती है। साथ ही, किसी प्रकार की धोखाधड़ी नहीं होगी जो कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा उत्पन्न करने के साथ ही विभिन्न अवसरों के द्वार खोल देता है। यह प्लैटफॉर्म कितना प्रभावी है इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इस माध्यम से हम एक जगह से पूरे शहर, पूरे प्रदेश और देश व दुनिया में अपने प्रोडक्ट्स की पहुंच बना सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की नीतियों का और एमओयू के माध्यम से प्रदेश में फ्लिपकार्ट बड़े स्तर पर कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में मातृशक्ति को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने तीन मेगा ग्रुप के साथ करार किए थे और ये प्रयास अब रंग दिखाने लगे हैं। लखनऊ में राधिका ने सेल्फ एंप्लॉयड वुमन एसोसिएशन के माध्यम से चिकन कुर्ता व चिकन साड़ी को कारोबार को बढ़ाया ही साथ ही प्रत्येक महिला वर्करों की आमदनी बढ़ाने का मार्ग भी प्रशस्त किया जो कि अभिनंदनीय कार्य है। इसी तरह शिवांनी वर्मा ने हैंडमेड ज्वेलरी व होम डेकोर सेक्टर में कार्य करते हुए मार्केट उपलब्ध कराने का कार्य ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने उपलब्ध कराया है। इसमें फ्लिपकार्ट का बड़ा योगदान है और इसके लिए फ्लिपकार्ट बधाई का पात्र है।

उत्तर प्रदेश देश के अंदर सबसे अधिक एमएसएमई यूनिट वाला राज्य भी है। 90 से लेकर 96 लाख एमएसएमई यूनिट संचालित हैं। उत्तर प्रदेश इस लिहाज से भी पहला राज्य है जिसने प्रत्येक एमएसएमई यूनिट से जुड़े उद्यमी को लाख रुपए की सुरक्षा बीमा का कवर भी दिया है। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी स्कीम के माध्यम से हम 10 लाख ऐसे नए उद्यम की स्थापना का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। फ्लिपकार्ट अब एक विश्वास के रूप में उनके प्रोडक्ट को मार्केट में पहुंचाने का कार्य करेगा। ये दोनो वेयरहाउस का लोकार्पण इस दिशा में एक प्रमाणित आश्वासन है। यह नए रोजगार के सृजन के साथ उत्तर प्रदेश के उद्यमियों के मन में नया विश्वास उत्पन्न करने सहायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग तथा खादी व ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सैनी, प्रदेश के मुख्य सचिव तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह, एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार, इनवेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश तथा फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार व अन्य मौजूद रहे। ऑनलाइन माध्यमों से ओडीओपी प्रोडकट्स को बेचने वाले विक्रेताओं ने भी कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने फीडबैक साझा किए।

डबल इंजन सरकार ने असंभव को संभव करके दिखाया: योगी

औद्योगिक इकाइयों के लिए प्रोत्साहन राशि एवं लेटर ऑफ कम्फर्ट वितरण कार्यक्रम

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में अव्यवस्था, अराजकता और अपराध का माहौल था। क्योंकि पूर्ववर्ती सरकार की सोच संकीर्ण थी। उनके पास कोई विजन नहीं था। आज प्रदेश में कानून का राज है और निवेश का बेहतर माहौल है। यही वजह है कि निवेश के मामले में उत्तर प्रदेश भारत का ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया है। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिनके लिए उत्तर प्रदेश में निवेश के बारे में सोचना भी असंभव था। वो लोग देख लें हमारी सरकार ने असंभव को संभव करके दिखाया है। सीएम योगी ने कहा कि फरवरी 2023 में आयोजित हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश को 40 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। उसमें से 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से धरातल पर उतर चुके हैं।

सीएम योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 32 औद्योगिक इकाइयों को 1,333 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि का संवितरण एवं 4,500 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश हेतु 10 औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में आए दिन प्रदेश में दंगे होते थे। महीनों-महीनों कर्फ्यू लगा रहा था। जब प्रदेश में व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो पूंजी क्या सुरक्षित रहेगी। सीएम योगी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में यहां के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था।

वहीं आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आज उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग की स्थित बेहतर हुई है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 27 सेक्टोरियल पॉलिसी लागू हैं। इन पॉलिसी को बनाने के लिए हमने स्टेकहोल्डर्स से सुझाव लिए। उसमें शासन के दायरे में रहकर जो बिंदु जोड़े जा सकते थे उन्हें हमने जोड़ा।

सीएम योगी ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए हमारी सरकार ने प्रदेश भर में 125 सीएम फेलो तैनात किए हैं, जो औद्योगिक विकास विभाग के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। अपराध, अपराधी और भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निवेशकों से जो कमिटमेंट किया है, उन्हें धरातल पर उतारने में सरकार को कोई संकोच नहीं है। निवेशकों को सहूलियत देने के लिए शासन की नीति के अंतर्गत डबल इंजन की सरकार सारे बैरियर तोड़ेगी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश भारत के विकास का बैरियर नहीं बल्कि पीएम मोदी के 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रुप में कार्य कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि इंडस्ट्री और इंस्टीट्यूशन अगर आपस में जुड़ते हैं तो स्किल डेवलपमेंट का एक बेहतरीन प्लेटफार्म तैयार होता है। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि इंस्टीट्यूशन को साथ में जोड़ने से आपको अच्छा मैनपावर मिलेगा।

भेड़िये की धरपकड़ के लिए कॉम्बिंग जारी

लखनऊ/बहराइच, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भेड़िये की धरपकड़ के लिए वन विभाग का ऑपरेशन शुक्रवार को भी जारी रहा। हालांकि, टीम को सफलता नहीं मिली। वहीं, ग्रामीणों को भेड़िये के आतंक से बचाने के लिए लगातार गश्त की जा रही है। बता दें कि आदमखोर भेड़िये के आतंक से लगभग 35 से अधिक गांवों के ग्रामीण प्रभावित हैं। वन विभाग की टीम ने गुरुवार को चार भेड़ियों को दबोचा था। वहीं, दो शेष भेड़ियों को पकड़ने के लिए लगातार कॉम्बिंग की जा रही है। डीएफओ अजित सिंह ने बताया कि खूंखार भेड़िये को पकड़ने के लिए 22 टीमों द्वारा 75 किमी. के दायरे में कॉम्बिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह भेड़िये के पकड़े जाने के बाद से इलाके में कोई हरकत और पग चिन्ह नहीं मिले हैं। टीम की ओर से ग्रामीणों को अलर्ट रहने की सलाह दी जा रही है। उन्हें रात में घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी जा रही है। वहीं, आवश्यक कार्य पर झुंड में निकलने के निर्देश दिये गये हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अपंग बच्चों की ऐसे करें देखभाल
भरें उनमें आत्मविश्वास

घरपरिवार और समाज विशेष बच्चों के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाएं व उन में आत्मविश्वास जगाएं तो वे भी सामान्य लोगों की तरह कामयाबी की मंजिल पा सकते हैं. बस, जरूरत है उन की उचित देखभाल किए जाने की.

शारीरिक रूप से विकलांग न जाने कितने लोग आज अपनेअपने क्षेत्रों में अगर कामयाब हैं तो इस के पीछे उन के मातापिता और परिवार वालों की मेहनत व कोशिशें हैं. उन्होंने उन में आत्मविश्वास भरा और जीवन के प्रति उन की सोच को सकारात्मक बनाए रखा. सच है कि बच्चे पालना कोई बच्चों का खेल नहीं. जन्म से ले कर युवावस्था तक मातापिता अपने बच्चों की देखरेख में जरा सी भी कसर बाकी नहीं रखते. बच्चे तो गीली मिट्टी के समान होते हैं, मातापिता जैसा आकार दें, वे वैसा हो जाते हैं.

जब बात आती है शारीरिक या मानसिक रूप से विशेष बच्चों की देखभाल की तो मातापिता की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं. ऐसे बच्चे को न सिर्फ मानसिक रूप से सकारात्मक रखने की बल्कि शारीरिक रूप से भी मजबूत बनाए रखने की जरूरत होती है. ऐसे में यदि मातापिता जरा सी भी लापरवाही दिखाते हैं तो बच्चे पर बुरा असर पड़ सकता है और वह खुद को समाज के अन्य बच्चों की तुलना में हीन समझने लगता है.

मानसिक रूप से अपंग बच्चों के पालनपोषण में न सिर्फ उन को शारीरिक रूप से सहयोग देने की जरूरत होती है बल्कि उन के अधूरे मानसिक विकास के कारण हर समय उन के साथ रहने की जरूरत होती है, जो बेहद ही जिम्मेदारी भरा काम है. विकलांगता 2 प्रकार की हो सकती है, शारीरिक और मानसिक. दोनों ही स्थितियों में विकलांग बच्चे की देखरेख में विशेष लालनपालन करने की जरूरत होती है.

आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाएं

शारीरिक रूप से अपंग बच्चे को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास आप बचपन से ही शुरू कर दें. बच्चे को किसी के ऊपर निर्भर रहने का आदी बनाने के बजाय उस को अपने काम खुद करने की आदत डलवाएं.

ऐसे करने से उस में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और वह परिवार वालों पर खुद को बोझ समझने की जगह अपने सारे काम खुद करने में सक्षम होगा. इस के लिए आप को छोटी उम्र से ही उस में आत्मनिर्भरता के गुण भरने की कोशिश शुरू कर देनी चाहिए. बच्चे को धीरेधीरे अपने सभी काम खुद करना सिखाएं व उस में जिम्मेदारी की भावना भरें.

सामान्य बच्चों में अंतर न करें

यदि घर में एक बच्चा अपंग हो और बाकी सामान्य हों तो ऐसी स्थिति में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है. कई बार भाईबहन भी नादानी या शैतानी के चलते अपंग भाई या बहन को उसी की शारीरिक कमजोरी को ले कर टिप्पणी करते हैं. इस से अपंग बच्चे के मन को आघात पहुंचता है. इसलिए मातापिता का यह दायित्व बनता है कि वे अपने सभी बच्चों को आपस में मिलजुल कर रहने की सीख दें. साथ ही, उसे यह भी एहसास न होने दें कि विकलांग होने की वजह से उस की देखभाल ज्यादा हो रही है. यदि आप हर कदम पर अपने अपंग बच्चे की मदद के लिए खड़े रहेंगे तो इस से उसे अपनी शारीरिक कमी का एहसास होगा और वह इस से चिड़चिड़ा हो सकता है. इसलिए उस के अधिकांश काम उस को खुद करने दें.

क्षमता के अनुरूप ही आशाएं रखें

बच्चों की क्षमताओं से ज्यादा की उम्मीद रखने से निराशा हाथ लगती है. इसलिए यह जांच लें कि आप के बच्चे में कितनी क्षमता है, इसी के आधार पर यह निर्णय लें कि वह कहां तक सफल हो सकता है. ज्यादा उम्मीदें लगाना या बच्चे पर उस की क्षमता से अधिक करने का दबाव डालने से आप का बच्चा डिप्रैशन का शिकार हो सकता है.

सहानुभूति वालों को दूर रखें

भोपाल में रहने वाली कविता का कहना है कि 21 वर्षीय मेरा बड़ा बेटा एक पैर से अपाहिज है. पढ़नेलिखने में हमेशा वह अव्वल रहता है. हम ने उस को कभी इस बात का एहसास नहीं होने दिया कि वह शारीरिक रूप से पूर्ण नहीं है.

एक दिन मेरी पड़ोसिन हमेशा की तरह मेरे घर आई और बोली कि मैं आप के बेटे के लिए एक बहुत अच्छा रिश्ता लाई हूं. मेरे दोनों बेटे उस दिन घर में ही मौजूद थे. पड़ोसिन ने छोटे बेटे की तरफ देखते हुए कहा कि इसे तो वे देखते ही पसंद कर लेंगे. इस पर मेरे बड़े बेटे ने सिर झुका लिया और अपने कमरे में चला गया. इस तरह कई बार रिश्तेदार या पड़ोसी आदि कुछ इस तरह की बातें बोल देते हैं जिस से बच्चे के दिल को ठेस पहुंचती है. इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप किसी के घर जा रहे हैं या कोई आप के घर आ रहा है तो इस तरह की कोई बात न हो जिस का संबंध बच्चे की शारीरिक कमियों से हो.

हीनभावना न पनपने दें

सुषमा के 5 बच्चों में सब से बड़े के एक पैर में पोलियो और छोटी बेटी के दोनों पैरों में पोलियो के कारण वे चलनेफिरने में असमर्थ हैं. सुषमा का कहना है कि घर में बड़ी संतान होने के नाते मेरे बेटे ने बिना इस बात की परवा किए कि वह एक पैर से लाचार है, अपने सारे कर्तव्य पूरे किए. उस ने न सिर्फ एमए तक पढ़ाई कर के अच्छी नौकरी हासिल की बल्कि अपनी अपंग बहन को रोजाना स्कूल और कालेज लाने, ले जाने का काम भी उस ने पूरा किया.

किसी से तुलना करना ठीक नहीं

शारीरिक और मानसिक रूप से अविकसित या कमजोर बच्चों को अकसर दया का पात्र व मुख्यधारा से कटा हुआ माना जाता है. जबकि सचाई यह है कि उन को किसी की दया की नहीं, बल्कि आप के सहयोग व प्रेम की जरूरत होती है. इस में पेरैंट्स व परिवार के सदस्यों की अहम भूमिका होती है. अपंग बच्चे की तुलना न तो सामान्य बच्चों से करें और न किसी अन्य बच्चे से. यदि आप का बच्चा वह काम करने के लिए कदम बढ़ाना चाहता है जो उस के साथी बच्चे करते हैं तो उस को रोकें नहीं. दूसरे बच्चों से तुलना करने की जगह उस की आंतरिक क्षमताओं को पहचान कर उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा दें क्योंकि हर व्यक्ति में कोई न कोई विशेष गुण होता है. उस के इसी गुण को उभारें और उसे हतोत्साहित करने के बजाय उस के प्रयासों की सराहना करें.

नतीजा यह हुआ कि मेरी बेटी बेशक अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकती, लेकिन उस ने बीएड तक पढ़ाई पूरी की और एक हैंडीकैप्ट बच्चों के स्कूल में अध्यापिका के पद पर सेवारत है. आज ये जिस मुकाम पर हैं वहां पहुंचने में इन बच्चों को अन्य सामान्य बच्चों की तुलना में कई गुणा ज्यादा मेहनत करनी पड़ी, लेकिन इन्होंने हार नहीं मानी. इस के पीछे वजह थी कि हम ने उन में कभी हीनभावना नहीं पनपने दी.

मुझे और मेरे पति को हर समय अपनी सभी इंद्रियां खुली रखनी पड़ती हैं, पलपल अपने बच्चे का ध्यान रखना पड़ता है. उस को रोजाना स्पीच थेरैपी के लिए और मनोचिकित्सक के पास ले कर जाते हैं. वहीं, घर में उस से बात करने की कोशिश करते हैं. दरअसल, वह सुनता और समझता तो सबकुछ है लेकिन बोलने में असमर्थ है. इसलिए हम उस की हर तरह से देखभाल करते हैं.

मनोचिकित्सक डा. आर सी जिलोहा इस बारे में बताते हैं कि अपंगता 2 तरह से होती है, एक मानसिक विकलांगता और दूसरी शारीरिक. दोनों ही परिस्थितियों में विकलांग बच्चे की जरूरतें अलगअलग होती हैं. उसी आधार पर मातापिता को देखना चाहिए कि उन के बच्चे को किस तरह की देखभाल की जरूरत है. मसलन, बच्चा मानसिक रूप से विकलांग है तो उस की क्या जरूरतें हैं और उस की किस तरह से देखभाल करनी है और शारीरिक रूप से विकलांग है तो उस की क्या जरूरतें हैं.

मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की समझ थोड़ी कमजोर होती है. ऐसे बच्चों को छोटी से छोटी बातें भी पेरैंट्स को सिखानी पड़ती हैं, जैसे उन को किस तरह से साफसुथरे रहना है, किस तरह से खाना खाना है, किस तरह से अपने सामान को रखना चाहिए आदि. ये हर रोज की जिम्मेदारियां होती हैं मातापिता के कंधों पर.

डा. जिलोहा आगे बताते हैं कि शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों की जरूरतें अलग होती हैं. शारीरिक रूप से विकलांगता कई तरह से हो सकती है जैसे पैरों से अपाहिज होना या देखनेसुनने व बोलने में असमर्थ होना आदि. इन बच्चों में हालांकि सामान्य बच्चों जैसी सारी बातें होती हैं लेकिन वे किसी न किसी रूप में शारीरिक तौर पर अपंग होते हैं. ऐसे बच्चे हीनभावना के शिकार बहुत जल्दी हो जाते हैं.

पेरैंट्स को इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि वे विशेष बच्चों को आम बच्चों की तरह से ही ट्रीट करें और उन को आगे बढ़ने का हौसला देते रहें. साथ ही, विशेष बच्चों की सीमा से ज्यादा उन से उम्मीदें लगाना ठीक नहीं है. जितना वे कर रहे हैं या कर सकते हैं उसी में मातापिता संतुष्ट रहें. उन में जो गुण मौजूद है उन को वे पहचानें और उसी आधार पर उन का कैरियर बनाने में उन की मदद करें.

हर समय देखरेख की जरूरत होती है

रोहिणी निवासी काजल का 15 वर्षीय बेटा जन्म से ही विकलांग है. काजल का कहना है कि जब उस का बेटा पैदा हुआ था उसी समय डाक्टरों ने बताया कि इस के दिमाग का एक हिस्सा काम नहीं कर रहा है. इस के कारण वह बोल पाने में तो असमर्थ है ही, चलफिर भी नहीं सकता. हमारे बच्चे में ये सब दोष हैं, यह सोच कर दुख तो हुआ लेकिन हम ने अपने बेटे के लालनपालन व उस की देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ी.

सलाह

पेट की गैस से बचना है तो न करें ये कार्य

पेट में गैस, यह तो एक आम समस्या है जो बिना उम्र देखे किसी को भी हो जाती है। खासकर, ऐसा तब होता है जब आप कुछ गलत आदतों को अपना लेते हैं। जैसे-देर रात तक जागना, लगातर बैठे रहना या फिर गलत खान-पान आदि। इसलिए आपको सबसे पहले अपनी कुछ आदतों और अपने खान-पान पर ध्यान देना होगा कि आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

जल्दबाजी में न खाएं

कई लोग ऐसे होते हैं जो खाना जल्दबाजी में खा लेते है और जल्दबाजी में खाया हुआ खाना वे अच्छे से चबा नहीं पाते। इससे खाना डाइजेस्ट होने में समय लगाता है और पेट में एसिड बनना शुरू हो जाता है, जिससे कि पेट में गैस की समस्या पैदा होने लगती हैं।

देर रात तक जागना

अगर आपकी देर रात तक जागने की आदत है । तो सबसे पहले अपनी इस आदत को बदल लें। क्योंकि देर रात तक जागने से इंड्हिाइजेशन की प्रॉब्लम पैदा होती हैं, जिससे कि पेट में गैस बनने लगती है।

लगातार बैठे न रहे

कई बार क्या होता है कि लोग खाना खाने के बाद एक जगह टीक कर बैठे रहते हैं जिससे खाना सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं हो पाता और फिर गैस की प्रॉब्लम बनने लगती हैं।

मीठा ना खाएं

ज्यादा मीठा खाने से भी गैस की प्रॉब्लम बनने लगती हैं। इसलिए जितना हो सके आप मीठा कम ही खाइए।

कोल्ड-ड्रिंक

कोल्ड-ड्रिंक के अंदर ज्यादा मात्रा में कार्बन डाई-ऑक्साइड बबल्स पाए जाते हैं । जो पेट के अंदर जाकर एसिड पैदा करते हैं, जिससे कि पेट में गैस की समस्या पैदा होने लगती हैं।। इसलिए बेहतर होगा कि आप कोल्ड-ड्रिंक का सेवन कम करें।

जानिए घर पर गुलाब जल बनाने की विधि

मार्केट में अच्छे ब्रांड के गुलाब जल बहुत महंगे होते है और आसानी से मिल ही जाते है लेकिन आज कल गुलाबजल में सुगंध और पानी का घोल मिला देते हैं, जिससे खरीदने वाला बेवकूफ बन जाता है। अच्छा होगा कि आप बेवकूफ न बन कर अपने घर पर खुद ही गुलाब की पंखुडियों से गुलाब जल तैयार कर लें। महंगे गुलाब जल खरीदने के बाद भी मन में एक संदेह रह जाता है की क्या यह असली है या नकली, तो सब बातों को छोडो और आज गुलाबजल बनना सीखो। हम आपको यहां पर एक आसान सा तरीका बता रहे है जिसकी सहायता से आप गुलाब जल तैयार कर सकती हैं।

आइये जानते हैं गुलाब जल बनाने का तरीका

» अच्छा होगा कि आप ताजी गुलाब की उन पंखुडियों का प्रयोग करें, जिन पर कीटनाशकों या रसायनों का छिड़काव न किया गया हो। अपने घर पर ही गुलाब उगाएं और उसका प्रयोग करें।
» सूरज उगने के दो या तीन घंटे के बाद ही गुलाब तोड़ लें।
» गुलाब की केवल पंखुडियों का प्रयोग करें न कि उसके तने और पत्तियों का।
» गुलाब को धोएं जिससे कीड़े और धूल साफ हो जाए और फिर उसे फिल्टर किये हुए पानी में डालें।
» पंखुडियों को पूरी तरह से पानी में डुबो दें और पानी को ढंक कर हल्की आंच पर चढ़ा दें।
» अब पानी को भाप बन कर उठने दें और धीरे धीरे उसे वैसे ही छोड़ दें।
» आप देखेंगी कि पंखुडियों का रंग उतर चुका है और पानी का रंग पंखुडियों का रंग ले चुका है। पंखुडियां पानी में तैरना शुरु हो जाएंगी।
» बचा हुआ पानी छान लें और उसे एक शीशी में डाल कर फ्रिज में रख दें।

आपकी नाभि में छुपा है चेहरे की खूबसूरती का राज़

चेहरे की खूबसूरती और निखार बनाए रखने के लिए आप कॉस्मेटिक्स पर और पार्लर में जेब ढीली करती हैं। इससे जेब को चूना तो लगता ही है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इतना पैसा खर्च करने के बावजूद चेहरे पर निखार नहीं आता। अब जेब भी ढीली हुई..समय भी बेकार हुआ.. लेकिन हाथ कुछ नहीं लगा। लेकिन क्या हो अगर पता चले कि बिना ज्यादा खर्च किए, समय गंवाए आप चेहरे की रंगत निखार सकती हैं। जी हां, आज हम आपको ऐसा ही एक नायाब फॉर्मूला बताएंगे जो बेहद आसान और असरदार है। क्या आप जानती हैं नाभि पर तेल की बूंदें लगाकर चेहरे पर निखार पाना संभव है। सुनकर अजीब लगेगा कि चेहरे का नाभि से क्या ताल्लुक? इस फॉर्मूले को हल्के में ना लें। हमारी नाभि का सीधा संबंध हमारे चेहरे से होता है। जिस तरह हम अपने चेहरे, हाथ-पैर पर ध्यान देते हैं, ठीक उसी तरह नाभि की भी देखभाल जरूरी है... क्योंकि नाभि पर ध्यान देकर आप अपनी खूबसूरती बढ़ा सकती हैं। नाभि की देखभाल करने से आपको त्वचा से जुड़ी कई दिक्कतों से राहत मिल सकती है।

नाभि की देखभाल से आपको मिलेंगे ये ब्यूटी सीक्रेट्स

1. मुहांसों की समस्या से निपटने के लिए रात को सोने से पहले नाभि में नीम का तेल लगाएं।
2. चेहरे पर ग्लो के लिए रोज रात बादाम का तेल नाभि में लगाएं।
3. चेहरे पर पिंग्मेंटेशन की छुट्टी करने के लिए नींबू का तेल नाभि में लगाने से फायदा मिलेगा।
4. रुखी और बेजान त्वचा की परेशानी से निपटने के लिए नहाने से पहले नारियल तेल या ऑलिव ऑयल नाभि में लगाएं।
5. चेहरे पर व्हाइट स्पॉट्स मौजूद हैं तो नाभि पर नीम का तेल लगाना असरदारी होगा।
6. मुलायम त्वचा पाने के लिए नाभि पर देसी घी का इस्तेमाल करें।
7. फटे होंठों से छुटकारा पाने के लिए सरसों का तेल नाभि में लगाना लाभदायक होगा।
8. नाभि पर नारियल और जैतून का तेल हर रोज लगाने से प्रजनन शक्ति बढ़ती है।

रेसिपी

भांग पकौड़ा

सामग्री

250 ग्राम आलू, 150 ग्राम प्याज
200 ग्राम बेसन, 40 ग्राम भंग
1 टी स्पून जीरा, 1/2 टी स्पून अमचूर
1/4 टी स्पून अनार, 1 टी स्पून लाल मिर्च
1 टी स्पून नमक, 1 टेबल स्पून धनिया
200 मिलीलीटर पानी
चाट मसाला सजाने के लिए

विधि

एक बाउल में सारी सामग्री को अच्छी तरह से मिक्स करें। एक भारी कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें इस मिश्रण के पकौड़े सुनहरे ब्राउन होने तक तल लें। फिर इन्हें एक नैपकिन पेपर पर निकाल लें। चाट मसाला ऊपर से छिड़कें। गर्म-गर्म परोसें।

पनीर पॉपकोर्न

सामग्री

पनीर 200 ग्राम
नमक 1/2 टीस्पून
ओर्गेनो-1 टीस्पून
चिली फ्लेक्स 1 टीस्पून
घोल के लिए
मैदा 30 ग्राम
पानी 80 मि.ली
ब्रैड का चूरा, तेल

विधि

1. एक बाउल में पनीर,नमक,ओर्गेनो,चिली फ्लेक्स को डालकर इसे मिक्स कर लें।
2. अब दूसरा बाउल लें इसमें मैदा और पानी डालकर घोल तैयार कर लीजिए।
3. इसके बाद पनीर को मैदे के पेस्ट में डालकर निकाल लें और इसे ब्रैड के चूरे में लपेट लें।
4. एक कड़ाही में तेल गर्म करें और इसमें पनीर को तल लें।
5. इसे सॉस के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

संपादकीय

'दीदी' की अग्नि-परीक्षा

यह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अग्नि-परीक्षा का दौर है। बंगाली सम्मान से उन्हें 'दीदी' कहते रहे हैं, लिहाजा जवाब भी उन्हीं से मांग रहे हैं। 'दीदी' के खिलाफ आंदोलन-दर-आंदोलन जारी हैं। यह स्थिति तब है, जब दो माह पहले लोकसभा चुनाव में उनकी 'तृणमूल पार्टी' को 46 फीसदी वोट मिले और 42 में से 29 सीटें जीतीं। इस जनादेश की आड़ में आप नहीं छिप सकतीं, क्योंकि राज्य की युवा और छात्र शक्ति गुस्से और आक्रोश में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा का विरोध-प्रदर्शन और 12 घंटे का बंद भी आयोजित किया गया है और 3 सितंबर को वाममोर्चा का काडर सडक़ों पर उतरेगा। सभी की साझा मांग है कि ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है। 'दीदी' के संभ्रांत शहर कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी कर रही ट्रेनी डॉक्टर के साथ जो बर्बरता की गई और बाद में हत्या कर दी गई, उससे समूचा देश शर्मसार है। साझा आंदोलन का मुद्दा यही है। यह ममता बनर्जी की राजनीति का सबसे कठिन समय है, क्योंकि छात्रों, युवाओं और महिलाओं के समवेत आंदोलनों ने ही ममता को सडक़ से मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया था। आज ममता ऐसे ही आंदोलनों के युवाओं और छात्रों को 'गुंडा' करार दे रही हैं। बंगाल पुलिस ने आंदोलनकारियों पर लाठियां भांजी, पानी की तेज धार मारी, आंसू गैस के गोले दागे और बाद में हिरासत में भी बंद कर दिया। सचिवालय तक के रास्ते में 27 बैरिकेड्स स्थापित किए, 26 डीसीपी सरीखे वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए, 6000 से ज्यादा पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल के जवान तैनात किए। लोहे की दीवारें खड़ी की गईं, जिन पर तेल और ग्रीस मला गया। क्या कोई रणक्षेत्र सजा था? 'दीदी' ने किससे युद्ध करने को अपने जवान तैनात कराए थे? आंदोलनकारी 'नबन्ना सचिवालय' तक मार्च करना चाहते थे और डॉक्टर बिटिया के साथ 'रेप-मर्डर' की नृशंसता का न्याय मांग रहे थे। आंदोलन और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन तो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। आंदोलनकारियों ने कुछ पथराव किया, तो उनके मानसिक रोष को समझना चाहिए था। आंदोलन की ताकत इसी से समझी जा सकती है कि 80,000 से अधिक युवा और छात्र सडक़ पर आंदोलित हुए। यह ममता बनर्जी की सत्ता के खिलाफ सामूहिक लहर का एक प्रमाण है। यह 2026 के जनादेश को भी तय कर सकता है। ममता-विरोधी आंदोलनों ने कोलकाता के बाहर और पश्चिम बंगाल के पार खासकर बंगालियों को जगा दिया है। ये उनके लिए चेतावनी की घंटी है। औसतन बंगाल महिला-सुरक्षा और सम्मान का पक्षधर रहा है। बंगाल देवी दुर्गा और मां काली की आराधना-स्थली है। अगले माह दुर्गा पूजा और फिर दीपावली के त्योहार हैं। आह्वान किए जा रहे हैं कि ये त्योहार न मनाए जाएं। आखिर एक बेटी को कुचल कर मारा गया है। इंसाफ अभी निश्चित नहीं है, क्योंकि सीबीआई की जांच जारी है। साक्ष्य मिटा दिए गए थे, जब हजारों की भीड़ एक रात में अचानक अस्पताल तक आई और सब कुछ तबाह कर दिया। बंगाल पुलिस उस भीड़ को तो रोक नहीं पाई। बल्कि उसकी खुफिया सूचना तक हासिल नहीं कर पाई। 'दीदी' को इन सभी अपराधों के जवाब देने होंगे। कोलकाता के आंदोलनकारी 'दीदी' ममता की प्रतिक्रिया जानना चाहते थे। 'रेप-मर्डर' बर्बर मामले के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने ही अस्पताल के प्रशासन और पुलिस के निकम्मेपन का बचाव किया है, लिहाजा ममता की भूमिका को भी अक्षम्य माना गया। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने ऐसी ही तल्ख टिप्पणियां की थीं। ममता इन आंदोलनों को राम-वाम और कांग्रेस पर थोप कर अग्नि-परीक्षा पार नहीं कर सकतीं। राज्य के गवर्नर लगातार मुख्यमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ टिप्पणियां कर रहे हैं।

बंगाली सम्मान से उन्हें 'दीदी' कहते रहे हैं, लिहाजा जवाब भी उन्हीं से मांग रहे हैं। 'दीदी' के खिलाफ आंदोलन-दर-आंदोलन जारी हैं। यह स्थिति तब है, जब दो माह पहले लोकसभा चुनाव में उनकी 'तृणमूल पार्टी' को 46 फीसदी वोट मिले और 42 में से 29 सीटें जीतीं। इस जनादेश की आड़ में आप नहीं छिप सकतीं, क्योंकि राज्य की युवा और छात्र शक्ति गुस्से और आक्रोश में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा का विरोध-प्रदर्शन और 12 घंटे का बंद भी आयोजित किया गया है और 3 सितंबर को वाममोर्चा का काडर सडक़ों पर उतरेगा। सभी की साझा मांग है कि ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है। 'दीदी' के संभ्रांत शहर कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी कर रही ट्रेनी डॉक्टर के साथ जो बर्बरता की गई और बाद में हत्या कर दी गई, उससे समूचा देश शर्मसार है। साझा आंदोलन का मुद्दा यही है। यह ममता बनर्जी की राजनीति का सबसे कठिन समय है, क्योंकि छात्रों, युवाओं और महिलाओं के समवेत आंदोलनों ने ही ममता को सडक़ से मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया था।

डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में इस बीमारी की स्थिति को देखते हुए वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया

खतरे से निपटने को चाक-चौबंद हो स्वास्थ्य व्यवस्था

ज्ञानेन्द्र रावत

मंकीपॉक्स वायरस के कारण होने वाली यह बीमारी बड़ी तादाद में लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। दरअसल, यह एक वायरल संक्रमण है। बता दें कि मंकीपॉक्स वायरस पॉक्स वायरस परिवार का सदस्य है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले लोगों को मंकीपॉक्स अपनी चपेट में ले सकता है। यह एक-दूसरे को छूने, नजदीक रहकर बात करने, यौन संबंधों और सांस लेने से भी फैल सकता है। इसके अलावा, यह बंदरों या अन्य जानवरों के साथ संपर्क से और दूषित मांस खाने से फैल सकता है।

आज समूची दुनिया के लिए मंकीपॉक्स या एमपॉक्स चिंता का विषय बन गया है। मंकीपॉक्स वायरस के कारण होने वाली यह बीमारी बड़ी तादाद में लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। दरअसल, यह एक वायरल संक्रमण है। बता दें कि मंकीपॉक्स वायरस पॉक्स वायरस परिवार का सदस्य है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले लोगों को मंकीपॉक्स अपनी चपेट में ले सकता है। यह एक-दूसरे को छूने, नजदीक रहकर बात करने, यौन संबंधों और सांस लेने से भी फैल सकता है। इसके अलावा, यह बंदरों या अन्य जानवरों के साथ संपर्क से और दूषित मांस खाने से फैल सकता है। कभी-कभी पर्यावरण के जरिये यह बीमारी फैल सकती है। इसके प्रमुख लक्षणों में सिर में दर्द, बुखार, ग्रंथियों में सूजन और पूरे शरीर में दर्द शामिल हैं। इसके अलावा, 2 से 4 हफ्ते तक शरीर में चकत्ते, दाने, फफोले, घाव या छाले भी हो सकते हैं। अभी तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, एमपॉक्स से पीड़ित 0.1 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद, यह कम खतरनाक नहीं है। डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में इस बीमारी की स्थिति को देखते हुए वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। गौरतलब है कि इससे पहले 2022 में भी डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। उस समय इस वायरस ने 100 से अधिक देशों में अपना कहर बरपाया था और 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। वर्तमान में, 21,300 से अधिक लोग इस बीमारी से पीड़ित हो चुके हैं और 590 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस रोग का क्लेड 1बी वायरस सबसे अधिक खतरनाक माना जाता है।

इस बीमारी ने अभी तक 13 अफ्रीकी देशों में अपने पैर पसारे हैं, जहां 21,000 से अधिक पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन अब इस बीमारी ने अफ्रीकी महाद्वीप से बाहर जाकर यूरोपीय देश स्वीडन में भी घुसपैठ कर ली है। स्वीडन की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा है कि स्टॉकहोम में इलाज कराने आए एक व्यक्ति में क्लेड 1 वैरिएंट के कारण एमपॉक्स होने का खुलासा हुआ है। इससे पहले अफ्रीकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी ने कहा था कि

इस साल एमपॉक्स वायरस ने 13 देशों में दस्तक दी है। सभी मामलों और मौतों का 96 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कांगो में है। यह बीते वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 160 प्रतिशत अधिक है, और मौतों की संख्या 19 प्रतिशत बढ़ी है। यहां के 26 प्रांत इसकी चपेट में हैं। इसके बाद, बुरुंडी का नाम सामने आया है, जहां पिछले हफ्ते में इस रोग की चपेट में आने वालों की संख्या में 70 प्रतिशत का उछाल आया है। इसके बाद केन्या, रवांडा और युगांडा जैसे देशों में भी इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस बारे में डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा है कि, एमपॉक्स के एक नए क्लेड का उभरना, पूर्वी डीआरसी में इसका तेजी से फैलना और कई पड़ोसी देशों में इसके फैलने की खबरें चिंताजनक हैं। डीआरसी और अफ्रीका के अन्य देशों में एमपॉक्स क्लेड के प्रकोप के अलावा, यह स्पष्ट है कि इन बढ़ते प्रकोपों को रोकने और जीवन बचाने के लिए एक समन्वित अंतर्राष्ट्रीय मुहिम की जरूरत है। अब यह रोग पाकिस्तान में भी घुसपैठ कर चुका है। अभी तक पाकिस्तान में तीन लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। पाकिस्तान एशिया का पहला देश है जहां एमपॉक्स वायरस ने दस्तक दी है।

हालांकि हमारे देश में सरकार दावा कर रही है कि वह एमपॉक्स से निपटने के लिए तैयार है, लेकिन दूसरे देशों से आने वाले लोगों से संक्रमण के खतरे को नकारा नहीं जा सकता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि अभी तक देश में ऐसा कोई रोगी नहीं मिला है, और सरकार इससे बचाव तथा इसके प्रसार को रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सभी एयरपोर्टों और बंदरगाहों के साथ सीमा रेखा पर संचालित सभी स्वास्थ्य यूनिटों को अलर्ट रहने और देश की 32 प्रयोगशालाओं को जांच के लिए तैयार रहने के निर्देश दे दिए गए हैं।

हकीकत यह है कि कोरोना महामारी के खात्मे के तकरीबन ढाई साल बाद भी देश में संक्रामक बीमारियों से लड़ने की तैयारी अधूरी है। हालांकि, मंकीपॉक्स के संक्रमण को देखते हुए अलर्ट घोषित कर दिया गया है और अस्पतालों में कोरोना काल की तरह आइसोलेशन वार्ड और बेड आरक्षित करने की पहल शुरू कर दी गई है। लेकिन कोरोना से सबक लेकर संक्रामक बीमारियों के इलाज के लिए जो प्रोजेक्ट शुरू किए गए थे, उन पर सही मायने में अमल नहीं हुआ है। दिल्ली में एम्स में 150 बेड के क्रिटिकल केयर और संक्रामक रोग केंद्र की परियोजना एक उदाहरण है, जो अधर में लटकी पड़ी है।

अच्छी खबर यह है कि देश में अभी तक एमपॉक्स का कोई रोगी नहीं मिला है, लेकिन जब पाकिस्तान तक इसकी पहुंच हो चुकी है, तो हमारे यहां आने में कितनी देर लगेगी, यह कहना मुश्किल है। इसलिए सतर्कता बेहद जरूरी है। सबसे पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें। हाथों को साबुन और हैंडवाश से बार-बार धोएं। लक्षण दिखने पर खुद को दूसरों से अलग रखें। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें। वहीं यदि मांसाहार सेवन आवश्यक ही हो, तो पहले उसे अच्छे से धोएं और अच्छी तरह पका लें।

इसके अलावा, एमपॉक्स से बचाव के लिए बबेरियन नार्डिक द्वारा विकसित किया गया टीका, जिसे एमवीए-बीएन टीका कहा जाता है, उपलब्ध है। हालांकि अधिकांश मामलों में दवा से इसके लक्षण ठीक हो जाते हैं, लेकिन बीमारी गंभीर हो सकती है, इस संभावना को नकारा नहीं जा सकता। विशेष रूप से कमजोर लोगों, नवजात शिशुओं और गर्भवती महिलाओं को इससे बचाने की अत्यंत आवश्यकता है। एहतियात ही इससे खुद को बचाने का सबसे कारगर रास्ता है।

दृष्टि कोण

बाल तस्करी से निपटने की चुनौती

जिला कांगड़ा की सराह पंचायत में शुक्रवार, 23 अगस्त को दो लड़कियां व एक लडक़ा जब घर से सराह स्कूल को जा रहे थे तो मोटरसाइकिल पर सवार दो नकाबपोश, जिन्होंने बाइक पर कंबल बेचने के लिए रखे हुए थे, ने बच्चों को टॉफियां-चॉकलेट लेने का लालच दिया, लेकिन बच्चों ने टॉफी-चॉकलेट लेने से इनकार कर दिया और शोर मचाया, जिससे वे संदिग्ध नकाबपोश व्यक्ति वहां से रफूचक्कर हो गए, लेकिन इलाके में ऐसे व्यक्तियों की गतिविधियों से अभिभावक सकते में हैं। उधर ऊना शहर के वार्ड नंबर दस में तीन नाबालिग बच्चे अचानक घर से लापता हो गए हैं। तीनों बच्चे घर से ट्यूशन पर जाने के लिए निकले थे, लेकिन ट्यूशन सेंटर पर नहीं पहुंचे। पीड़ित माता-पिता ने पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई है। ऐसी कहानियां अमूमन मीडिया में भारत के प्रत्येक राज्य से पढ़ने-देखने को मिलती रहती हैं। बाल तस्करी को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 1 जनवरी 2018 से 30 जून 2023 तक का जो डॉटा लोकसभा में रखा है, वह चौंकाने वाला भी है और चिंतित करने वाला भी है। पिछले पांच सालों में देश भर में 2 लाख 75 हजार से ज्यादा बच्चे गायब हुए हैं। गायब हुए बच्चों में 2 लाख 12 हजार लड़कियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से 2 लाख 40 हजार बच्चों को ढूंढ निकाला गया, इसमें 173786 लड़कियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार सात राज्यों मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा बच्चे गायब होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार गायब हुए बच्चों में से ज्यादातर बंधुआ मजदूरी या फिर व्यावसायिक यौन शोषण के धंधे में लगा दिए जाते हैं। बचपन बचाओ आंदोलन की रिपोर्ट की मानें तो देश भर में हर साल करीब 96000 बच्चे लापता हो रहे हैं। इन बच्चों में से 41546 का कभी पता नहीं चलता है। बीबीए के संस्थापक नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी इस बारे में कहते हैं, 'इन लापता बच्चों में से ज्यादातर मामलों को तो पुलिस मानती ही नहीं, उनके मामले दर्ज करना और उनकी जांच करना तो दूर की बात है।' बीबीए ने एक टोल फ्री शिकायत नंबर 18001027222 शुरू किया है जहां पर लापता बच्चों को लेकर शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। बच्चों के लिए काम करने वाले एक अन्य गैर सरकारी संगठन सीआरवाई (क्राई) की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार गिर रहे लिंगानुपात के चलते हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में लड़कियों को अगवा कर शादी के लिए बेचने का भी धंधा भी चल रहा है। चाइल्ड ट्रैफिकिंग के शिकार ज्यादातर बच्चे शहरी घरों में घरेलू नौकर का काम करते हैं। बाल तस्करी की रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन आदि के लिए प्रयासरत संस्था बचपन बचाओ आंदोलन अब तक 80 हजार से अधिक मासूमों को बाल तस्करी से बचा चुका है। आज चाइल्ड ट्रैफिकिंग पर विशेष लगाम लगाने की जरूरत है। बच्चों को मजदूरी के लिए इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि बच्चे सस्ते मजदूर साबित होते हैं जिन्हें डरा-धमकाकर ज्यादा से ज्यादा काम लिया जा सकता है। बच्चों का इस्तेमाल शारीरिक शोषण अथवा गलत काम के लिए भी किया जाता है। बाल विवाह भी इसका एक बहुत बड़ा कारण है। बच्चों के बॉडी पार्ट बेचे जाते हैं। बचपन बचाओ आंदोलन और कैपजैमिनी ने एक ऐप्लिकेशन 'रीयूनाइट' बनाया है जिसे गूगल प्ले स्टोर और ऐपल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। कैलाश सत्यार्थी कहते भी हैं कि, 'देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता होता है। बाल तस्करी के धंधे में संलिप्त लोग उन्हें मजूदरी, चोरी करने अथवा सडक़ों पर भीख मांगने के काम में धकेल देते हैं।' महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने गुमशुदा बच्चों को ट्रैक करने के लिए 'ट्रैकचाइल्ड' और 'खोया-पाया' वेब पोर्टल विकसित किए हैं। ट्रैकचाइल्ड पोर्टल गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्डों, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण आदि सहित विभिन्न हितधारकों के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है और 'खोया-पाया' को ट्रैकचाइल्ड पोर्टल पर नागरिक कॉर्नर के रूप में एकीकृत किया गया है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को समझाएं कि घर से बाहर जाने या घर में भी किसी अजनबी के आने पर उनसे कोई भी चीज नहीं लेनी है। अगर वो उनके अभिभावकों को जानने की बात भी कहते हैं तो भी बच्चे को उनके साथ जाने से इंकार कर देना है। बच्चे को पुलिस स्टेशन या पंचायत/वार्ड जनप्रतिनिधियों के बारे में भी बताकर रखें। बच्चों को बताएं कि गुम होने पर उन्हें कब क्या एक्शन लेना है, कहां जाना है और कैसे अपने आपको सुरक्षित करना है। अगर कोई अजनबी उसे परेशान करता है तो उसे चिल्लाना चाहिए। अध्यापकों द्वारा भी स्कूलों में प्रातःकालीन सभा में विद्यार्थियों को समय-समय पर बाजार एवं घर आते-जाते समय अजनबी व्यक्तियों से लिफ्ट अथवा खाने-पीने की सामग्री नहीं लेने की ताकीद की जानी चाहिए। किशोरों को सही दिशा और जीवन जीने का कौशल समझाया जाना चाहिए।

कुछ अलग

बदली दुनिया का दस्तूर

देखते ही देखते लोगों के जीने का, बात करने का, अपने आप को पेश करने का सलीका बदल गया। आज सडक़ पर चलता हर बशर नकाबदारी में नजर आता है। क्या चचा जान का वचन यह साबित नहीं कर देता कि 'इस दुनिया के सब चोर-चोर, कोई बड़ा चोर कोई छोटा चोर।' जहां से आपने महीनों पहले उधार ले रखा था, और वापस चुकाने की आपकी कोई मंशा नहीं थी, वहां भी अब आप मजे से यह मास्क ओढ़ कर जा सकते हैं। चेहरा न दिखाने पर कोई पहचानेगा नहीं। कोई धृष्ट महाजन आपका नकाब हटा आपको पहचानने की कोशिश करे तो बेशक कानून परस्तों के सामने चिल्ला दीजिए, 'हुजूर यह हमारा नकाब छीन कर हमें कानून के उल्लंघन के लिए मजबूर कर रहा है। इसे पकड़ कर भारी जुर्माना कीजिए।' हमारी सिफारिश पर उन्होंने कुछ रियायत कर दी, तो हम उस बचत की ही इसके कर्ज की राशि की वापसी बना देंगे। जी हां, यहां सीधी उंगली से घी निकलता कहां है? अब कोई उंगली टेढ़ी करने लगे तो उससे पूछ लीजिएगा, 'बन्धु, टेढ़ी उंगली को धो-पौंछ लिया?' कहीं ऐसा न हो कि अपनी उंगली से सारा घी ही बिगाड़ दो। क्या इससे बेहतर नहीं कि जनता की भलाई के लिए जारी हुआ घी हम आपस में ही आधा-आधा बांट लें। अभी-अभी खबर मिली है कि अपने राज्य में जो मुफ्त राशन उसके हिस्से में गरीबों में बांटने के लिए दिया गया था, उसका एक हिस्सा भी उनमें नहीं बांटा। सम्भवतः यह समय का तकाजा है कि न नौ मन तेल हो और न राधा नाचे। न इनमें राशन बंटेगा न इसे हथियाने के लिए मारामारी होगी, न इनकी हथेलियां लिथड़ेंगी। यूं ही साफ-सुथरे ये लोग इहलोक की लीला समाप्त कर परलोक सिधार गए, तो कम से कम हम कह तो सकेंगे, 'भई ये गंदे, मैले कुचैले संक्रमित हो बीमारी से नहीं मरे, भुखमरी से मरे।' इसलिए यह मौत उस बीमारी के खाते में आएगी। यूं मरने वालों की संख्या नहीं बढ़ेगी। लीजिए बैठे-बिठाए समस्या का समाधान हो गया। लोग भुखमरी से मरे हैं। इसलिए सिद्ध होता है कि इस माहामारी से मरने वालों का आंकड़ा कम हो रहा है। और हमने इससे अपने इलाके में बीमारियों से होने वाली मौतें घटाकर विजय प्राप्त कर ली है। वैसे भी हमने बेरोजगारी के कारण शहर छोड़ अपने-अपने गांव भागते हुए लोगों को बताया था कि 'भई वहां कुछ नहीं रखा है।' हालात सब जगह एक से हैं। यहां भी छुटभय्ये नेता दनदनाते हैं, वहां भी उनकी कमी नहीं। पता है न एक देश, एक राशन कार्ड बन गया है। इसलिए कौनसा कार्ड फर्जी है, इसे पहचानने में और भी दिक्कत हो जाएगी। अब आप उन नकाबों की तलाश न कीजिएगा कि जिन्हें ओढ़ आपके मेहरबानों ने आप पर यह करम फरमाया है। फिलहाल तो यह पता कीजिये कि आपके हिस्से की मनरेगा राशि कहां उडऩछू हो गई? खाते बताते हैं कि आपके इलाके की सारी मनरेगा राशि बंट चुकी है और आपके हिस्से एक छदाम भी नहीं आया। जो कार्ड बन गए थे, उन पर धन बंट गया। फिलहाल तो यह काम कीजिए कि पता करें यह धनराशि कौन से नकाबपोश फर्जी अते पते के साथ सेंध लगा कर ले उड़े। लीजिए अब अपने कल्याण का इंतजार नहीं, इन सेंधों की तलाश कीजिए कि जहां जारी हुए एक रुपए के नब्बे पैसे बंट गए। लेकिन नेता जी तो बता रहे थे, 'आजकल पूरे का पूरा रुपया गरीबों के खाते में जाता है।' आइए पहले इन नकाबपोशों को बेनकाब करें जो हमारा रुपया हमें दे भी गए और उसे ले भी उड़े। चलें, आमीन।

देश दुनिया से

सिया राम मय सब जग जानी

गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि इस जगत का हर प्राणी, और सिर्फ प्राणी ही नहीं बल्कि जगत की हर वस्तु भी परमात्मा का ही स्वरूप है। कण-कण में राम समाए हैं तो फिर जड़ हो या चेतन, यानी हर प्राणी और हर वस्तु में उसी परमात्मा का नूर है। जब हमने इसे सच मान लिया, जब हमने इसे जीवन में उतार लिया तो फिर हर चीज और हर प्राणी हमारे लिए परमात्मा ही है। यही कारण है कि तुलसीदास ने स्पष्ट किया है कि चूंकि सारा जग ही जनकसुता वैदेही माता सीता जी और त्रिलोकीनाथ सर्वेश्वर भगवान श्री रामचंद्र जी का ही स्वरूप है तो मैं इस जगत के हर प्राणी और हर वस्तु को दोनों हाथ जोड़ कर विनम्रता से और श्रद्धा से प्रणाम करता हूं। इसी तरह गुरु नानक देव जी ने कहा कि हमारा शरीर ही मंदिर है, हमारा कर्तव्य ही पूजा है और चढ़ावा चढ़ाने के लिए किसी पूजा स्थल पर जाने की आवश्यकता नहीं है।

महाकाव्य रामचरित मानस के रचयिता भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'सिया राम मय सब जग जानी, करहु प्रनाम जोरी जुग पानी' कहकर हमें जो सीख दी है, उसे गहराई से समझने की आवश्यकता है, उसे टोटैलिटी में, समग्रता में समझने की आवश्यकता है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि इस जगत का हर प्राणी, और सिर्फ प्राणी ही नहीं बल्कि जगत की हर वस्तु भी परमात्मा का ही स्वरूप है। कण-कण में राम समाए हैं तो फिर जड़ हो या चेतन, यानी हर प्राणी और हर वस्तु में उसी परमात्मा का नूर है। जब हमने इसे सच मान लिया, जब हमने इसे जीवन में उतार लिया तो फिर हर चीज और हर प्राणी हमारे लिए परमात्मा ही है। यही कारण है कि तुलसीदास ने स्पष्ट किया है कि चूंकि सारा जग ही जनकसुता वैदेही माता सीता जी और त्रिलोकीनाथ सर्वेश्वर भगवान श्री रामचंद्र जी का ही स्वरूप है तो मैं इस जगत के हर प्राणी और हर वस्तु को दोनों हाथ जोड़ कर विनम्रता से और श्रद्धा से प्रणाम करता हूं। इसी तरह गुरु नानक देव जी ने कहा कि हमारा शरीर ही मंदिर है, हमारा कर्तव्य ही पूजा है और चढ़ावा चढ़ाने के लिए किसी पूजा स्थल पर जाने की आवश्यकता नहीं है। मैं जो कुछ करूं, वह परमात्मा को अर्पण करके करूं। 'सहज संन्यास मिशन' का आदर्श वाक्य 'कर करनी, कर जोड़ कर' भी इसी भाव को दर्शाता है। कर करनी, यानी जो भी करें, कर जोड़ कर करें, हाथ जोड़ कर करें, परमात्मा को नमस्कार करके करें, परमात्मा को अर्पित करके करें। संत रविदास जी ने क्या खूब ही कहा है कि 'मन चंगा, तो कठौती में गंगा', मन शुद्ध हो आपके बर्तन में पड़ा पानी भी साधारण नहीं रह जाता, वह गंगाजल जितना निर्मल और पवित्र हो जाता है। दिन भर काम करते हुए हम इधर-उधर जाते हैं, वही परमात्मा की परिक्रमा है, मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है। मैं ही परमात्मा हूं, और इस जगत का हर जीव-जंतु परमात्मा का ही अंश है। अब जब हर कोई परमात्मा का अंश है और मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है तो मैं झूठ कैसे बोल सकता हूं, किसी को धोखा कैसे दे सकता हूं, फरेब कैसे कर सकता हूं? यही निष्काम कर्म है, यही सहज संन्यास है। वस्तुतः निष्काम कर्म ही सहज संन्यास है। सहज संन्यास की खासियत ही यही है कि इसके लिए हमें अपना धर्म बदलने की आवश्यकता नहीं है। हम किसी भी धर्म, संप्रदाय, मत को मानते हों, हमारे इष्ट देव कोई भी हों, उसे बदलने की जरूरत नहीं है। बदलना है सिर्फ अपना नजरिया, अपना जीवन, अपना लाइफस्टाइल। इससे ही सब बदल जाएगा। ऋषियों-मुनियों और मनीषियों ने दुनिया को माया कहा, जीवन को सपना कहा तो उनका मकसद यह समझाना था कि जन्म है तो मृत्यु भी है और कुछ भी स्थायी नहीं है, इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए हमें जन-जन की सेवा करनी चाहिए और प्रेममय जीवन बिताना चाहिए। सिर्फ इतना ही मान लेना कि दुनिया माया है या जीवन सपना है, दरअसल अधूरा सच है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जीवन का पाठ यही है। पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सबकी जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढ़ियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। दो-तीन छोटे-छोटे से नुक्ते हैं जिन्हें समझ लें तो जीवन आसान हो जाता है। मसलन, हमारी सबसे बड़ी जीत तब होती है जब हम खामोशी से उस व्यक्ति को सच्चे दिल से माफ कर दें जिसने हमें सबसे ज्यादा तकलीफ दी हो। इसी की आगे व्याख्या करें तो यह भी स्पष्ट होता है कि अगर हमें किसी दूसरे व्यक्ति को दुख में, तकलीफ में, परेशानी में, असफलता में या संघर्ष करते हुए देखकर खुशी मिलती हो तो यह भी एक प्रकार की हिंसा ही है। यह समझना बहुत जरूरी है कि कागज के टुकड़े करना सरल है, कपड़े के टुकड़े करना थोड़ा कठिन है, लोहे के टुकड़े करना काफी कठिन है, लेकिन सबसे ज्यादा कठिन अगर कुछ है तो वह है अपने अंदर जड़ें जमाए हुए अहंकार के टुकड़े करना। अहंकार को जीत लिया तो जीवन सादा हो गया, सरल हो गया, तरल हो गया, सब तरफ प्रेम बहने लगा और हम प्रेममय हो गए, बल्कि खुद ही प्रेम हो गए।

आप का नजरिया

हिमाचल में हवाई सर्किट

हवाई कनेक्टिविटी के आकाश में हिमाचल के प्रयास अब नया स्थान खोज रहे हैं। इसी धुन पर सवार होकर हिमाचल ने हेलिपोर्ट विस्तार का खाका मुकम्मल करते हुए पालमपुर, रक्कड़, चंबा और किन्नौर का नक्शा मजबूत करना शुरू किया है, तो कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार को लेकर सिर धड़ की बाजी लगा दी है। सरकार इसके विस्तार को अमलीजामा पहना देती है, तो यह पर्वतीय वर्जनाओं पर इरादों की बुलंदी होगी। कुछ इसी तरह जब ऊना रेल आगे बढ़ी, तो वंदे भारत की मंजिल पर आकर अंब-अंदौरा ने पर्यटन का मजबूत रास्ता बना दिया। हमने शुरू से ही कहा है कि हिमाचल की कनेक्टिविटी में सडक़ मार्गों का केंद्र हमीरपुर, रेलवे विस्तार की कड़ी में ऊना रेल का मुख ज्वालाजीमुखी की ओर मोड़ कर तथा विमान सेवाओं के विस्तार को कांगड़ा एयरपोर्ट से जोड़ कर पूरा किया जा सकता है। इसी तरह रज्जु मार्गों, मोनो रेल, स्काई बस या एरियल ट्रॉम के जरिए बड़े शहरों में स्थानीय परिवहन के नेटवर्क स्थापित करने होंगे। शिमला शहर के लिए रज्जु मार्ग परियोजना आशा जगाती है। करीब 1734 करोड़ की यह परियोजना साठ किलोमीटर क्षेत्रफल में प्रति घंटा 2000 यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाएगी। इसी तरह की परियोजनाएं कांगड़ा से धर्मशाला-मकलोडगंज, सुंदरनगर-नेरचौक-मंडी व भुंतर-कुल्लू-मनाली के लिए भी बनाई जाएं, तो शहरी परिवहन के साथ-साथ पर्यटन के यातायात को भी सुचारू रूप से चलाया जा सकता है। कम से कम पांच करोड़ पर्यटकों को बुलावा भेजने के इच्छुक राज्य को अपने परिवहन के सारे माध्यमों को पुख्ता करने की आवश्यकता है। बहरहाल हिमाचल सरकार हवाई रूट की नई श्रृंखला में प्रदेश को आरामदायक यात्रा डेस्टिनेशन से जोड़ रही है। इसी संदर्भ में चंडीगढ़-कुल्लू-धर्मशाला के रूट के प्रस्ताव पर कार्य हो रहा है। पहले ही शिमला-धर्मशाला, कुल्लू-अमृतसर, शिमला-अमृतसर तथा चंडीगढ़-धर्मशाला उड़ानें जारी हैं, जबकि गर्मियों में जयपुर से धर्मशाला को जोडऩे का प्रयास भी हुआ है, लेकिन अब एक आंतरिक हवाई सर्किट बनता हुआ दिखाई देता है। हेलि टैक्सी इस दिशा में कई रूट चिन्हित कर चुकी है। यह दीगर है कि कुछ उड़ानें अभी अपनी क्षमता का दोहन न कर पाने की वजह से रुक गईं, लेकिन भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल के अंदरूनी-अनछुए और ट्राइबल पर्यटन के लिए हेलिपोर्ट मील पत्थर साबित होंगे। राजधानी शिमला से सभी जिला मुख्यालयों तथा महत्त्वपूर्ण शहरों के लिए हवाई उड़ानें अगर पैकेज के रूप में ट्रैवलर और सरकारी आवाजाही से जुड़ें, तो सरकारी गाडिय़ों के काफिले फिर सडक़ों पर नहीं चलेंगे। इसके लिए हवाई टिकट के साथ गंतव्य तक नियमित सार्वजनिक वाहनों की खेप उतारनी पड़ेगी। शिमला-धर्मशाला फ्लाइट का पूरा लाभ तब मिलेगा जब राजधानी और उप राजधानी के हवाई अड्डों के लिए विशेष बस सेवाएं शुरू की जाएं। इतना ही नहीं, हवाई अड्डों पर टैक्सी सेवाएं जिस ढर्रे व दर से चलती हैं, उससे यात्रा का सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

30 घंटे के ऑपरेशन के बाद इजरायली सेना वेस्ट बैंक के तुबास से वापस लौटी

तेलअवीवी, 30 अगस्त (एजेंसियां)। करीब 30 घंटे के सैन्य ऑपरेशन के बाद इजरायली सेना वेस्ट बैंक के उत्तरी शहर तुबास से वापस लौट गई है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने ये जानकारी दी है।

चार फिलिस्तीनियों की हत्या और घरों तथा बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के बाद तुबास के दक्षिण में स्थित फारा शरणार्थी शिविर से इजरायली सेना वापस लौट गई है। इस बीच, फिलिस्तीन मौद्रिक प्राधिकरण ने एक प्रेस बयान में कहा कि जेनिन शहर में कुछ बैंक शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं बाधित हो गईं, क्योंकि इजरायली सेना ने शहर में इंटरनेट केबल नष्ट कर दी।

तुबास के दक्षिण में फरा शरणार्थी शिविर पर इजरायली ड्रोन द्वारा किए गए बम विस्फोट में चार युवक मारे गए थे। बुधवार को, इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ), इजरायल सिक्योरिटी अथॉरिटी और इजरायली पुलिस ने एक संयुक्त बयान जारी किया था, जिसमें कहा गया कि इजरायली सुरक्षा बलों ने तीन शहरों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया है, जिसमें जेनिन और तुलकरम में पांच सशस्त्र आतंकवादियों और तुबास के फ़ारा शरणार्थी शिविर में चार को मार गिराया गया। इजरायली मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि उत्तरी वेस्ट बैंक में यह अभियान 2002 के बाद से अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान था। वेस्ट बैंक में 7 अक्टूबर, 2023 से फिलिस्तीनियों और इजरायलियों के बीच तनाव बढ़ रहा है, जब हमास-इजरायल संघर्ष शुरू हुआ था।

फिलिस्तीनी और इजरायली सूत्रों के अनुसार, इजरायली सेना ने बुधवार रात को तुलकर्म, जेनिन और तुबास शरणार्थी शिविरों में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया था। इजरायल का कहना है कि वहां कुछ आतंकवादी इजरायल के खिलाफ ऑपरेशन में शामिल थे, और उनको गिरफ्तार करना जरूरी था। उधर, फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने बुधवार को कहा कि जेनिन, तुबास और तुलकरम शहरों के साथ-साथ कई कैंप को भी निशाना बनाया गया, जिससे स्थानीय बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा।

न्यूज ब्रीफ

इमरान खान की सुविधाएं छीनने के दावे पर अदियाला जेल प्रशासन ने तोड़ी चुप्पी

रावलपिंडी। अदियाला जेल (सेंट्रल जेल रावलपिंडी) प्रशासन ने आज पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान व उनकी पत्नी बुशरा बीबी की सुविधाएं वापस लेने के दावों पर चुप्पी तोड़ी है। जेल अधीक्षक ने जेल मैनुअल के अनुसार समुचित सुविधाएं उपलब्ध होने का ब्योरा देते हुए ऐसे दावों को सिरे से खारिज कर दिया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अदियाला जेल प्रशासन को यह सफाई पीटीआई सीनेटर मोहम्मद अली खान सैफ के दावों पर देनी पड़ी है। सैफ ने मीडिया से कहा था कि उनके नेता को जेल में सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने जेल में इमरान खान से मुलाकात के दौरान महसूस किया कि वह वहां संकट का सामना कर रहे हैं। अदियाला जेल अधीक्षक ने कहा है कि इमरान खान की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्हें प्रतिदिन एक अंग्रेजी समाचार पत्र दिया जाता है। उनके पास व्यायाम मशीन और टहलने के लिए जगह है।पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी जेल में बंद पत्नी बुशरा बीबी को एक अलग रसोईघर आवंटित किया गया था। पढ़ने के लिए किताबें भी उपलब्ध कराई गईं। जेल अधिकारी ने खान की कोठरी में खुले सीवर और बुशरा बीबी की कोठरी में चूहे होने के दावे खारिज करते हुए कहा कि ऐसी खबर में कोई सच्चाई नहीं है। उल्लेखनीय है कि पीटीआई सीनेटर मोहम्मद अली खान सैफ ने जेल में खान से मुलाकात के बाद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि पीटीआई संस्थापक को वह सुविधाएं नहीं दी गईं जो राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को उनकी जेल की सजा के दौरान मिली थीं। उन्होंने कहा था कि इमरान कान के दर्द से पीड़ित हैं। उन्हें व्यायाम के लिए इलेक्ट्रिक टूथब्रश और डम्बल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री को उनके बेटों से भी फोन पर बात नहीं करने दी जा रही है।

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अपर दीर जिले में भूस्खलन की चपेट में आया घर, 12 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अपर दीर जिले में आज तड़के हुए भूस्खलन की चपेट में आया एक घर ढह गया। इस हादसे में नौ बच्चों सहित एक ही परिवार के कम से कम 12 सदस्यों की मौत हो गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कहा है कि सभी 12 शवों को मलबे से निकाल लिया गया है। मृतकों में दो महिलाएं, एक पुरुष और नौ बच्चे शामिल हैं। यह हादसा मूसलाधार बारिश के दौरान हुआ। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान पूरे पाकिस्तान में तूफान के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। विभाग ने कहा कि इस अवधि के दौरान सिंध, दक्षिण बलूचिस्तान, मध्य पंजाब, पोटोहर क्षेत्र, इस्लामाबाद, खैबर पख्तूनख्वा, गिलगित-बाल्टिस्तान और कश्मीर में भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान मुरी, गलियात, मानसेहरा, कोहिस्तान, चित्राल, दीर, स्वात, शांगला, बुनेर, कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान में भूस्खलन हो सकता है।

पुरुलिया कांड के आरोपी के प्रत्यर्पण की याचिका डेनमार्क कोर्ट ने की खारिज

कोपनहेगन। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में 29 साल पहले हथियार गिराने के मामले में आरोपी डेनिश नागरिक नील्स होल्क के भारत प्रत्यर्पण की याचिका डेनमार्क की अदालत ने बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही इस बहुचर्चित मामले में भारत को झटका लगा है। अदालत का यह आदेश डेनमार्क के शीर्ष अभियोजन प्राधिकरण के खिलाफ है जिसने नील्स को विदेश भेजने के लिए हरी झंडी दे दी थी। होल्क ने 1995 में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में एक मालवाहक विमान से असॉल्ट राइफल, रॉकेट लॉन्चर और मिसाइल गिराने की घटना में भाग लेने की बात स्वीकार की थी। हिलेरोएड जिला न्यायालय ने कहा कि भारत द्वारा दी गई 'अतिरिक्त राजनयिक गारंटी' के बावजूद 'एक ऐसा जोखिम' है कि होल्क को भारत में यातना या अन्य अमानवीय व्यवहार का सामना करना पड़ेगा। होल्क (62) ने कहा कि उसे डर है कि अगर उसे प्रत्यर्पित किया गया तो उसकी जान को ख़तरा हो सकता है। फैसले की घोषणा से पहले होल्क ने बृहस्पतिवार सुबह डेनिश रेडियो डीआर से कहा, ''मैं न्यायाधीश के सामने जवाबदेह ठहराया जाना चाहूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यह एक न्यायसंगत आपात स्थिति है।'' हथियार गिराए जाने के बाद एक ब्रिटिश और पांच लातवियाई नागरिक को भारतीय अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन होल्क भाग निकला था जिसे पहले नील्स क्रिश्चियन नीलसन के नाम से जाना जाता था।

पाकिस्तान में आतंकियों ने किया नाक में दम

आर्मी भी सेफ नहीं, चार अधिकारियों को आतंकियों ने किया किडनैप, अभी बेसुराग

इस्लामाबाद, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से गुरुवार को अगवा किए गए एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सहित दो-तीन लोगों के अलग-अलग वीडियो प्रतिबंधित आतंकी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने जारी किए हैं। आतंकवादी इस सैन्य अधिकारी, उनके दो भाइयों और भतीजे को डेरा इस्माइल खान के उनके पैतृक क्षेत्र कलाची तहसील के मोहल्ला खादर खेल की एक मस्जिद से जबरिया उठा ले गए थे। मस्जिद में सैन्य अधिकारी पिता के जनाने में मिट्टी देने पहुंचे थे। सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार सुबह जारी रिपोर्ट में पाकिस्तान आर्मी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त की है।

पाकिस्तान की वेबसाइट मशाल रेडियो के मुताबिक, अगवा किए गए सैन्य अधिकारी का नाम लेफ्टिनेंट कर्नल खालिद है। आतंकवादी खालिद व उनके दो भाई आसिफ और फहद के अलावा भतीजे अब्राहम को भी साथ ले गए। ऑफिसर अपने पिता की मौत के बाद जनाजे में मिट्टी देने पहुंचे थे। पाकिस्तान के संचार माध्यमों के मुताबिक, अगवा किए गए सैन्य अधिकारी के भाइयों में से एक रावलपिंडी छावनी बोर्ड और दूसरा नादरा के लिए काम करता है। डॉन अखबार के अनुसार अलग-अलग वीडियो में अपहृत व्यक्तियों में से दो भाइयों को काले कपड़े के सामने बैठा दिखाया गया है। वे नकाबपोश बंदूकधारियों से घिरे हुए हैं।

वीडियो फुटेज में अगवा दोनों भाई कहते हैं कि हम सुरक्षित हैं और सरकार के नियंत्रित क्षेत्र से बहुत दूर तालिबान के कब्जे में हैं। सरकार और उच्च अधिकारी हमारी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए तालिबान की मांगों को जल्द से जल्द स्वीकार कर लें। उन्होंने अपने रिश्तेदारों से आग्रह किया कि वे उनके अपहरण के बारे में सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट न करें।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का पुराना नाम पाकिस्तान तालिबान है। यह आतंकी समूह अब तक कई खतरनाक हमलों की जिम्मेदारी ले चुका है। इनमें 2008 में इस्लामाबाद का मैरियट होटल और 2009 में आर्मी हेडक्वार्टर पर हमला भी शामिल है। 2012 में टीटीपी ने ही मलाला युसुफजई पर भी हमला किया था। टीटीपी ने मलाला के सिर में गोली मार दी थी। समूह ने मलाला युसुफजई को 'वेस्टर्न माइंडेड लड़की' कहा था। इसके बाद टीटीपी ने 2014 में भी पेशावर के एक आर्मी स्कूल में गोलीबारी की थी। इस हमले में कम से कम 150 लोग मारे गए थे। इनमें 131 बच्चे थे।

आतंकवाद का कारखाना कहे जाने वाले पाकिस्तान में अब तक जितने भी आतंकी संगठन या समूह अस्तित्व में आए हैं, उनमें तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को सबसे खतरनाक माना जाता है। खास बात यह है कि इस संगठन के पाकिस्तान फौज में हजारों समर्थक हैं और यही पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

डॉ. रागिब नईमी का पाक के कट्टरपंथियों पर प्रहार, कहा-

किसी भी कानून में कुरान के अपमान पर मौत की सजा का प्रावधान नहीं

इस्लामाबाद, 30 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कट्टरपंथियों पर काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी (सीआईआई) के अध्यक्ष डॉ. रागिब हुसैन नईमी ने बड़ा शाब्दिक हमला किया है। उन्होंने कहा है, कोई भी कानून पवित्र कुरान के अपमान के लिए मौत की सजा का प्रावधान नहीं करता है, लेकिन धार्मिक तत्व संदिग्धों को मारने के लिए भीड़ का सहारा लेते हैं। यह न केवल गैर-इस्लामिक, बल्कि पाकिस्तान के कानून के विपरीत भी है।

सूत्रों के अनुसार, डॉ. रागिब ने राजधानी इस्लामाबाद स्थित सीआईआई कार्यालय में मीडिया से कहा, 'ईश निंदा कानून में चार अलग-अलग सजा का प्रावधान है। पवित्र कुरान के अपमान की सजा आजीवन कारावास है। पवित्र पैगंबर (उन पर शांति हो) के परिवार के सदस्यों और उनके साथियों (सहाबा) का अपमान करने की सजा सात साल की कैद है। कादियानियत निषेध अध्यादेश के उल्लंघन की सजा तीन साल है। कानून में केवल पवित्र पैगंबर के खिलाफ ईश निंदा करने का दोषी साबित होने वाले व्यक्ति के लिए मौत की सजा की परिकल्पना की गई है। लेकिन धार्मिक समूहों का मानना है कि सभी चार अपराधों की सजा एक ही है- मौत। ऐसे लोग कानून को अपने हाथ में लेते हैं।'

धार्मिक तत्वों की आलोचना

उन्होंने कहा, 'धार्मिक संगठन अपनी पसंद और नापसंद के अनुरूप इस्लामी कानूनों में हेरफेर करते हैं। किसी को भी ईश निंदा करने के संदेह में किसी व्यक्ति की हत्या के लिए फतवा जारी करने का अधिकार नहीं है।' उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए जन भावनाओं से खेलने के लिए धार्मिक तत्वों की आलोचना की। मीडिया ने उनका ध्यान आकर्षित कराया कि सीआईआई उन मौलवियों की पहचान करने और उन्हें अलग-थलग करने में विफल रही जो भड़काऊ बयान जारी करते हैं या ईश निंदा पर जनता को उकसाते हैं। इस पर सीआईआई अध्यक्ष ने अपना हालिया अनुभव सुनाया।

मौत का फतवा हराम

डॉ. रागिब ने कहा, 'मैंने घोषणा की थी कि पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश की मौत का फतवा हराम था। इसके तुरंत बाद मुझे 500 से अधिक धमकी भरे संदेश मिले। इनमें से कुछ में अपमानजनक भाषा थी। उन्होंने माना कि धार्मिक समूहों के उदारवादी नेता कट्टरपंथियों से डरते हैं। उन्होंने कहा कि हत्या करने का फतवा जारी करना या कानून हाथ में लेना गैरकानूनी, असंवैधानिक और शरिया के सिद्धांतों के खिलाफ है। शरिया किसी भी व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति की जान लेने का अधिकार नहीं देता है। उन्होंने समाज में बढ़ती असहिष्णुता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, यह सभी मामलों में स्पष्ट है कि केवल राज्य के पास ही ईश निंदा के दोषी पाए गए लोगों को दंडित करने का अधिकार है।'

ढाका-चटगांव राजमार्ग के नारायणगंज खंड पर 15 किलोमीटर तक लगा जाम

ढाका, 30 अगस्त (एजेंसियां)। ढाका-चटगांव राजमार्ग के नारायणगंज खंड पर आज सुबह लगभग 15 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। इससे सप्ताहांत में यात्रियों और ड्राइवरों को अत्यधिक परेशानी हुई। पुलिस के अनुसार जाम अभी खुल नहीं पाया है।

कांचपुर राजमार्ग पुलिस थाना प्रभारी अधिकारी (ओसी) रेजाउल हक ने कहा कि कई टीमें नारायणगंज खंड पर जाम खुलवाने के लिए जद्दोजहद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजमार्ग पर एक वाहन के खराब होने के बाद यह नौबत आई।

हालांकि खराब वाहन को वहां से हटा दिया गया है लेकिन जाम अभी भी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा ढाका-चटगांव जाने वाली लेन पर राहत सामग्री लेकर जा रहे ट्रकों और विभिन्न वाहनों के अव्यवस्थित चलने से स्थिति खराब हुई है।

गाजा में पोलियो टीकाकरण के लिए 3 दिन बंद रहेगी लड़ाई

संयुक्त राष्ट्र, 30 अगस्त । राष्ट्र विश्व स्वास्थ्य संगठन ने घोषणा की कि गाजा में बच्चों के पोलियो टीकाकरण के लिए तीन दिन युद्ध पर रोक लगेगी। डब्ल्यूएचओ की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि लाखों बच्चों को पोलियो टीकाकरण के लिए लड़ाई में सीमित विराम दिया जाएगा। यह घोषणा फलस्तीनी क्षेत्र में 25 वर्षों में पहली बार एक बच्चे में पोलियो के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद की गई है। फलस्तीनी क्षेत्रों में डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि रिक पीपरकॉर्न ने कहा कि युद्धग्रस्त क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में तीन दिन तक की विराम अवधि के दौरान टीकाकरण अभियान रविवार को मध्य गाजा में शुरू होगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद द. गाजा में तीन दिन और फिर उत्तरी गाजा में तीन दिन का विराम होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि टीकाकरण पूरा करने के लिए उन्हें अतिरिक्त दिनों की आवश्यकता हो सकती है।

प्रधानमंत्री ओली की कैबिनेट और सांसदों ने संसद भवन में किया योग

काठमांडू, 30 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश नेपाल सरकार की घोषित नीति के तहत शुक्रवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा अपनी कैबिनेट के सभी सहयोगियों के साथ संसद भवन के योगाभ्यास शिविर में शामिल हुए। इस मौके पर सभी दलों के सांसद भी मौजूद रहे और योग भी किया।

सरकार ने की थी घोषणा

सरकार ने हाल में ही योग तथा अध्यात्म स्वजागरण अभियान की घोषणा की थी। इसी के तहत आज सचिवालय की ओर से संसद के दोनों सदनों के सांसदों के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने किया। इस योगाभ्यास में प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों के अलावा प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष, राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष, सभी पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व मंत्री एवं दोनों सदनों के सांसद मौजूद रहे।

रूस और यूक्रेन की जंग जारी : वोलोदिमिर जेलेंस्की का बड़ा दावा

यूक्रेन ने 3 हफ्ते की लड़ाई के बाद रूस के कुर्स्क इलाके पर जमाया कब्जा

मॉस्को, 30 अगस्त (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन की जंग जारी है इसी बीच वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के कुर्स्क इलाके पर कब्जा कर लिया है। इसके बावजूद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन जवाबी हमला नहीं कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि पुतिन चुप क्यों हैं। क्या है वह जेलेंस्की को जवाब देने के लिए कोई बड़ी योजना बना रहे हैं या उनके पास साधनों की कमी है। यूक्रेन ने तीन हफ्ते की लड़ाई के बाद रूस के कुर्स्क इलाके पर कब्जा कर लिया। रूस अभी भी कुर्स्क से यूक्रेनी सेना को हटाने के लिए संघर्ष कर रहा है। जो दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अपने इलाके पर पहली बार किसी कब्जे के खिलाफ आश्चर्यजनक रूप से रूस की धीमी प्रतिक्रिया मालूम होती है। साथ ही यह भी माना जा रहा है कि यह सब कुछ रूसी सेना की संख्या और उसकी प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। यूक्रेन के अंदर अपने हमलों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने वाले रूस के पास अभी कीव की सेना को बाहर निकालने के लिए पर्याप्त रसद भंडार भी नहीं है।

वहीं अधिकारियों के साथ टेलीविजन मीटिंग में कुर्स्क हमले के बारे में पुतिन ने कहा कि यह डोनेट्स्क में रूसी अभियान को धीमा करने की एक चाल है। उन्होंने कहा कि कुर्स्क में हमले की घटनाओं के बावजूद रूस तेजी से कई इलाकों में आगे बढ़ा है। यूक्रेन के चार इलाकों पर कब्जा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए पुतिन ने कुर्स्क में कीव के हमले को बहुत कम महत्व देने की कोशिश की है। वहीं रूस के सरकारी मीडिया ने कुर्स्क पर हमले को कीव के आक्रामक इरादों के सबूत के रूप में पेश किया और कहा कि यह इस बात का और सबूत है कि रूस का यूक्रेन पर हमला करना उचित था। बहरहाल रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस हमले को इतना गंभीर खतरा नहीं मानते हैं कि पूर्वी यूक्रेन के डोनबास इलाके से सैनिकों को वापस बुलाकर कुर्स्क इलाके में भेजना उचित समझें, जो उनका पहला लक्ष्य है। पुतिन का ध्यान यूक्रेनी सरकार के पतन पर है। जिसके बारे में उनका मानना है कि इसके बाद किसी भी इलाके पर कब्जा अपने आप अप्रासंगिक हो जाएगा। 2022 में पूरे पैमाने पर हमला शुरू करने के महीनों बाद पुतिन ने डोनेट्स्क, लुहान्स्क, जोपोरिज्जिया और खेरसॉन के यूक्रेनी इलाकों को रूसी क्षेत्र के हिस्से के रूप में अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया। उन इलाकों पर पूरी तरह कब्जा करना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है। 6 अगस्त को यूक्रेनी सेना कुर्स्क इलाके में घुस गई। जबकि रूसी सैनिकों ने रणनीतिक शहर पोक्रोवस्क और डोनेट्स्क इलाके के अन्य हिस्सों के आसपास अपनी धीमी गति से आगे बढ़ना जारी रखा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि रूस पोक्रोवस्क की ओर हमले जारी रखने और पोक्रोवस्क से संसाधनों को कुर्स्क में नहीं ले जाने के लिए काफी हद तक तैयार है। पोक्रोवस्क में यूक्रेनी बलों ने व्यापक किलेबंदी की है। जबकि डोनेट्स्क के अन्य हिस्से जो अभी भी यूक्रेनी नियंत्रण में हैं, कम सुरक्षित हैं। अगर पोक्रोवस्क ढहता है तो ये इलाके रूसी हमले के लिए काफी अधिक असुरक्षित हो सकते हैं।

बीसीबी बोर्ड के वित्त की जांच के लिए नियुक्त करेगा स्वतंत्र ऑडिट फर्म

ढाका, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नए अध्यक्ष फारूक अहमद ने घोषणा की है कि वे बोर्ड के वित्त की जांच के लिए एक नई ऑडिट फर्म नियुक्त करेंगे, जबकि उन्होंने स्वीकार किया कि नजमुल हसन के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार हुआ था, जिन्होंने हाल ही में शीर्ष पद से इस्तीफा दे दिया है।

फारूक ने शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में अपनी पहली बोर्ड मीटिंग में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, हम देश की शीर्ष चार कंपनियों में से एक को स्वतंत्र ऑडिट फर्म नियुक्त करेंगे। अनियमितताओं का पता लगाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। अगर पिछले कुछ वर्षों में कुछ हुआ है, तो ऑडिट के बाद उसका पता चल जाएगा। अगर कोई अनियमितता पाई जाती है, तो भ्रष्टाचार निरोधक आयोग कार्रवाई करेगा। बोर्ड में कुछ भ्रष्टाचार था। मैं इससे इनकार नहीं कर सकता और हर कोई इसके बारे में जानता है।

फारूक ने यह भी कहा कि बोर्ड पिछले विश्व कप की असफलता की मूल्यांकन रिपोर्ट को फिर से खोलना चाहता है और कुछ अन्य रिपोर्टों पर भी गौर करना चाहता है, जो बोर्ड को सौंपे जाने के बाद शायद ही कभी प्रकाश में आई हों। हाल ही में, बीसीबी के निदेशक अकरम खान, जो 2023 विश्व कप की रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाली मूल्यांकन समिति के तीन सदस्यों में से एक हैं, ने जोर देकर कहा कि उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए।

फारुक ने कहा, पिछले विश्व कप की एक रिपोर्ट है, जबकि कुछ अतीत की रिपोर्टें हैं (जो प्रकाश में नहीं आई हैं) और मैंने सीईओ से कहा कि मैं उन्हें देखना चाहता हूं और रिपोर्ट देखने के बाद निर्णय लूंगा।

उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से तर्कसंगत है (इसे सार्वजनिक करना) और मैं इसे लोगों के सामने लाना चाहता हूं और चूंकि मैं इसका हिस्सा नहीं हूं, इसलिए इसे प्रकट करने में कोई समस्या नहीं है और मैं इसे दुनिया के सामने लाना चाहता हूं।

अगर विश्व कप मूल्यांकन रिपोर्ट पर विचार किया जाता है, तो चंदिका हथुरुसिंघा का मुख्य कोच के रूप में अधिक समय तक बने रहना संभव नहीं है। यह समझा जाता है कि मूल्यांकन समिति ने श्रीलंकाई पर उंगली उठाई थी और उन्हें बांग्लादेश की विश्व कप की पराजय के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार ठहराया था। मुख्य कोच के रूप में हथुरुसिंघा का वर्तमान अनुबंध चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अंत तक है। फारुक ने कहा, मैं बोर्ड का अध्यक्ष हूं और इसलिए मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता जिससे लगे कि मैं निरंकुश हो गया हूं। मैं तानाशाह नहीं बनना चाहता। हमने हथुरूसिंघा के बारे में बात की है। हम इस मामले पर उसी तरह विचार करेंगे जैसे हमने शाकिब के मामले को संभाला था। मैंने कहा कि हम टेस्ट सीरीज के बीच में कुछ नहीं करना चाहते।

उन्होंने कहा, हम अभी दौरे के बीच में हैं। अध्यक्ष के तौर पर आप कोई भी फैसला ले सकते हैं लेकिन हमें टीम को परेशान न करने के बारे में सोचना होगा। हम इस पर चर्चा कर रहे हैं (हथुरूसिंघा के साथ क्या किया जा सकता है) और सभी की राय लेने की कोशिश करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप पूजा सिंह नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ ऊंची कूद के फाइनल में

लीमा (पेरू)। भारतीय एथलीट पूजा सिंह ने लीमा में चल रही विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में महिलाओं की ऊंची कूद के क्वालिफिकेशन दौर में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ 9वें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। 17 वर्षीय पूजा ने 1.83 मीटर की ऊंचाई पार करके गुरुवार देर रात महिलाओं की ऊंची कूद के क्वालीफिकेशन राउंड ग्रुप बी में दूसरा और कुल मिलाकर नौवां स्थान प्राप्त किया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ वह 31 अगस्त को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गईं। इससे पहले पूजा सिंह का बेस्ट प्रदर्शन कोरिया में 20वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1.82 मीटर का था। उन्होंने इस प्रतियोगिता में रजत पदक जीता था।

लिवरपूल ने जुवेंटस के इतालवी विंगर फेडेरिको चिएसा के साथ किया करार

लंदन। लिवरपूल ने 10 मिलियन पाउंड (13 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की शुरुआती फीस पर जुवेंटस से इतालवी विंगर फेडेरिको चिएसा के साथ करार किया है। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने इस गर्मी में आर्ने स्लॉट की टीम में शामिल होने के लिए चार साल का अनुबंध किया है (हालांकि लिवरपूल ने गोलकीपर जियोर्जी ममारदाशविली को भी अनुबंधित किया है और उन्हें वेलेंसिया को वापस ऋण पर दिया है)। चिएसा ने अपने करियर की शानदार शुरुआत की और वेम्बली में इटली की यूरो 2021 जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन जनवरी 2022 में घुटने की चोट के बाद पिछले दो वर्षों में फॉर्म के लिए संघर्ष किया है। चिएसा ने कहा, मैं लिवरपूल का खिलाड़ी बनकर बहुत खुश हूँ। जब रिचर्ड ह्यूजेस (लिवरपूल के खेल निदेशक) ने मुझे बुलाया और उन्होंने पूछा, क्या आप लिवरपूल में शामिल होना चाहते हैं - मैंने तुरंत हाँ कह दिया क्योंकि मैं इस क्लब का इतिहास जानता हूँ, मैं जानता हूँ कि यह प्रशंसकों के लिए क्या दर्शाता है। इसलिए, मैं बहुत खुश हूँ। विंगर को एफसी बार्सिलोना से भी दिलचस्पी होने की संभावना है, लेकिन स्पेनिश क्लब की वित्तीय निष्पक्षता मानदंडों को पूरा करने में समस्याओं का मतलब था कि उनके द्वारा उन्हें अपनी पहली टीम में शामिल करने की बहुत कम संभावना थी।

अंडर-19 क्रिकेट पुरूष वर्ग के फाइनल ट्रायल में हिस्सा लेंगे जोन के 21 खिलाड़ी कमला क्लब में होगा फाइनल ट्रायल

मुरादाबाद। मुरादाबाद डिस्ट्रिक स्पोर्टर्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने

शुक्रवार को बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के तत्वावधान में 2 सितंबर को कमला क्लब कानपुर में अंडर-19 क्रिकेट पुरुष वर्ग का फाइनल ट्रायल आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुरादाबाद जोन के 21 खिलाड़ी ट्रायल देंगे। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि जोन के मणि चौधरी, साहिल सिंह, मोहम्मद उस्मान, कुशल यादव, अमन नवाब, गगनदीप सिंह, सुरजीत सिंह, शाहरुख, मतीन खान, मोहम्मद तहजीब, मोहम्मद अयाज, नावेद खान, रोनित चौधरी, शुएब, शब्बीर, अरबाज, कृष्णा यादव, हर्षित विश्नोई, सार्थक चौधरी, चरित्र चौहान, पृथ्वी त्यागी फाइनल ट्रायल देंगे। उन्होंने आगे कहा कि सभी खिलाड़ियों से अनुरोध है कि वे अपनी मूल जन्मतिथि प्रमाण पत्र साथ लेकर जाएं। रजिस्ट्रेशन के लिए मांगे गए सभी सर्टिफिकेट और आधार कार्ड भी ले जाना आवश्यक है। सभी खिलाड़ियों को 2 सितम्बर को सुबह 8 बजे तक कमला क्लब कानपुर में रिपोर्ट करना है।

पेरिस पैरालंपिक - 2024

स्टार शूटर अवनि ने जीता स्वर्ण मोना को मिला कांस्य पदक

पेरिस, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत की स्टार पैरा शूटर अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में कमाल कर दिया है। टोक्यो पैरालंपिक में भारत को एक स्वर्ण समेत दो पदक दिलाने वाली अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालंपिक में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। उन्होंने आर-2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। अवनि के बाद शूटर मोना अग्रवाल ने भी कमाल किया और कांस्य पदक अपने नाम किया है। इन दो पदकों के साथ ही पेरिस पैरालंपिक में भारत का खाता खुल गया है। भारत के नाम एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक है।

पेरिस पैरालंपिक में शुक्रवार को दूसरे दिन पैरा शूटर अवनि लेखरा ने आर-2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में 249.7 का स्कोर बनाया और स्वर्ण पदक जीता। अवनि ने टोक्यो पैरालंपिक में 249.6 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया था। इस बार उन्होंने 249.7 का स्कोर बनाया। इस तरह उन्होंने अपने ही पैरालंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी के साथ अवनि पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गई हैं।

इस स्पर्धा में दूसरे नंबर पर दक्षिण कोरिया की युनरी ली रहीं, जिन्होंने 246.8 का स्कोर बनाया और रजत पदक हासिल किया। वहीं, भारतीय शूटर मोना ने 228.7 का स्कोर बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक अपने नाम किया।

बैडमिंटन में नितेश कुमार ने जीता अपना दूसरा ग्रुप स्टेज मैच, मनोज सरकार हारे

3भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार ने शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 में अपने दूसरे ग्रुप स्टेज मैच में शानदार जीत दर्ज की है। वहीं पैरा शटलर मनोज सरकार को अपने दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा है। नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल3 ग्रुप चरण ए के अपने दूसरे मैच में चीन के यांग जियानयुआन को सीधे सेटो में 21-5, 21-11 से हरा दिया। नितेश का अगला मुकाबला शनिवार (31 अगस्त) को थाईलैंड के खिलाड़ी बन्सुन मोंगखोन से होगा। पैरा शटलर मनोज सरकार अपने दूसरे ग्रुप स्टेज मैच में थाईलैंड के बन्सुन मोंगखोन से हार गए। मनोज को 19-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। वह अब अपने अगले मैच में 31 अगस्त को चीन के खिलाड़ी यांग जियानयुआन से भिड़ेंगे।

मानसी जोशी का महिला एकल स्पर्धा में अभियान समाप्त

भारत की मानसी जोशी महिला एकल एसएल 3 ग्रुप ए मैच में यूक्रेन की ओक्साना कोजिना से मिली हार के बाद पैरालिंपिक से बाहर हो गईं हैं। ग्रुप ए में अपने शुरुआती मैच की तरह, मानसी ने शुरुआती सेट में बढ़त हासिल की, लेकिन अगले दो सेट हार गईं। मानसी ने मैच में अच्छी शुरुआत की और पलक झपकते ही, उसने शुरुआती सेट में 21-10 से जीत हासिल की और 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे सेट में, ओक्साना ने शानदार तरीके से जवाब दिया और एक प्रभावशाली समग्र प्रदर्शन के साथ बाजी पलट दी।

पाक-बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन बारिश में धुला

रावलपिंडी, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

लगातार बारिश के कारण शुक्रवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन धुल गया। पिछले सप्ताह इसी मैदान पर ऐतिहासिक 10 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद बांग्लादेश दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है।

खिलाड़ी और टीम के अधिकारी होटल में ही रुके रहे और अंपायरों ने स्थानीय समयानुसार दोपहर 12.05 बजे खेल को रद्द कर दिया, क्योंकि बारिश जारी थी और आउटफील्ड जलमग्न हो गई थी। दोनों टीमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग के निचले आधे हिस्से में हैं, जिसमें बांग्लादेश सातवें और पाकिस्तान आठवें स्थान पर है।

पिछले साल शान मसूद को कप्तान बनाए जाने के बाद से लगातार चार टेस्ट मैच हारने वाली पाकिस्तान ने दिसंबर 2021 में दक्षिण अफ्रीका को हराने के बाद से कोई घरेलू टेस्ट नहीं जीता है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शेष चार टेस्ट मैच ड्रॉ रहे।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए खराब फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को टीम से बाहर कर दिया और लेग स्पिनर अबरार अहमद के साथ बाएं हाथ के दूसरे गेंदबाज मीर हमजा को टीम में शामिल किया।

अफरीदी, जो आठ महीने में अपना पहला टेस्ट खेल रहे थे, अप्रभावी रहे और उन्हें पाकिस्तान द्वारा तीसरी नई गेंद लेने तक इंतजार करना पड़ा, जिसके बाद बांग्लादेश ने 2 विकेट पर 88 रन बनाए। पाकिस्तान ने 448-6 के स्कोर पर पारी घोषित की, जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 565 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

अबरार को पहले टेस्ट टीम से आश्चर्यजनक रूप से बाहर कर दिया गया और उन्हें इस्लामाबाद में बांग्लादेश 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय मैच में खेलने के लिए कहा गया और 28 साल बाद घरेलू टेस्ट मैच में ऑल-आउट पेस अटैक के साथ उतरने की पाकिस्तान की चाल उल्टी पड़ गई। इसके विपरीत, बाएं हाथ के स्पिनर शाकिब अल हसन और ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज ने नाटकीय पांचवें दिन मिलकर सात विकेट लिए और पाकिस्तान को 14 टेस्ट मैचों में बांग्लादेश के खिलाफ अपने सबसे कम स्कोर 146 पर समेट दिया। इसके बाद जरूरी 18 रन बिना किसी नुकसान के हासिल कर मैच जीत लिया।

यूएस ओपन : 2 बार की चैंपियन नाओमी ओसाका दूसरे दौर में हारकर बाहर

न्यूयॉर्क, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

दो बार की चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका की अमेरिकी ओपन में वापसी दूसरे दौर में समाप्त हो गई, जब वह 52वीं रैंकिंग की चेक गणराज्य की कैरोलिन मुचोवा से 6-3, 7-6 (7/5) से हार गईं।

2018 और 2020 में विजेता रहीं जापान की ओसाका अपनी बेटी शाई के जन्म के कारण पिछले साल प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थीं। 2022 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से वह किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे दौर में आगे नहीं बढ़ पाई हैं। कोर्ट पर वापसी में ओसाका को अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है, शुरुआती दौर में जेलेना ओस्टापेंको के खिलाफ उनकी जीत चार साल में शीर्ष दस में स्थान पाने वाली किसी महिला पर उनकी पहली जीत दर्ज थी। दूसरी तरफ मुचोवा पिछले साल न्यूयॉर्क में सेमीफाइनलिस्ट थी और कलाई की सर्जरी के कारण नौ महीने तक बाहर रहने से पहले दुनिया में नौवें स्थान पर थीं।

ओसाका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में शानदार वापसी करते हुए अच्छी शुरुआत की, जहाँ 2018 में उन्होंने सेरेना विलियम्स को हराकर पहली ग्रैंड स्लैम जीत दर्ज की थी। इस बार, ओसाका स्पॉटलाइट के लिए डिज़ाइन किए गए काले रंग के कस्टमाइज़्ड नाइकी आउटफिट में कोर्ट पर उतरीं। उन्होंने अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे शुरुआती ब्रेक पॉइंट का फ़ायदा उठाने में विफल रहीं और मुचोवा द्वारा नेट पर लगातार दबाव बनाए रखने के दौरान कई गलतियाँ कीं। चेक गणराज्य की खिलाड़ी ने लगातार पाँच गेम जीते और शुरुआती सेट में 4-3 की बढ़त हासिल की और अंत में पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में 1-1 की बराबरी पर कड़ी पकड़ के साथ, ओसाका ने मुचोवा की सर्विस तोड़कर 5-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, उन्होंने अगले गेम में तीन सेट के मौके गंवाए, जिससे मुचोवा को फिर से बढ़त हासिल करने का मौका मिला। ओसाका ने फिर एक लंबे फोरहैंड के साथ सेट को बराबर कर दिया। इसके बाद मैच टाईब्रेकर में गया, जहां मुचोवा ने बाजी मारी।

पिकलबॉल : दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग को हरी झंडी दिखाने आएंगे भारत

अगासी बोले-मैं भारत आने और पिकलबॉल के रोमांच को इसके प्रशंसकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हूं

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

आठ बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पूर्व विश्व नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी जनवरी 2025 में भारत का दौरा करेंगे और आधिकारिक तौर पर पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग को हरी झंडी दिखाएंगे, जो एक भव्य पिकलबॉल टूर है।

आठ ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के साथ अपने शानदार टेनिस करियर के लिए जाने जाने वाले अगासी, जिन्होंने चार ऑस्ट्रेलियाई ओपन, एक फ्रेंच ओपन, एक विंबलडन और दो यूएस ओपन शामिल हैं, साथ ही 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक भी जीत चुके हैं, ने इस उद्यम का हिस्सा बनने के लिए अपनी खुशी व्यक्त की।

अपने भारतीय प्रशंसकों के लिए अगासी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, मैं भारत आने और पिकलबॉल के रोमांच को इसके प्रशंसकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हूं। मैं पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि यह देश में एक बड़ी सफलता होगी।

अगासी की आगामी को लेकर पीडब्ल्यूआर के सीईओ और संस्थापक प्रणव कोहली ने कहा, हम आंद्रे अगासी का भारत में स्वागत करते हुए बेहद रोमांचित हैं, क्योंकि वह पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग को हरी झंडी दिखाएंगे। उनकी भागीदारी भारत और विश्व स्तर पर पिकलबॉल को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों को जबरदस्त बढ़ावा देती है। खेल के प्रति अगासी का जुनून और खेल की दुनिया में उनकी महान स्थिति निश्चित रूप से खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रेरित करेगी, और हमें विश्वास है कि यह लीग भारत में पिकलबॉल के लिए नए मानक स्थापित करेगी।

विशेष रूप से, पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग से पहले, पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडिया मास्टर्स (बैटल ऑफ द लीग- स्टेज 1 सहित) पीडब्ल्यूआर 700 इवेंट 24 से 27 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगा। बैटल ऑफ द लीग की प्रत्येक श्रेणी में जीतने वाली टीमें यूएसए में डीयूपीआर नेशनल्स में एक स्थान सुरक्षित करेंगी, जिसमें पीडब्ल्यूआर उनकी यात्रा और आवास का खर्च वहन करेगी।

पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इवेंट्स को इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन (भारत में शीर्ष पिकलबॉल निकाय), एशियन पिकलबॉल एसोसिएशन और ग्लोबल पिकलबॉल फेडरेशन (पिकलबॉल का नियम बनाने वाला और आधिकारिक विश्व शासी निकाय) द्वारा मंजूरी मिली है।

हम वापसी करेंगे, यह सिर्फ टीम नहीं मेरा परिवार है : राजन चोपड़ा

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

वेस्ट दिल्ली लायंस को भले ही अपने हालिया मैचों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा हो, लेकिन टीम के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा टीम को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। टीम के आशाजनक प्रदर्शन न करने के बावजूद भी उन्हें इस बात से काफी तसल्ली है कि दिल्ली के खिलाड़ी अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 के मंच पर चमक रहे हैं।

ज्ञात हो कि गुरुवार को बारिश के चलते बाधित हुए मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 7 विकेट से हरा दिया था। वेस्ट दिल्ली लायंस ने भरपूर प्रयास किया, लेकिन इंद्र देवता को कुछ और ही मंजूर था।

वेस्ट दिल्ली लायंस टीम के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा ने कहा, टीम के लिहाज से पिछले कुछ गेम कठिन रहे हैं, लेकिन दिल्ली के सभी खिलाड़ी मेरे लिए एक परिवार की तरह है। मुझे इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता की कौन सी टीम मैच जीत रही है, अच्छी बात यह है दिल्ली के खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह मेरे लिए एक परिवार की तरह हैं और मेरी शुभकामनाएं हमेशा उनके साथ हैं।

डॉ. राजन चोपड़ा ने टीम को संदेश देते हुए कहा, जीत हार अपनी जगह है, आप लोग परिणाम की चिंता किए बिना मैदान पर अपना शत प्रतिशत देने पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने अपने खिलाड़ियों को उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन की परवाह किए बिना निडर होकर एक टीम के रूप में खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने आगे कहा, एक मालिक के रूप में मैं खिलाड़ियों को केवल अपना 100 प्रतिशत देने की सलाह देता हूं, परिणाम चाहे कुछ भी हो। मैं हमेशा उन्हें यही सलाह देता हूं कि बिना डरे एक टीम बनकर खेलो, आज नहीं तो कल सफलता निश्चित मिलेगी। फिलहाल वेस्ट दिल्ली शुक्रवार को साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ से मुकाबले की तैयारी में जुटी है।

चोपड़ा ने अपनी टीम की क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए कहा, आने वाले खेलों में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे, हमारा ध्यान नतीजों पर नहीं बल्कि खेलों पर है। हम एक परिवार हैं और परिवार की तरह ही लड़ेंगे।

वेस्ट दिल्ली लायंस टीम

रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष डोसेजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, जुगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मसाब आलम, एकांश डोबाल, शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांतडाबला, अब्राहिम अहमद मसूदी।

टी20 विश्व कप के बाद कप्तानी छोड़ देंगी सोफी

वेलिंगटन। सोफी डिवाइन अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड की टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हट जाएंगी। 34 वर्षीय डिवाइन अभी भी वनडे टीम की कप्तान

बनी रहेंगी। डिवाइन ने 2014-15 सीज़न में स्टैंड-इन कप्तान के रूप में और फिर 2020 में एमी सैटरथवेट से पूर्णकालिक भूमिका निभाते हुए 56 टी20 में न्यूजीलैंड का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 25 में जीत दर्ज की है और 28 में टीम को हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 1 मैच टाई रहा है। डिवाइन, जो 2006 में अपने पदार्पण के बाद से 135 मैचों में 3268 रन के साथ प्रारूप में न्यूजीलैंड की सर्वकालिक दूसरी सबसे बड़ी स्कोरर हैं, ने कहा कि कार्यभार संतुलन की उनकी इच्छा ने यह निर्णय लिया। डिवाइन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) के हवाले से कहा, मुझे दोनों प्रारूपों में व्हाइट फर्न्स की कप्तानी करने का सौभाग्य मिलने पर बहुत गर्व है।

सिंगापुर एयरलाइंस को विलय के लिए केंद्र सरकार से मिली एफडीआई की मंजूरी

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच संयुक्त उद्यम विस्तारा का एयर इंडिया में विलय हो रहा है। इसके लिए सिंगापुर एयरलाइंस को भारत सरकार से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की मंजूरी मिल गई है। सरकार से मंजूरी मिलने के बाद सिंगापुर एयरलाइंस विलय समझौते के तहत एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगी।

विमानन कंपनी सिंगापुर एयरलाइंस ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसे प्रस्तावित विलय के हिस्से के रूप में एयर इंडिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए भारत सरकार से मंजूरी मिल गई है। कंपनी के मुताबिक इस मंजूरी मिलने के साथ ही यह विलय समझौता इस साल के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। इस सौदे से दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक का गठन होने की उम्मीद है।

दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक का गठन होने की उम्मीद

इस बीच देश की तीसरी सबसे बड़ी विमानन कंपनी विस्तारा ने जारी बयान में कहा कि वह अपने ब्रांड के तहत 11 नवंबर, 2024 को अंतिम उड़ान का परिचालन करेगी। दरअसल ऐसा इसलिए, क्योंकि सिंगापुर बेस्ड एयरलाइन का विलय एयर इंडिया के साथ फाइनल हो गया है। अब 12 नवंबर, 2024 से विस्तारा के सभी फ्लाइट्स का संचालन एयर इंडिया ही करेगी। इसके लिए टिकट की बुकिंग भी एयर इंडिया के वेबसाइट से होगी।

टाटा की अगुवाई वाले एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने जारी एक बयान में कहा कि नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद विस्तारा के विमानों और चालक दल के सदस्य 12 नवंबर को एयर इंडिया में शामिल होंगे।

न्यूज ब्रीफ

चेन्नई में बनेगा 10जी-100जी नेटवर्क टेस्टबेड

चैन्नई। नोकिया और तमिलनाडु सरकार के बीच चेन्नई में विश्व का सबसे बड़ा फिक्स्ड नेटवर्क टेस्टबेड स्थापित करने का समझौता किया जाएगा। यह टेस्टबेड अल्ट्रा-हाई-स्पीड इंटरनेट एक्सेस और तेज बैंडविड्थ के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगा। शुक्रवार को मल्टीनेशनल टेलीकॉम कंपनी नोकिया एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी। यह टेस्टबेड नोकिया की 10 गीगाबिट , 25जी, 50जी, और 100जी पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क्स में तकनीकी नवाचारों का नेतृत्व करेगा। करीब 450 करोड़ रुपए के निवेश से यह केंद्र स्थापित किया जाएगा और नोकिया की प्रमुख अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में से एक बनेगा। यह फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, मल्टी-ड्वेलिंग यूनिट सॉल्यूशंस, एक्सेस नेटवर्क्स और होम कंट्रोलर्स पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। समझौते पर हस्ताक्षर सैन फ्रांसिस्को में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में किए जाएंगे, जो अमेरिका की 17 दिवसीय यात्रा पर हैं।

एथनॉल उत्पादन में गन्ना रस, चीनी सिरप का कर सकेंगे उपयोग

नई दिल्ली। सरकार ने एथनॉल उत्पादन मे गन्ना रस और चीनी सिरप मिलाने की अनुमति दे दी है। सरकार ने दिसंबर 2023 में घरेलू खपत के लिए पर्याप्त चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए ईएसवाई 2023-24 (दिसंबर-नवंबर) में एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ना रस या चीनी सिरप के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। खाद्य मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि चीनी मिलों और डिस्टिलरी को ओएमसी (तेल विपणन कंपनियों) के साथ समझौते एवं आवंटन के अनुसार ईएसवाई 2024-25 के लिए गन्ना शीरा या चीनी सिरप, बी-हैवी शीरा के साथ-साथ सी-हैवी शीरा से एथनॉल का उत्पादन करने की अनुमति है। खाद्य मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय समय-समय पर देश में चीनी उत्पादन के साथ-साथ एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग की समीक्षा करेंगे, ताकि घरेलू खपत के लिए चीनी की साल भर उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

गे, लेस्बियन और ट्रांसजेंडर भी खोल सकेंगे संयुक्त खाता

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा कि एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों के लिए संयुक्त बैंक खाता खोलने और समलैंगिक रिश्ते में रहने वाले व्यक्ति को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में परामर्श जारी कर कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि समलैंगिक समुदाय के व्यक्तियों के लिए संयुक्त बैंक खाता खोलने तथा समलैंगिक संबंध वाले किसी व्यक्ति को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मंत्रालय की ओर से लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर समुदाय (एलजीबीटी) के लिए यह सलाह 17 अक्टूबर, 2023 को दिए गए उच्चतम न्यायालय के एक आदेश के मद्देनजर जारी की गई है। वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 21 अगस्त, 2024 को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को इस संबंध में स्पष्टीकरण भी जारी किया गया है। आरबीआई ने 2015 में बैंकों को निर्देश दिया था कि वे अपने सभी फॉर्मों और आवेदनों में एक अलग कॉलम शामिल करें, ताकि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को बैंक खाते खोलने और संबंधित सेवाओं का लाभ उठाने में मदद मिल सके। साल 2015 के आदेश के बाद कई बैंकों ने ट्रांसजेंडरों के लिए सेवाएं शुरू की हैं। ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने 2022 में विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए रेनबो सेविंग्स अकाउंट शुरू किया। इसमें उच्च बचत दरों और उन्नत डेबिट कार्ड सुविधाओं सहित कई सुविधाएं प्रदान की गई थीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तल्ख रिश्तों...

जिससे मतभेदों को कम किया जा सके और हर मुद्दे पर जल्द समाधान मिले। अब इस पूरे बयान में एक सबसे अहम पहलू मतभेदों को न्यूनतम करना रहा है। इससे पहले किसी भी बातचीत के दौरान इस लाइन का इस्तेमाल तक नहीं हुआ, लेकिन अब जब पीएम मोदी और शी जिनपिंग की ब्रिक्स समिट में मुलाकात हो सकती है, उसे देखते हुए यह तेजी दिखाई जा रही है।

एक बड़ी बात यह भी है कि अभी तक वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन ऑन इंडिया-चाइना बॉर्डर (डब्लूएमसीसी) के तहत जो मुलाकातें हो रही थीं, उनमें कमांडर लेवल के अफसर शामिल हो रहे थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ और मिलिट्री के बजाय कूटनीतिक रास्तों के जरिए समाधान निकालने की कवायद दिखी। ऐसा इसलिए भी करना पड़ा है क्योंकि कुछ ऐसे विवादित मुद्दे बने हुए हैं जहां पर भारत और चीन के बीच में अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। इसमें डेपसांग मैदान, डेमचोक और गोगरा हॉट स्प्रिंग्स शामिल हैं। अब अगर इन सभी मुद्दों पर कायम विवाद समाप्त हुआ तो एक बार फिर भारत और चीन के रिश्ते सामान्य हो सकते हैं। लेकिन भारत का रुख साफ है कि वह शांति जरूर चाहता है, लेकिन अपने हित के साथ कोई समझौता नहीं करने वाला है, ऐसे में इस कूटनीतिक समाधान का रास्ता कुछ लंबा रह सकता है।

एससीओ समिट के...

यह न्यौता पाकिस्तान में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भेजा गया है। अक्टूबर के महीने में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन होना है। इसकी बैठक में शामिल होने के लिए ही पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी को न्यौता भेजा है। पीएम मोदी के अलावा एससीओ के अन्य सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भी शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा गया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने इस मामले में जानकारी दी है। मुमताज बलूच ने कहा है कि 15-16 अक्टूबर को होने वाली बैठक में भाग लेने के सदस्य देशों के प्रमुखों को आमंत्रण भेजा गया है। इनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। भारत सरकार की तरफ से इस न्यौते पर अभी कोई बयान नहीं दिया गया है। भारत के साथ पाकिस्तान के रिश्तों को लेकर पाकिस्तान का भारत के साथ सीधा कोई द्विपक्षीय व्यापार संबंध नहीं है। गौरतलब है कि इस्लामाबाद में होने वाले समिट से पहले सदस्य देशों के मंत्रियों की भी अहम बैठकें होंगी। एससीओ सम्मेलन में सभी सदस्य देशों के बीच वित्तीय, सामाजिक-सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग पर बातचीत की संभावना है। ध्यान देने वाली बात यह है कि एस-सीओ में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। पिछले साल भारत ने एससीओ संगठन के शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की थी, जिसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए थे। ऐसे में यह देखना अहम होगा कि क्या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान जाते हैं या नहीं।

पाकिस्तान के...

यदि वह भारत के साथ वाकई बातचीत करना चाहता है और रिश्ते ठीक करना चाहता है। जयशंकर ने कहा, हर एक्शन का रिएक्शन होता है। हमने अतीत में पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए कई प्रयास किए, लेकिन आतंकवाद के मुद्दे पर उनकी दोहरी नीति के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान समझे कि बातचीत के लिए उसे आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करना होगा।

बांग्लादेश के मसले पर जयशंकर ने कहा, यह स्वाभाविक है कि हम मौजूदा सरकार से बात करेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि राजनीतिक बदलाव हुए हैं और वे खतरनाक हो सकते हैं। जाहिर है, यहां हमें एक दूसरे के हितों की पारस्परिकता पर ध्यान देना होगा। मालदीव को लेकर विदेश मंत्री ने कहा, मालदीव के प्रति हमारे दृष्टिकोण में उतार-चढ़ाव आए हैं। यहां एक निश्चित स्थिरता की कमी है। यह एक ऐसा रिश्ता है, जिसमें हमने बहुत गहराई से निवेश किया है और मालदीव में यह मान्यता है कि यह संबंध एक स्थिर शक्ति है।

अफगानिस्तान पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, सामाजिक स्तर पर लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं। आज अपनी अफगान नीति की समीक्षा करने के बाद, हम अपने हितों के बारे में बहुत स्पष्ट हैं। हम अपने सामने मौजूद विरासत में मिली बुद्धिमत्ता से भ्रमित नहीं हैं। हमें यह समझना चाहिए कि अमेरिका की उपस्थिति वाला अफगानिस्तान, अमेरिका की उपस्थिति के बिना वाले अफगानिस्तान से बहुत अलग है।

शिवाजी की प्रतिमा...

देशभक्तों की भावनाओं को कुचलते रहते हैं। वे लोग वीर सावरकर को अपशब्द कहने के बाद भी माफी मांगने को तैयार नहीं हैं। उनको पाश्चाताप नहीं होता है। महाराष्ट्र की जनता उनके कुसंस्कारों को अब जान गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, महाराष्ट्र के पास विकास के लिए सामर्थ्य भी है और जरूरी संसाधन भी हैं। यहां समुद्र के तट भी हैं और इन तटों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार का सदियों पुराना इतिहास भी है। यहां भविष्य की अपार संभावनाएं भी हैं। इन अवसरों का पूरा लाभ महाराष्ट्र और देश को मिले, इसके लिए आज वाढवण बंदरगाह की नींव रखी गई है। यह देश का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह होगा। ये देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे गहरे बदरगाहों में से एक महत्वपूर्ण बंदरगाह होगा। हमारी सरकार ने दो-तीन दिन पहले ही दिघी बंदरगाह औद्योगिक क्षेत्र के विकास को भी मंजूरी दे दी है। यानि, ये महाराष्ट्र के लोगों के लिए दोहरी खुशखबरी है। ये छत्रपति शिवाजी के सपनों का भी प्रतीक बनेगा।

प्रतिमा ढहने के...

उन्होंने राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से भारतीय नौसेना को मंच का डिजाइन सौंपा था, लेकिन मूर्ति से उनका कोई लेना-देना नहीं है। चेतन ने कहा कि ठाणे स्थित एक कंपनी ने मूर्ति का काम किया। मुझे केवल उस मंच पर काम करने के लिए कहा गया था, जिस पर मूर्ति खड़ी की जा रही थी।

तटीय कोंकण के मालवन में सत्रहवीं सदी के मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज की मूर्ति का अनावरण पिछले साल नौसेना दिवस यानी 4 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसके महज आठ महीने बाद ही 26 अगस्त की दोपहर को यह गिर गई थी। इस घटना को लेकर विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने महाराष्ट्र सरकार की तीखी आलोचना की है। वे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

इससे पहले उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस घटना के लिए राज्य के लोगों से माफी मांगी और दोषियों को दंडित करने की प्रतिबद्धता जताई। वहीं, सीएम शिंदे ने कहा था कि प्रतिमा का डिजाइन और निर्माण भारतीय नौसेना ने किया था। इसके बाद मूर्ति गिरने के कारणों की जांच और नई प्रतिमा के निर्माण के लिए एक तकनीकी समिति गठित कर दी गई थी। समिति में इंजीनियर्स, आईआईटी विशेषज्ञ और नौसेना के अधिकारी शामिल हैं।

इससे पहले भारतीय नौसेना ने गुरुवार को बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि उसने इस सप्ताह महाराष्ट्र के मालवण में ढही शिवाजी की प्रतिमा स्थापित करने की परियोजना की संकल्पना की थी। उसने राज्य सरकार के साथ समन्वय में इसे कार्यान्वित किया था। राज्य सरकार ने इसके लिए बजट भी उपलब्ध कराया था। वह प्रतिमा की मरम्मत करने और जल्द से जल्द उसे फिर से स्थापित करने के लिए सभी कदमों में सहायता करने को प्रतिबद्ध है।

भाजपा में शामिल...

अपने इस्तीफे पर चंपई सोरेन ने कहा था कि उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से त्याग पत्र दे दिया है। झारखंड के आदिवासियों, मूल निवासियों, दलितों, पिछड़ों और आम लोगों के मुद्दों को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

चंपई ने 1974 में जमशेदपुर स्थित राम कृष्ण मिशन हाई स्कूल से 10वीं की पढ़ाई की थी। जब बिहार से अलग झारखंड राज्य की मांग उठ रही तो उस दौरान चंपई का नाम खूब चर्चा में रहा। कोल्हान के टाइगर के नाम से मशहूर चंपई इस आंदोलन के लिए समर्थन जुटाने में अहम भूमिका निभाते थे। उनकी सक्रियता में 1990 के दशक में जमशेदपुर में टाटा स्टील फैक्ट्री के गेट पर एक चर्चित आंदोलन शामिल है। शिबू सोरेन के साथ ही चंपई ने भी झारखंड के आंदोलन में भाग लिया। इसके बाद ही लोग उन्हें झारखंड टाइगर के नाम से भी बुलाने लगे। चंपई संयुक्त बिहार में 1991 में उपचुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने थे। केसी मार्डी के इस्तीफे के बाद चंपई ने बतौर निर्दलीय चुनाव जीता था। फिर 1995 में झामुमो के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने थे। 2005 में चंपई झारखंड विधानसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद 2009 में भी विधायक बने। उन्होंने अर्जुन मुंडा वाली सरकार में सितंबर 2010 से जनवरी 2013 तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी, श्रम और आवास मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। वहीं जुलाई 2013 से दिसंबर 2014 तक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, परिवहन कैबिनेट मंत्री थे।2014 में फिर झारखंड विधानसभा के लिए चुने गए। वहीं 2019 में भी विधायक बने। इसके साथ ही वह हेमंत सरकार में परिवहन, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री बन गए। 2019 में चंपई ने अपनी संपत्ति 2.55 करोड़ बताई थी। 31 जनवरी 2024 को भूमि घोटाले के आरोपों के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी से ऐन पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया। इसके बाद 2 फरवरी को सोरेन सरकार में परिवहन मंत्री रहे चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री पद मिल गया। वह हेमंत सोरेन के सबसे खास लोगों में माने जाते रहे हैं। चंपई ने शिबू सोरेन के साथ लंबे समय तक काम किया है।

इसी साल जुलाई झारखंड में एक बार फिर नेतृत्व परिवर्तन हुआ। अदालत से जमानत मिलने के बाद सोरेन को 28 जून को जेल से रिहा कर दिया गया। चंपई सोरेन ने 3 जुलाई को झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। अगले दिन यानी 4 जुलाई को हेमंत सोरेन तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बन गए। नई सरकार में चंपई को कैबिनेट मंत्री के रूप में जल संसाधन, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा जैसे विभागों की जिम्मेदारी मिली।

हमारी हुकूमत आई ...

बीच मैराथन बैठक के बाद 83 सीटों पर सहमति बनी। इसमें 51 सीटों पर नेकां और 32 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। पांच सीटों पर सहमति नहीं बनने के कारण यहां दोस्ताना मुकाबला होगा। जबकि एक सीट माकपा और एक सीट पैंथर्स पार्टी को दी गई है।

इस कानून के अनुसार, सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर किसी भी व्यक्ति को दो साल तक बिना मुकदमा गिरफ्तार किया जा सकता है या फिर उसकी नजरबंदी की जा सकती है। कश्मीर के नेताओं के लिए सिरदर्द बन रहा यह कानून फारूक अब्दुल्ला के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला ने बनाया था। इस कानून को लकड़ी के तस्करों से निपटने के लिए लागू किया गया था। जन सुरक्षा कानून 1970 के दशक में जम्मू-कश्मीर में लकड़ी की तस्करी एक बड़ी समस्या बनती जा रही थी। कड़ा कानून नहीं होने की वजह से अपराधी आसानी से छूट जाते थे।

इसके समाधान के लिए शेख अब्दुल्ला इस कानून को लेकर आए।

कश्मीर में 1990 के दौरान उग्रवाद चरम पर पहुंच गया था। इसे रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए यह कानून एक अहम हथियार बना। इसी दौरान तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद ने प्रदेश में विवादास्पद सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम को लागू किया।

इसके बाद पीएसए के तहत कई लोगों को पकड़ने का भी काम किया गया। हाल के समय में इस कानून का इस्तेमाल आतंकियों, अलगाववादियों और पत्थरबाजों के खिलाफ किया जाता रहा है।

2016 में आतंकी बुरहान वानी की हत्या के बाद कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों के दौरान पीएसए के तहत 550 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था।

महबूबा ने...

सरकार ने इसके सभी संस्थानों और संपत्तियों को फ्रीज और जब्त कर लिया है। उन्हें वापस करना चाहिए।

महबूबा मुफ्ती ने जमात-ए-इस्लामी के बारे में उमर अब्दुल्ला की टिप्पणियों पर जवाब देते हुए कहा कि यह एक खेदजनक बयान है। नेशनल कॉन्फ्रेंस का कहना है कि सत्ता मिलने पर चुनाव हलाल हो जाते हैं और सत्ता खोने पर हराम हो जाते हैं।

अस्पतालों में महिला ...

बाथरूम अटैच नहीं था।

कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से पूरे देश में गुस्सा और नाराजगी का माहौल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वह घटना से निराश और भयभीत हैं। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए राष्ट्रपति ने महिला अपराधों पर रोक का आह्वान किया और कहा कि अब बहुत हो गया, अब समय आ गया है कि भारत महिलाओं के खिलाफ अपराधों की विकृति के प्रति जाग जाए और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम, कम बुद्धिमान के रूप में देखती है।

मंदिरों को आर्थिक...

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में जबरन धर्मांतरण नहीं होना चाहिए।

सीएम नायडू ने घोषणा की कि श्रीवाणी ट्रस्ट के तहत प्रत्येक मंदिर को 10 लाख रुपए दिए जाएंगे। यदि आवश्यक हुआ तो उन कार्यों की समीक्षा पूरी होने के बाद और अधिक धनराशि प्रदान की जाएगी। अधिकारियों से कहा गया कि वे उन मंदिरों के लिए प्रस्ताव भेजें, जहां 10 लाख रुपए से अधिक की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने श्रीवाणी ट्रस्ट फंड के लिए जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया और अधिकारियों को मंदिरों और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने सभी मंदिरों के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली लागू करने को कहा। धर्मस्व विभाग के अधिकारियों को कृष्णा और गोदावरी नदी को पुनर्जीवित करने का भी निर्देश दिया। हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों के साथ मंगलवार (27 अगस्त 2024) को बैठक के दौरान सीएम नायडू ने राज्य के हर मंदिर में आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि मंदिरों और उनके आसपास के इलाकों को पूरी तरह से साफ-सुथरा रखा जाना चाहिए, ताकि वहां आध्यात्मिक माहौल बना रहे।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग, हिंदू धर्मार्थ विभाग और वन विभाग के अधिकारियों की एक समिति के गठन की भी घोषणा की। यह समिति मंदिरों, विशेष रूप से वन क्षेत्रों में स्थित मंदिरों के विकास की देखरेख करेगी। समिति इन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित रखते हुए इसे अधिक से अधिक पर्यटकों के लिए सुलभ बनाएगी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, आंध्र प्रदेश के हर मंदिर में आध्यात्मिकता प्रस्फुटित होनी चाहिए। आध्यात्मिक कार्यक्रम इस तरह से आयोजित किए जाने चाहिए कि श्रद्धालु मंदिर में वापस आएँ और उन्हें ये ना लगे कि उनसे पैसे ऐंठे जा रहे हैं। यह भी जरूरी है कि मंदिर और उनके आसपास के इलाकों को बेहद साफ-सुथरा रखा जाए।

बैठक के दौरान नायडू ने पिछले वाई एस जगन मोहन रेड्डी प्रशासन के दौरान हिंदू मंदिरों पर हमलों की घटनाओं की कड़ी निंदा की, जिसमें मंदिर के रथ को जलाना भी शामिल है।

उन्होंने ऐसे अपराधों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि आंध्र प्रदेश में जबरन धर्म परिवर्तन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

फेरबदल वाला रहेगा सितंबर का महीना, 3 ग्रहों में होगा बदलाव

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक ग्रह निरंतर अपनी राशि में परिवर्तन करते हैं। एक विशेष अवधि और चाल के अनुसार ये ग्रह एक राशि से दूसरी राशि में जाते हैं। इन ग्रहों की हलचल से ही सभी राशियां प्रभावित होती हैं। इसी कड़ी में सितंबर माह में 3 ग्रह अपनी राशि बदलेंगे। इन ग्रहों में बुध, सूर्य और शुक्र ग्रह शामिल हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि सितंबर माह की शुरुआत बुद्धि और वाणी के ग्रह बुध से होगी। बुध 4 सितंबर से कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। फिर इसके बाद ग्रहों के राजा सूर्य 16 सितंबर से कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के राशि परिवर्तन करने से कन्या राशि में सूर्य और शुक्र की युति बनेगी। 16 सितंबर के बाद 18 सितंबर को सुख, वैभव और भोगविलास का कारक शुक्र तुला राशि में प्रवेश कर जाएंगे। बुध फिर 23 सितबर को सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इस तरह के सितंबर माह में ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों को विशेष लाभ मिल सकता है।

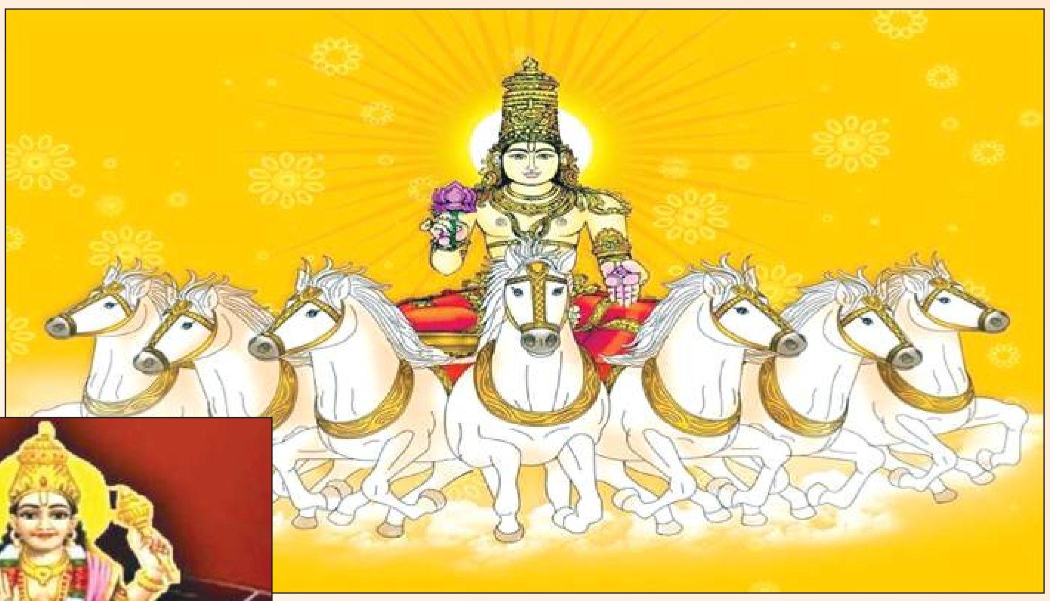

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल का असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। ज्योतिष के नजरिए से भी ये माह बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस माह में 3 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योतिष के सिद्धांत के अनुसार मनुष्य के जीवन में जो भी घटनाएं घटित होती हैं। उनका कारण ग्रहीय दशा, गोचर, उनकी चाल है। सौरमंडल में बैठे ग्रह ही यह निर्धारित करते हैं कि आने वाला समय कैसा होगा और मनुष्य जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बुध का सिंह राशि में गोचर

बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार कहा गया है। यह सूर्य के सबसे नजदीक रहने वाले ग्रह हैं। सितंबर के महीने में ग्रहों के राजुकमार 04 सितंबर को सिंह राशि में गोचर करेंगे। बुध देव 23 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, तुला, , वृश्चिक और मकर

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, धनु, कुंभ और मीन

सूर्य का कन्या राशि में गोचर

सूर्य हर माह अपनी राशि बदलते हैं, जिसको सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। ग्रहों के राजा सूर्य 16 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। इसके साथ ही 26 सितंबर को हस्त नक्षत्र और 10 अक्टूबर को चित्रा नक्षत्र में चले जाएंगे। 17 अक्तूबर को तुला राशि में गोचर करेंगे।

शुभ - वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला और कुंभ

अशुभ - मेष, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

शुक्र का तुला राशि में गोचर

सुख, भोग-विलास के कारक ग्रह शुक्र 18 सितंबर को कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में गोचर कर जाएंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन से कुछ राशि के जातक को बहुत ही लाभ मिलेगा।

शुभ - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मकर

अशुभ - कर्क, सिंह, वृश्चिक, कुंभ और मीन

मंगल का नक्षत्र परिवर्तन

मंगल देव 06 सितंबर को सुबह 09:09 मिनट पर आर्द्रा नक्षत्र में चले जाएंगे। वहीं 20 अक्तूबर को मंगल कर्क राशि में गोचर करेंगे।

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है।

शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं।

हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

शनि की महादशा, साढ़ेसाती और ढैय्या में क्या है अंतर?

जान लें बचाव के उपाय

जब भी कभी किसी व्यक्ति के जीवन में मुश्किलें बढ़ने लगती हैं, तो यह माना जाता है कि शनि देव उसे पीड़ा दे रहे हैं। ज्योतिष शास्त्र में शनि की ढैय्या, साढ़ेसाती और महादशा का वर्णन मिलता है। साथ ही ज्योतिष शास्त्र में इनके प्रभाव को कम करने के लिए कई उपाय भी बताए गए हैं। तो चलिए जानते हैं कि इन तीनों के बीच क्या अंतर है।

शनि की महादशा -

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि की महादशा 19 साल तक चलती है। ऐसा माना जाता है कि हर व्यक्ति के जीवन में एक बार शनि की महादशा जरूर आती है। इस दौरान यदि कोई व्यक्ति अच्छे कर्म नहीं करता है, तो उसको धन की हानि झेलनी पड़ सकती है। इसलिए व्यक्ति को शनि की महादशा के प्रभाव को कम करने के लिए इस दौरान अच्छे कर्म करें और किसी के साथ छल-कपट और द्वेष की भावना न रखें। इसी के साथ जरुरतमंद लोगों में दान आदि करना और हनुमान चालीसा का पाठ करना भी एक बेहतर उपाय माना जाता है।

शनि की साढ़ेसाती

शनिदेव जब किसी राशि में गोचर करते हैं, तो उस राशि के साथ-साथ उसके अगली और पिछली राशि पर भी शनि का साढ़ेसाती शुरू हो जाती है। शनि की साढ़ेसाती 07.05 साल तक चलती है। साढ़ेसाती को तीन चरणों में बांटा गया है होता है, जो ढाई-ढाई के होते हैं।

साढ़ेसाती को लेकर कहा जाता है कि यह हर व्यक्ति के जीवन में 2 बार आती है। इसमें व्यक्ति को करियर से लेकर लव लाइफ तक में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शनि की साढ़े साती के प्रभाव से बचाव के लिए शनिवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद जल में काले तिल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें। इसी के साथ तेल, नमक, लोहा, अनाज और बर्तन आदि का दान करने से भी आपको लाभ प्राप्त हो सकता है

शनि की ढैय्या -

जब शनि देव गोचर करके चंद्र राशि से चौथे या आठवें भाव में होते हैं, तब व्यक्ति पर शनि ढैय्या शुरू हो जाती है। ज्योतिष शास्त्र की मानें, तो शनि की ढैय्या का समय ढाई साल का होता है। इसके कारण व्यक्ति को आर्थिक से लेकर शारीरिक समस्याओं तक का सामना करना पड़ सकता है। इसके अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए व्यक्ति को अच्छे कर्म करने चाहिए। शनिवार का व्रत रखें साथ ही हनुमान जी की पूजा करें। इससे आप शनि के अशुभ प्रभावों से बचे रहेंगे।

राधा अष्टमी पर प्रीति योग समेत बन रहे हैं कई मंगलकारी संयोग

हर वर्ष भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर राधा अष्टमी मनाई जाती है। यह पर्व श्रीजी यानी राधा महारानी को समर्पित है। इस शुभ अवसर पर राधा रानी संग भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही साधक मनचाहा वर पाने के लिए राधा रानी के निमित्त व्रत रखते हैं। धार्मिक मत है कि राधा रानी संग भगवान कृष्ण की पूजा करने से साधक की सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ज्योतिषियों की मानें तो राधा अष्टमी पर कई मंगलकारी शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान कृष्ण संग राधा रानी की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी।

राधा अष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 10 सितंबर को रात 11 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगी और 11 सितंबर को रात 11 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना की जाती है। अतः 11 सितंबर को राधा अष्टमी मनाई जाएगी।

राधा अष्टमी शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो राधा अष्टमी पर प्रीति योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का समापन रात 11 बजकर 55 मिनट पर होगा। इसके बाद आयुष्मान योग का संयोग बन रहा है। इस शुभ अवसर पर रवि योग का निर्माण रात 09 बजकर 22 मिनट से हो रहा है। वहीं, समापन सुबह 06 बजकर 05 मिनट पर होगा। इसके अलावा, राधा अष्टमी पर भद्रावास योग का संयोग बन रहा है। इस योग का समापन सुबह 11 बजकर 35 मिनट तक है। इस योग में राधा रानी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 06 बजकर 04 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 31 मिनट पर

चन्द्रोदय- दोपहर 01 बजकर 20 मिनट पर

चंद्रास्त- रात 11 बजकर 26 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 32 मिनट से 05 बजकर 18 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 22 मिनट से 03 बजकर 12 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 31 मिनट से 06 बजकर 54 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 54 मिनट से 12 बजकर 41 मिनट तक

भादों का पहला शनि प्रदोष व्रत आज

त्रयोदशी तिथि भगवान शिव की पूजा के लिए समर्पित है। इस तिथि के दिन पड़ने वाले व्रत को प्रदोष व्रत कहते हैं। हर महीने दो बार प्रदोष की तिथि पड़ती है। उस दिन प्रदोष काल यानी सूर्यास्त से 45 मिनट पहले से लेकर सूर्यास्त के 45 मिनट बाद तक के समय में इस व्रत की पूजा की जाती है।

इंदौर के ज्योतिषाचार्य पंडित गिरीश व्यास ने बताया कि भाद्रपद माह में आने वाले पहले प्रदोष व्रत के दिन वरीयान योग है। इस दिन गर और वणिज करण के साथ ही पुष्य और अश्लेषा नक्षत्र रहेगा। इस व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। मान्यता है कि प्रदोष का व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

भाद्रपद का पहला प्रदोष

भाद्रपद का पहला प्रदोष व्रत शनिवार 31 अगस्त के दिन है। शनिवार के दिन इस व्रत के होने की वजह से इसे शनि प्रदोष व्रत कहा जाएगा। त्रयोदशी तिथि 30 अगस्त की रात 2.28 मिनट पर शुरू होगी और 31 अगस्त को रात 3.43 मिनट पर समाप्त होगी।

इसलिए 31 अगस्त को ही शनि-प्रदोष व्रत रखना उचित होगा। भादों का दूसरा प्रदोष व्रत 15 सितंबर को पड़ेगा। उस दिन रविवार होने की वजह से उसे रवि-प्रदोष व्रत कहा जाएगा।

प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

शनिवार को सूर्यास्त 6.43 बजे होगा। इसलिए शाम 5.58 बजे से 7.28 मिनट तक प्रदोष पूजा का उचित समय रहेगा। इस दौरान प्रदोष व्रत की पूजा करने सर्वोत्तम फलदायी रहेगा।

ऐसे करें प्रदोष व्रत की पूजा

सुबह नित्यकर्म करने के बाद भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करें।

भोलेनाथ का जल से अभिषेक करें और उन्हें बेल पत्र आदि समर्पित करें।

वस्त्र, फूल आदि भगवान को अर्पित करने के बाद घी का दीपक जलाएं।

पूरे दिन भगवान शिव का ध्यान करते हुए बिताएं। छल-कपट न न करें।

शाम को प्रदोष काल में भगवान शिव की फिर पूजा करें, अभिषेक करें।

घी का दीपक लगाकर शनि-प्रदोष की व्रत कथा को पढ़ें और सुनें।

भगवान के हलवा या खीर का भोग लगाकर अपनी मनोकामना कहें।

शुभ योगों में दो सितंबर को कुशाग्रहणी सोमवती अमावस्या पर कालसर्प योग निवारण का ऐसे करें उपाय

सनातन धर्म में अमावस्या और तिथि का महत्वपूर्ण स्थान है। इस बार भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या दो सितंबर को सिद्ध व शिव योग में मनाई जाएगी। मान्यता है कि इस दिन स्नान, दान और श्राद्ध करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है। भाद्रपद अमावस्या के दिन कुश (घास) एकत्र करने की परंपरा भी है। इसी के कारण इसे कुशा ग्रहणी अमावस्या कहते हैं।

स्नान दान व पितृकर्म के लिए भी श्रद्धालुओं का तांता लगेगा

सोमवार को पड़ने वाली सोमवती अमावस्या भी कहलाती है। इसे धार्मिक दृष्टिकोण से विशेष माना जाता है। भादों की कुशाग्रहणी सोमवती अमावस्या पर जिनकी कुंडली में काल सर्प दोष है, वे इसके दुष्प्रभावों को कम करने के लिए कुछ खास उपाय करेंगे। नर्मदा तट पर स्नान दान व पितृकर्म के लिए भी श्रद्धालुओं का तांता लगेगा।

उदयातिथि से दो सितम्बर को

जबलपुर के ज्योतिषाचार्य जनार्दन शुक्ला के अनुसार, भाद्रपद माह की अमावस्या का आरंभ दो सितंबर, सोमवार को सुबह पांच बजकर, 21 मिनट पर होगा। इसका समापन अगले दिन तीन सितंबर को सुबह सात बजकर 24 मिनट पर होगा। इसलिए उदयातिथि के अनुसार भाद्रपद माह की कुशाग्रहणी अमावस्या दो सितंबर को मनाई जाएगी।

अति अशुभ है कालसर्प दोष

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर किसी जातक की कुंडली में काल सर्प दोष होता है, तो उसके जीवन में कोई न कोई समस्या बनी रहती है। इसे अति अशुभ दोषों में से एक माना जाता है। कुंडली में जब राहु और केतु एक घर में प्रवेश कर जाएं और उनके एकदम बीच में अन्य ग्रह बैठे हों, तो कालसर्प दोष बनता है। काल सर्प दोष से निजात पाने के लिए भाद्रपद अमावस्या के दिन इस दिन शिव जी और नाग देवता की पूजा करने का विधान है। कुछ खास उपाय भी अपनाए जाते हैं।

कई गुना अधिक फल

ज्योतिषाचार्यो के अनुसार इस साल भाद्रपद कुशाग्रहणी अमावस्या दो शुभ योगों में पड़ेगी। इस दिन शिव योग और सिद्ध योग बन रहे हैं। इस दिन सुबह सूर्योदय से लेकर शाम के 6 बजकर 20 मिनट तक शिव योग रहेगा। इसके बाद सिद्ध योग रहेगा। शिव योग को लेकर मान्यता है कि इस योग में पूजा-पाठ करने से देवी- देवताओं की विशेष कृपा प्राप्ति होती है। इस योग में पितरों का विधि विधान के साथ श्राद्ध और तर्पण करने से पितृ दोष से भी छुटकारा मिलता है। इन दोनों योग में पूजा करने से कई गुना अधिक फल की प्राप्ति होती है।

सोमवती अमावस्या पर कौन सी पूजा विधि है सबसे प्रभावशाली?

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का अपना एक खास महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, अमावस्या प्रत्येक महीने आती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत, पूजा-पाठ, स्नान और दान का विधान है। इसके अलावा इस दिन भगवान विष्णु की पूजा भी बहुत उत्तम मानी जाती है। इस बार भाद्रपद माह की अमावस्या 2 सितंबर 2024, दिन सोमवार को मनाई जाएगी, तो आइए इस दिन भगवान विष्णु की आसान पूजा विधि जानते हैं।

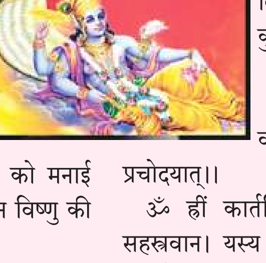

अमावस्या पर भगवान विष्णु की ऐसे करें पूजा

अमावस्या के दिन सुबह स्नान कर पीला वस्त्र धारण करें। श्री हरि के समक्ष व्रत का संकल्प लें। इसके बाद मंदिर को अच्छी तरह से साफ करें। फिर पूरे घर में गंगाजल छिड़कें। एक वेदी पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान का पंचामृत से अभिषेक करें। उन्हें पीले फूलों की माला अर्पित करें। हल्दी व गोपी चंदन का तिलक लगाएं। पंजीरी और पंचामृत का भोग लगाएं।

पूजा में तुलसी के पत्ते जरूर शामिल करें।

आरती से पूजा को समाप्त करें। पूजा में हुई गलतियों के लिए माफी मांगे। पूजा के बाद कुछ दान-पुण्य अवश्य करें।

पूजा मंत्र

ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात्।।

ॐ ह्रीं कार्तविर्यार्जुनो नाम राजा बाहु सहस्त्रवान। यस्य स्मरेण मात्रेण ह्रतं नष्टं च लभ्यते।।

सोमवती अमावस्या शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह की सोमवती अमावस्या तिथि सोमवार 02 सितंबर, 2024 को प्रात: 05 बजकर 21 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 03 सितंबर को प्रात: 07 बजकर 24 मिनट पर होगा। ऐसे में 02 सितंबर को सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी।

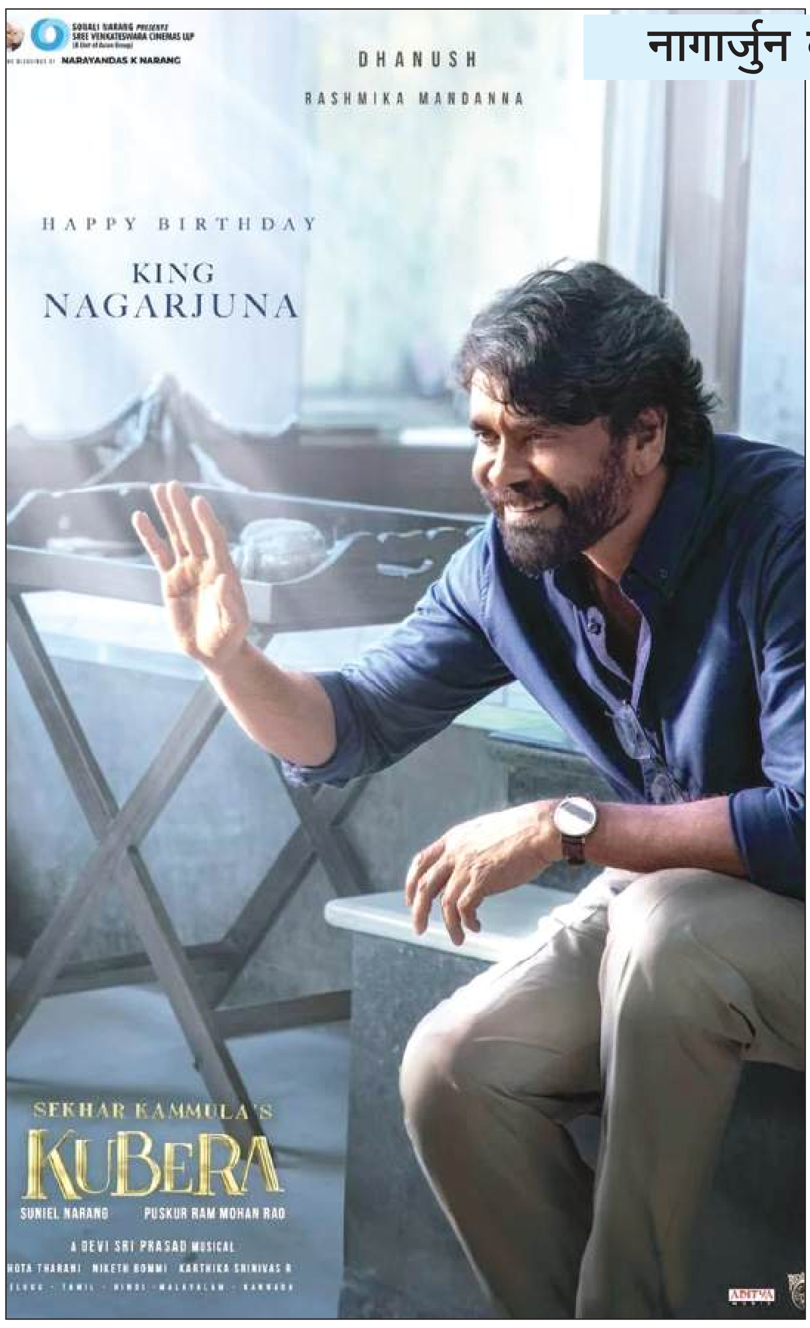

नागार्जुन का बर्थडे पर फैंस को तोहफा

खूबसूरत मुस्कान संग कुबेर से न्यू लुक पोस्टर रिलीज

साउथ किंग नागार्जुन ने 65 वां बर्थडे पर उन्होंने फैंस को शानदार गिफ्ट दिया है। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म कुबेर से नया पोस्टर रिलीज किया। जिसमें वे खूबसूरत मुस्कान बिखेरते हुए नजर आ रहे हैं। कुबेर के मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा- हम नागार्जुन सर का बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं जिनकी स्क्रीन पर प्रेजेंस सभी को मंत्रमुग्ध कर देती है। फिल्म कुबेर में साउथ एक्टर धनुष लीड रोल प्ले कर रहे हैं।पिछले महीने ही धनुष के बर्थडे पर मेकर्स ने उनका लुक पोस्टर रिलीज किया गया था। जिसमें धनुष का मासूम चेहरा दिखाया गया है। बदन पर फटा और गंदा कपड़ा, लंबी दाढ़ी-मूंछ में धनुष की मासूमियत और गरीबी साफ दिखाई दे रही हैं। इस पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक्टर फिल्म में एक गरीब इंसान का रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना का भी खास रोल है और उनका लुक भी मेकर्स ने पहले ही शेयर कर दिया है। जिसमें वे एक गड्ढे से पैसों से भरा बैग निकालते हुए दिखाई दे रही हैं।धनुष, नागार्जुन और रश्मिका स्टारर कुबेर दिसंबर 2024 में रिलीज होने जा रही है। कुबेर में धनुष, नागार्जुन और रश्मिका खास रोल में हैं वहीं शेखर कम्मुला ने इसे निर्देशित किया है। यह एक पैन इंडिया फिल्म है जिसे तमिल, तेलुगु और हिंदी में एक साथ शूट किया जा रहा है।नागार्जुन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे पिछली बार ना सामी रांगा में दिखे थे जो जनवरी 2024 में रिलीज हुई वहीं उनकी पिछली बॉलीवुड रिलीज ब्रह्मास्त्र थी जिसमें वे खास रोप में दिखे थे। अब वे धनुष की कुबेर में नजर आएंगे।

अनन्या पांडे की सीरीज कॉल मी बे का फर्स्ट ट्रैक वेख सोनिया रिलीज

अनन्या पांडे की मोस्ट अवेटेड सीरीज कॉल मी बे का ट्रेलर रिलीज होते ही फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई है। इसी बीच आज सीरीज का पहला गाना वेख सोनेया भी रिलीज कर दिया गया है। जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इसी बीच गाने को लेकर अनन्या ने अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से इस सॉन्ग के साथ उनके इमोशंस जुड़े हुए हैं।सीरीज के बारे में बात करते हुए अनन्या ने कहा- ट्रेलर रिलीज होने के बाद लोगों का प्यार और एक्साइटमेंट देखकर मैं बहुत खुश हूं। मैं अपने किरदार बेला और सीरीज के बारे में इससे बेहतर कुछ नहीं सोच सकती। जब मैंने पहली बार वेख सोनेयाळ सुना, मैं उससे जुड़ गई, इसने वाकई मेरा दिल जीत लिया और मेरी प्लेलिस्ट में बार-बार बजता रहा। ऐसा शानदार गाना बनाने के लिए म्यूजिक टीम को बहुत-बहुत बधाई, जिसने मेरे साथ ही काफी लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।सॉन्ग को आवाज देने वाले म्यूजिशियन चरण ने कहा, वेख सोहनेयाळ एक अलग ही एक्सपीरियंस देने वाला गाना है। हम एक ऐसा गाना बनाना चाहते थे जो सीरीज के इमोशंस को अच्छी तरह दर्शा सके। जो अनन्या के किरदार बॉम्बे की वाइब्स को दर्शाता हो। मैं इस ट्रैक के साथ कॉल मी बे की दुनिया में कदम रखने वाले दर्शकों के लिए काफी एक्साइटेड हूं।धर्मा एंटरटेनमेंट की नई रिलीज कॉल मी बे को करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा की तिकड़ी ने प्रोड्यूस किया है। इस सीरीज के आठ एपिसोड हैं जिसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा, मिनी माथुर जैसे कलाकार शामिल हैं। कॉल मी बे 6 सितंबर को भारत और 240 देशों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 तोड़ रही सभी रिकॉर्ड

यश की केजीएफ 2 का तोड़ा रिकॉर्ड

वर्ल्डवाइड 600 करोड़ पार हुई कमाई

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 को बॉक्स ऑफिस पर 13 दिन बीत चुके हैं और यह अपने बजट से भी कई सौ अधिक कमा चुकी है। यह फिल्म जहां कई रिकॉर्ड बना चुकी है, वहीं हर दिन कमाई के मामले में कोई न कोई बेंचमार्क स्थापित कर रही है। 14वें दिन तो स्त्री 2 ने कमाल कर दिया। स्त्री 2 ने केजीएफ 2 को पछाड़ दिया है। इसने केजीएफ 2 के हिंदी कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। स्त्री 2 ने 13 दिनों में 414.55 करोड़ रुपये कमाए। लेकिन 14वें दिन इसकी कमाई '7.02 प्रतिशत गिर गई। पर इसके बावजूद यह केजीएफ 2 से आगे निकलने में कामयाब रही है।अमर कौशिक के निर्देशन में बनी स्त्री 2 में इस बार अक्षय कुमार भी थे, और सरकटे के वंशज के रोल में उन्हें काफी पसंद किया गया। कहानी के साथ-साथ इसके ट्विस्ट और सरकटा ने दर्शकों को सीट से बांधे रखा। 50 करोड़ के बजट में बनी स्त्री 2 ने मेकर्स की झोली पैसों से भर दी है।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, स्त्री 2 ने 14वें दिन '7.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9.75 करोड़ रुपये कमाए हैं, जबकि 13वें दिन इसने 11.75 करोड़ कमाए थे। 14वें दिन इसकी कमाई काफी गिर गई।

हालांकि, इसके बावजूद इसने केजीएफ 2 के हिंदी के लाइफटाइम कलेक्शन को मात दे दी। केजीएफ 2 ने 435 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, और स्त्री 2 ने 14 दिन में ही 445 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इसके साथ ही स्त्री 2 अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली छठी हिंदी फिल्म बन गई है। साथ ही 14 दिन में इसने इंडिया में 507.25 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। वहीं, वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें, तो स्त्री 2 ने 600 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने 14 दिन में 606 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।28 अगस्त को स्त्री 2 का ओवरऑल ऑक्यूपेंसी 18.16 प्रतिशत रही। सुबह के शोज में यह 11.49 प्रतिशत, दोपहर के शोज में 18.01 प्रतिशत रही, जो रात के शोज तक बढ़कर 23.60 प्रतिशत हो गई। अभी स्त्री 2 के सामने 6 सितंबर से पहले कोई बड़ी फिल्म नहीं है, ऐसे में इसके बाद तगड़ी कमाई का और मौका है। 6 सितंबर को कंगना रनौत की इमरजेंसी से इसे टक्कर मिल सकती है।

फिल्म स्वयंभू के लिए घुड़सवारी व तीरंदाजी की ट्रेनिंग ले रहीं अभिनेत्री संयुक्ता मेनन

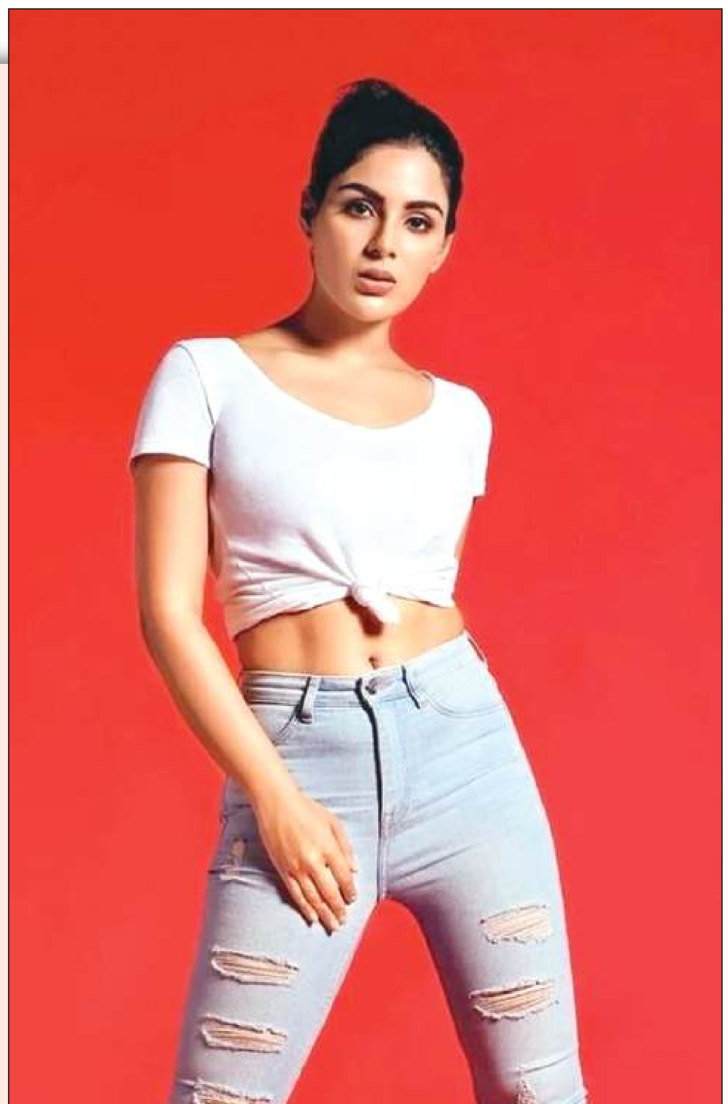

अभिनेत्री संयुक्ता अपनी आगामी फिल्म स्वयंभू के लिए निखिल सिद्धार्थ के साथ कड़ी मेहनत कर रही हैं। वह फिल्म के लिए घुड़सवारी, तीरंदाजी और पार्कौर का प्रशिक्षण ले रही हैं।हाल ही में, संयुक्ता ने इंस्टाग्राम पर घुड़सवारी सीखने की एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लीखा की यह अनुभव उनके लिए कितना आध्यात्मिक है।

उन्होंने लिखा, एक एक्टर के रूप में मैं दैनिक आधार पर अलग-अलग चीजों का अनुभव करने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। अपनी अगली फिल्म, स्वयंभू के लिए, मैं घुड़सवारी सीख रही हूं और मुझ पर विश्वास करें, यह एक आध्यात्मिक यात्रा रही है।घोड़े के साथ सामंजस्य और तालमेल में रहना, घोड़े की आत्मा में गहराई से देखना और यह सुनिश्चित करना कि हम एक टीम के रूप में एक साथ काम कर रहे हैं, सुंदर और आनंददायक है! मैंने प्रत्येक गिरावट को एक सीढ़ी के रूप में लिया, बाधा के रूप में नहीं।स्वयंभू एक ऐसे सम्राट की कहानी है, जिसने इतिहास में स्वर्ण युग की स्थापना की। इसका निर्देशन भरत कृष्णमाचारी और आदित्य बहुधानम ने किया है।

संयुक्ता, चरण तेज उप्पलापति द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी नजर आएंगी। यह चरण तेज के निर्देशन में पहली फिल्म होगी।इसमें काजोल, प्रभु देवा, नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन और जिशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम हैं। यह फिल्म एक प्रतिशोधी मिशन पर निकली महिला माया (काजोल) के बारे में एक रिवेंज ड्रामा है।वह जीतू जोसेफ द्वारा लिखित और निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म राम में भी नजर आएंगी। यह दो हिस्सों वाली फिल्म सीरीज की पहली सीरीज है। फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। रॉ एजेंट राम मोहन को एजेंसी द्वारा बेल नामक आतंकवादी समूह से निपटने के लिए बुलाया जाता है, जिसके पास भारत को नष्ट करने में सक्षम परमाणु हथियार हैं।संयुक्ता ने 2016 में मलयालम फिल्म पॉपकॉर्न से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्हें कल्कि, एडक्कड़ बटालियन 06, भीमला नायक, बिम्बिसार, गालीपता 2, वाथी और विरुपाक्ष जैसी फिल्मों में देखा गया।

रकुल प्रीत सिंह ने सिजलिंग येलो बॉडीकॉन ड्रेस पहन गिराई बिजली

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाए रहती हैं।उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो अक्सर इंटरनेट पर बवाल मच जाता है।हालांकि इन फोटोज में भी एक बार कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में येलो कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट दिखाई दे रही हैं।खुले बाल, हाई हील्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। आपको अपने रोमांस को नियंत्रित रखने की ज़रूरत है। नौकरी-पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज अपने जीवनसाथी का व्यहवार उतना अच्छा नहीं होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप जो शारीरिक बदलाव आज करेंगे, वे निश्चित तौर पर आपके रूप-रंग को आकर्षक बनाएगा। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। जेवर और ऐंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि ग़ुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको बड़ी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक़्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या खाली पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। लोग आपको अपने बढ़िया काम के लिए कार्यक्षेत्र में पहचानेंगे। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों को संयोजन कर सकते हैं। वक़्त की नज़ाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

घरेलू परेशानियां आपको तनाव दे सकती हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपको ऐसी परियोजनाएँ शुरू करनी चाहिए, जो पूरे परिवार के लिए समृद्धिलाएँ। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। लगता है कि आपके वरिष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने के मुश्किल आएगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहे। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी ऐतिहासिक इमारत के आस-पास सैर-सपाटे की योजना बनाएं। इससे बच्चों और परिवार के सदस्यों को ज़रूरी ताज़गी मिलेगी। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। कोई आपका बेजा फ़ायदा उठा सकता है और उसे ऐसा करने देने के लिए आप ख़ुद से ही नाराज़ हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

क़ुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज़ दिमाग़ से नवाज़ा है- इसलिए इनका भरपूर इस्तेमाल कीजिए। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फ़िज़ूलख़र्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपके परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़्याल रखते हैं। काम के दबाव के चलते मानसिक उथल-पुथल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ख़ुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक़्त ख़राब होता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 31 अगस्त 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 03:43 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 07:40 तक
योग : वरियान सायं 05:37 तक
करण : गर सायं 03:02 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शनि प्रदोष व्रत , गण्डमूल रात्रि 07:41 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजकुमार रोत को लेकर बोले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

समाज को तोड़ने की बात करने वालों से नाता नहीं

जयपुर,30 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल के भारतीय आदिवासी पार्टी के साथ गठबंधन की बात को सिरे से मना कर दिया है। राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है और प्रदेश प्रभारी ने भी सिर्फ अपनी बात रखी है। उन्होंने कहीं भी यह नहीं कहा कि भारतीय जनता पार्टी बाप के साथ गठबंधन करने जा रही है।

राठौड़ ने कहा कि राजकुमार रोत समाज को तोड़ने का काम कर रहे हैं, उनके बयान समाज में खाई खोदने का काम कर रहे हैं, जिसे हम कभी भुला नहीं सकते। उन्होंने कहा कि रही बात आदिवासी क्षेत्र के विकास की तो केंद्र सरकार सबके विकास को लेकर समर्पित है और सबका विकास करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, इसके लिए हमें किसी से गठबंधन करने की आवश्यकता नहीं है ।

यूपी में होने वाले चुनावों को लेकर भी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करके चुनाव नहीं लड़ेगी। मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में उपचुनावों के लिए सभी सीटों पर भाजपा अपने दम पर ही चुनाव लड़ेगी और बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करेगी।

अजमेर में ट्रेन यात्रियों का सामान चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

लाखों के जेवरात बरामद

अजमेर,30 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर की जीआरपी और आरपीएफ थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ट्रेनों में सोते हुए यात्रियों का सामान चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शातिर चोर के कब्जे से साढ़े 4 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण, 1200 रुपये की नकदी सहित एक रेडमी कंपनी का मोबाइल बरामद किया है। आरोपी को पुलिस ने अजमेर के सर्राफा बाजार में जेवरात बेचने की फिराक में घूम रहा था। इस दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को पकड़ लिया।

जीआरपी थानाधिकारी अनिल देव ने बताया कि 29 अगस्त 2024 को पाली निवासी बाबूलाल पुत्र रामाराम ने मुकदमा दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया सूर्य नगरी सुपरफास्ट ट्रेन से उसकी भाभी का पर्स चोरी हो गया। उसमें जेवरात और मोबाइल था। उन्होंने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदीप नाम का युवक शहर के सर्राफा बाजार में जेवरात बेचने की फिराक में है। टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए मकराना जिला डीडवाना कुचामन निवासी आरोपी मोहम्मद इमरान (32) पुत्र अब्दुल को गिरफ्तार किया।

आरोपी के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और मोबाइल बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने 6 वारदात की बात का भी खुलासा किया है। आरोपी अजमेर रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेनों में सोते हुए यात्रियों के सामान को चोरी करता था और मौके से फरार हो जाता था। शातिर आरोपी ने इस साल 5 से 6 चोरी की वारदात का खुलासा किया है, फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

पैर फिसलने से तालाब में गिरी छात्रा

बचाने के लिए पानी में कूद गईं तीन सहेलियां, चारों की मौत

चित्तौड़गढ़,30 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के डूंगला थाना क्षेत्र में आने वाले बिलोदा गांव में शुक्रवार दोपहर तालाब में डूबने से चार स्कूली छात्राओं की मौत हो गई। चारों बालिकाएं मीणा समाज की रिश्तेदार बताई जा रही हैं। स्कूल से घर जाने के दौरान एक बालिका का पैर फिसला और पानी में जा गिरी। उसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य भी एक के बाद एक तालाब में कूद गईं। हादसे की जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और चारों बालिकाओं को चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सकरिता मंत्री भी चिकित्सालय पहुंचे और घटना की जानकारी ली। डूंगला थाना पुलिस बालिकाओं के पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुटी हुई है। इस हादसे से बिलोदा गांव में शोक की लहर छा गई।

डूंगला थाना प्रभारी घेवरचंद ने बताया कि स्कूली छात्राओं के डूबने की घटना बिलोदा गांव में हुई। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली पांच छात्राएं छुट्टी होने के बाद घर लौट रही थीं। तालाब के पास से गुजरने के दौरान एक छात्रा का पैर फिसला और वह तालाब में जा गिरी और डूबने लगी। उसे बचाने के लिए तैरना न जानते हुए भी एक के बाद एक तीनों छात्राएं पानी में कूद गईं। चारों ही डूब गईं।

एक छात्रा धनु जो बाहर ही थी वह तत्काल दौड़ कर गांव पहुंची और ग्रामीणों को हादसे की सूचना दी। इस पर ग्रामीण तालाब पर दौड़ पड़े और बालिकाओं को तालाब से निकाला और डूंगला चिकित्सालय पहुंचाया। यहां चिकित्सक ने जांच के बाद चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतक बालिकाएं बिलोदा की रहने वाली होकर सभी एक ही परिवार की मीणा समाज की है।

डूबने से नर्मदा (13) पुत्री गणेश मीणा, रवीना (15) पुत्री श्यामलाल मीणा, यशोदा (12) पुत्री सत्तू मीणा व कोमल (14) पुत्री मोतीलाल मीणा की मौत हुई है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद बिलोदा गांव में हड़कंप मच गया। वहीं, डूंगला चिकित्सालय में ग्रामीणों और कस्बेवासियों की भारी भीड़ जमा हो गई। डूंगला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी ली। हादसे की जानकारी मिलने पर सहकारिता मंत्री गौतम दक डूंगला चिकित्सालय पहुंचे।

देवराज हत्याकांड के बाद उदयपुर में फिर चाकूबाजी

स्कूल के बाहर छात्रों के बीच चले चाकू, एक घायल

उदयपुर/राजस्थान,30 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर शहर में छात्र देवाराज चाकूबाजी हत्याकांड के बाद एक बार फिर स्कूली छात्रों के बीच चाकूबाजी का मामला सामने आया है। गुरुवार को प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक निजी स्कूल के बाहर चाकूबाजी की घटना हुई है। प्रतापनगर थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल में स्कूली छात्रों के बीच मामूली विवाद के बाद एक छात्र पर चाकू से हमला कर दिया। हालांकि छात्र ने चाकू पकड़ लिया, जिससे उसे गंभीर चोट नहीं आई है। स्कूल के बाहर हुई चाकूबाजी की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीन छात्रों को हिरासत में लिया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार एक छात्रा को फरार बताया जा रहा है। पुलिस अब परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर जांच में जुट गई है।

हरियाणा की गुटखा फैक्ट्री में हो रही थी खैर की तस्करी

वन विभाग ने पकड़ी चार टन लकड़ी

चित्तौड़गढ़,30 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के वन क्षेत्र से खैर की लकड़ी का अवैध तरीके से दिल्ली और आसपास के राज्यों में परिवहन जारी है। जिले में वन विभाग की टीम ने ऐसे ही एक मामले का खुलासा किया है। जिले में स्थित प्रसिद्ध सीतामाता सेंचुरी के निकटवर्ती क्षेत्र से खैर लकड़ी काट कर अवैध तरीके से परिवहन किया जा रहा था। वन विभाग की टीम ने करीब चार टन खैर की लकड़ी पकड़ी है। चालक मौके से भागने में सफल रहा, जिसे नामजद कर गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में खैर की यह लकड़ी हरियाणी की गुटखा फैक्ट्री में ले जाई जा रही थी।

चित्तौड़गढ़ जिले में वन विभाग निंबाहेड़ा के रेंजर राजेंद्र चौधरी ने बताया कि शुक्रवार को सूचना मिली कि एक ट्रक में खैर की अवैध लकड़ी भरी हुई है। यह ट्रक बांसी-बोहेड़ा मार्ग से होते हुवे डूंगला की और जा रहा है। इस पर उपवन संरक्षक (डीएफओ) विजय शंकर पांडे को सूचित कर टीम का गठन किया। रेंजर राजेंद्र चौधरी टीम डूंगला पहुंची और नाकाबंदी की। बांसी-बोहेडा मार्ग से आइसर ट्रक आता दिखा, जिसे रुकवाने का प्रयास किया। चालक ने ट्रक को नहीं रोका और भाग निकला।टीम ने पीछा किया तो आरोपी ट्रक को लावारिश छोड़कर मक्का के खेतों में भाग निकला। वन विभाग की टीम ने ट्रक की जांच की तो इसमें खैर की लकड़ी मिली। जांच की तो ट्रक का मालिक डूंगला निवासी कल्लू ख़ान के नाम निकला, जिसे नामजद कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह खैर की लकड़ी हरियाणा की गुटखा फैक्ट्री में जा रही थी। मौके पर क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेंद्र चौधरी, वनपाल मांगीलाल मीणा, वनरक्षक उदयलाल गुर्जर, होमगार्ड शौकत अली की टीम ने कार्यवाही की। टीम ने खैर की लकड़ी का वजन कराया तो चार टन निकला।

पहलवान विनेश फोगाट ने स्वर्ण मंदिर में टेका माथा

कहा-वाहेगुरु से मांगी शक्ति और हिम्मत

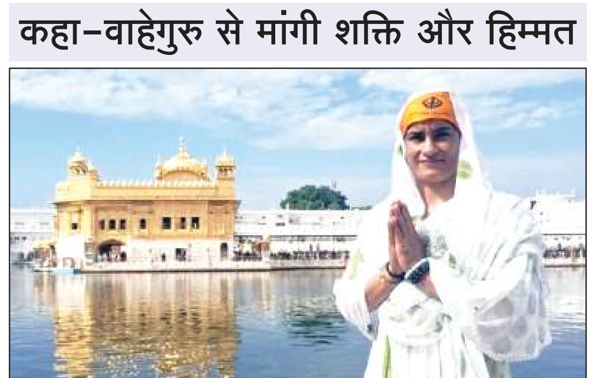

चंडीगढ़,30 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय महिला रेसलर विनेश फोगाट शुक्रवार को श्री हरमंदिर साहिब में अपने परिवार के सदस्यों के साथ माथा टेकने पहुंची। इस दौरान विनेश ने परिवार की सुख शांति और चढ़दी कला के लिए अरदास की। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से विनेश को श्री हरमंदिर साहिब के सूचना केंद्र में सम्मानित किया गया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, बहुत सकारात्मकता महसूस हो रही है। वाहेगुरु से मेरी यही प्रार्थना है कि मुझे शक्ति और हिम्मत दें। हमारे सभी प्रियजन स्वस्थ रहें, हमारा देश सुरक्षित रहे, तरक्की करता रहे, यही मैंने प्रार्थना की है... मैंने बाबा से आशीर्वाद मांगा है कि वे हमारा मार्गदर्शन करें और हम मानवता के लिए सही दिशा में काम करते रहें।

ग्रामीणों ने शराब का नया ठेका खोलने पर जताया विरोध

बोले- ठेका खुला तो भाजपा को चुनाव में नहीं देंगे वोट

हांसी,30 अगस्त (एजेंसियां)। हांसी के गांव ढाणी कुम्हारान में शुक्रवार को शराब ठेका खोले जाने के विरोध में ग्रामीणों ने सड़क पर जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने शराब ठेके के खोखे को पलटने का प्रयास किया। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण जिद पर अड़े रहे। विरोध करने वालों में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कई घंटे की मशक्कत के बाद सदर थाना से सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने ग्रामीणों से बात कर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया।

शराब का ठेका नहीं खोलने की मांगग्रामीण जय सिंह राजपाल सैनी रमेश सैनी, नवीन सैनी, महेंद्र डॉक्टर, विकास नंबरदार, किरण बाला व उर्मिला ने बताया कि गांव में पहले कभी शराब का ठेका नहीं खुला। इस बार पंचायत ने प्रस्ताव पास कर गांव में शराब का ठेका न खोलने के लिए उच्च अधिकारियों के पास पत्र भेजा हुआ है उसके बाद भी गांव में ठेका खोला गया । जिसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि चाहे हमारी जान चली जाए, लेकिन गांव में शराब का ठेका नहीं खुलने दिया जाएगा।

ग्रामीणों ने बताया कि जिस जगह ठेका खुला हैं, वहां गांव की पूरी आबादी हैं। साथ ही जिस जगह ठेका खोला गया है कुछ दूरी पर दो स्कूल भी है जहां पर बच्चे शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं ठेका खुलने पर बच्चों पर गलत असर पड़ेगा। महिलाओ ने कहा कि सुबह-शाम सैर करने के लिए आती हैं। शराब का ठेका खुलने से माहौल खराब होगा। वीरवार को ही ठेके के लिए खोखा लाकर रखा गया था, जिसमें कुछ लोग शराब भी बेच रहे थे। जैसे ही सूचना गांव के लोगों को मिली तो रोष फैल गया और ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया।

शराब ठेके को लेकर गांव में कई घंटे तक हंगामा हुआ। काफी देर तक ग्रामीणों ने महिलाओं के साथ मिलकर सड़क पर दोनों तरफ डेरा डालकर सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कहा कि अगर गांव में ठेका खोलने का प्रयास किया गया तो वह विधानसभा चुनाव में भाजपा का वोट की चोट से विरोध करेंगे। इसके बाद महिलाएं शराब ठेके के सामने बैठ गई।

मोहाना के पूर्व सरपंच को मारी गोली

सोनीपत,30 अगस्त (एजेंसियां)। सोनीपत के बाइक पर सवार होकर जा रहे गांव मोहाना के पूर्व सरपंच पर रास्ते में गोलियां बरसा दी। उन्हें चोर गोलियां लगी है। वारदात को मोहाना से जाजी वाले रास्ते पर बाइक पर सवार होकर आए तीन युवकों ने अंजाम दिया है। पूर्व सरपंच की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें रेफर कर दिया। परिजनों ने शहर के एक निजी अस्पताल में दाखिला करवाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल के बयान लेने के प्रयास कर रही है।

गांव मोहाना निवासी पूर्व सरपंच अनिल शुक्रवार दोपहर के समय बाइक पर सवार होकर मोहाना से जाजी वाले रास्ते पर अपने खेत में जा रहे थे। रास्ते में बाइक पर सवार होकर आए तीन युवकों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। अनिल को हाथ, पैर, पेट व कंधे में चार गोलियां लगी है।

यमुनानगर में बड़ा हादसा : 66 हजार केवी तार टूट कर घरों पर गिरी

यमुनानगर,30 अगस्त (एजेंसियां)। यमुनानगर की हरबंसपुरा कॉलोनी के जोगिंद्र नगर में आज 66 हजार केवी की हाइटेंशन तार अचानक टूट गई। तार टूट कर घरों की छतों पर गिर गई जिससे जोरदार धमाका हुआ। धमका इतना जोरदार था कि कई किलोमीटर दूर तक उसकी आवाज सुनाई दी। तार गिरने से घर में मौजूद एक महिला को करंट लग गया, जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि कुछ घरों में रखा फ्रिज, एलईडी, कूलर, बिजली के अन्य उपकरण भी जल गए। लोगों के घरों के बाहर लगे बिजली निगम के मीटर भी जल गए। गुस्साए लोगों ने बिजली निगम के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया।

जोगिंद्र नगर में लोग आज अपने-अपने कार्यों में व्यस्त थे। तभी जोरदार धमाका हुआ और घरों में करंट आ गया। दहशत के मारे लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने देखा कि घर की छतों व गली में 66 हजार केवी की तार टूटी पड़ी है। हाइटेंशन तार टूट कर घर की छत पर गिरने से मंजू के घर में आग लग गई। आग से उसके घर में रखा कूलर, फ्रिज, पंख, बिजली की फिटिंग समेत अन्य सामान जल गया। लोगों ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। काफी देर तक लोगों के घरों में करंट भी आता रहा। जिससे लोगों में डर का माहौल देखा गया। लोगों ने आरोप लगाया कि कॉलोनी में 66 हजार केवी हाइटेंशन तार के लोहे के पोल गलियों के बीचोबीच लगे हुए हैं। यह हाइटेंशन तारें कई दशक पुरानी हैं, जो अब जर्जर हो चुकी हैं। कई बार तार को बदलने के लिए बिजली निगम को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। कभी कभार अधिकारी आते हैं और तार देख कर चले जाते हैं। लोगों ने मांग की है कि बिजली निगम की लापरवाही से उनका जो नुकसान हुआ है उसका उन्हें मुआवजा दिया जाए।

करंट लगने से महिला झुलसी लोगों ने की नारेबाजी

डॉक्टर दुष्कर्म मामला : गिरिराज सिंह का कांग्रेस पर वार

बंगाल मामले पर राहुल गांधी की जुबान नहीं खुल रही

बेगूसराय (एजेंसियां)। बंगाल में हुए महिला चिकित्सक के साथ अमानवीय व्यवहार और दुष्कर्म मामले को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर राहुल गांधी और कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चुनाव के समय हिट एंड रन करेंगे, एक बयान देकर उससे मुकर जाएंगे। लेकिन बंगाल के संबंध में उनकी जुबान नहीं खुल रही। खासकर एक महिला चिकित्सक से दुष्कर्म जैसी घटना सामने आई, लेकिन राहुल गांधी ने एक शब्द भी संवेदना के तौर पर बोलना उचित नहीं समझा।

उन्होंने कहा कि अब देश की जनता समझ रही है कि राहुल गांधी की नीयत और नियति क्या है। लोग समझ रहे हैं कि कांग्रेस और राहुल गांधी सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं तथा अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी हों चाहे अखिलेश यादव हों। यह लोग लक्षित (टारगेटेड) विषय को

लेकर चलते हैं, लेकिन बेचारी बेटियों से अन्याय, पीड़ितों और सामूहिक दुष्कर्म पर इनकी जुबानें नहीं खुलेंगी।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चुनाव में मसला उठाते हैं हिट एंड रन का मुद्दा लेकर हिट एंड रन करेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब लोग समझने लगे हैं राहुल गांधी की भाषा को। उनकी जुबान सब जगह खुलती है, लेकिन बंगाल पर क्यों नहीं खुल रही है। देश की जनता जानना चाहती है। दरअसल, बेगूसराय के सांसद तथा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह चार दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र में पहुंचे हुए हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी बंगाल डॉक्टर दुष्कर्म मामले और महाराष्ट्र के बदलापुर मामले सहित कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। उन्होंने 14 अगस्त को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की वीभत्स घटना से पूरा देश स्तब्ध है। उसके साथ हुए क्रूर और अमानवीय कृत्य की परत दर परत जिस तरह खुल कर सामने आ रही है, उससे चिकित्सक समुदाय और महिलाओं के बीच असुरक्षा का माहौल है। पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों को बचाने की कोशिश अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

उन्होंने आगे लिखा कि इस घटना ने सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर मेडिकल कॉलेज जैसी जगह पर चिकित्सक सेफ नहीं हैं तो किस भरोसे अभिभावक अपनी बेटियों को पढ़ने बाहर भेजें?

निर्भया केस के बाद बने कठोर कानून भी ऐसे अपराधों को रोक पाने में असफल क्यों हैं? हाथरस से उन्नाव, और कठुआ से लेकर कोलकाता तक महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ती घटनाओं पर हर दल, हर वर्ग को मिलकर गंभीर विचार-विमर्श कर ठोस उपाय करने होंगे। मैं इस असहनीय कष्ट में पीड़िता के परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें हर हाल में न्याय मिले और दोषियों को ऐसी सजा मिले जो समाज में एक नजीर की तरह प्रस्तुत की जाए।

वहीं, 21 अगस्त को राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि पश्चिम बंगाल, यूपी, बिहार के बाद महाराष्ट्र में भी बेटियों के खिलाफ शर्मनाक अपराध सोचने पर मजबूर करते हैं कि हम एक समाज के तौर पर कहां जा रहे हैं? बदलापुर में दो मासूमों के साथ हुए अपराध के बाद उनको इंसाफ दिलाने के लिए पहला कदम तब तक नहीं उठाया गया, जब तक जनता 'न्याय की गुहार' करते हुए सड़क पर नहीं आ गई। क्या अब ऋखठ तक दर्ज कराने के लिए आंदोलन करने पड़ेंगे? आखिर पीड़ितों के लिए पुलिस थाने तक जाना भी इतना मुश्किल क्यों हो गया है?

उन्होंने आगे लिखा कि न्याय दिलाने से अधिक प्रयास अपराध छिपाने के लिए किया जाता है, जिसका सबसे बड़ा शिकार महिलाएं और कमजोर वर्ग के लोग होते हैं। ऋखठ दर्ज नहीं होना न सिर्फ पीड़ितों को हतोत्साहित करता है, बल्कि अपराधियों का हौसला भी बढ़ाता है। सभी सरकारों, नागरिकों और राजनीतिक दलों को गंभीर मंथन करना होगा कि समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। न्याय हर नागरिक का अधिकार है, उसे पुलिस और प्रशासन की 'मर्जी का मोहताज' नहीं बनाया जा सकता।

भाजपा-जेडीएस मिलकर कांग्रेस सरकार को करना चाहते हैं अस्थिर : सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को विपक्षी दल भाजपा और उसकी गठबंधन सहयोगी पार्टी जेडीएस पर आरोप लगाया कि वे राज्य में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कथित मुडा घोटाले में सीएम ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है कि जिससे उन्हें इस्तीफा देना पड़े। सीएम सिद्धरामैया ने यह भी आरोप लगाया कि भगवा पार्टी अभी भी उनकी सरकार को गिराने के लिए 'ऑपरेशन कमल' का प्रयास कर रही है, लेकिन वे अपने प्रयासों में सफल नहीं होंगे। वहीं उन्होंने मुडा घोटाले में भाजपा की तरफ से उनका इस्तीफा मांगने के बारे

में पूछे गए सवाल पर कहा कि, वे मेरा इस्तीफा क्यों मांग रहे हैं? क्या यह उनके मांगने पर ही इस्तीफा दिया जा सकता है? सिर्फ इसलिए कि विजयेंद्र इस्तीफा मांगते हैं, क्या यह दिया जा सकता है? फिर मैं विजयेंद्र से उनकी पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के लिए कहूंगा, तो क्या वह मान जाएंगे? सीएम ने कहा शनिवार को अदालत में बहस होगी, देखते हैं कि उच्च न्यायालय क्या फैसला करता है। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। वह राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति को चुनौती देने वाली अपनी याचिका के संबंध में अदालत में सुनवाई पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

जीवन यापन के लिए 400 रुपए देकर कोई एहसान नहीं कर रहे सीएम नीतीश : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसियां)। लालू, नीतीश और मोदी के नाम पर नहीं, जात पात और धर्म के नाम पर भी नहीं, और न ही किसी नेता के बेटा को वोट देना है। एक बार वोट अपने बच्चों के लिए देना है, नहीं तो फिर नर्क भोगते रहना है। यह बातें जन सुराज के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सुपौल के सदर प्रखंड अंतर्गत वीणा मैदान में आयोजित सभा के दौरान कही। प्रशांत किशोर ने कहा कि उन नेताओं को या उनके बेटों को वोट नहीं देना है, जिन्होंने आपके बच्चों का सौदा किया। उन्होंने कहा कि गरीब बच्चों के पढ़ाई के नाम पर 50 हजार करोड़ का लूट हो रहा है। लेकिन, 50 बच्चे भी ढंग से पढ़ नहीं पा रहे हैं।

हमारे बच्चों को अशिक्षा और बेरोजगारी के दलदल में धकेला जा रहा है, ताकि नेताओं का वोट बैंक सुरक्षित रहे। लेकिन इस बार जनता राज के लिए वोट होगा और व्यवस्था भी जनता ही प्रशांत किशोर ने एलान किया कि 15 साल से कम उम्र के बच्चों की पूरी पढ़ाई का खर्च देंगे। जिसमें किताबों से लेकर विद्यालय के कपड़े, सब कुछ बिहार के बच्चों के लिए मुफ्त कर दी जाएगी। यह व्यवस्था केवल सरकारी स्कूलों में ही नहीं, बल्कि सभी प्राइवेट स्कूलों में भी लागू होगी। प्राइवेट स्कूल में भी 15 वर्ष तक के बच्चों की पढ़ाई का खर्च सरकार देगी, ऐसी व्यवस्था हम करेंगे।

बिहार में डेंगू का कहर, पटना के 16 साल के मरीज की मौत

24 घंटे में 50 नए मरीज मिले

पटना (एजेंसियां)। बिहार में लगातार डेंगू के मरीज बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में डेंगू के 50 नए मरीज मिले हैं। इतना ही पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती 16 साल के मरीज की मौत हो गई। 24 अगस्त को उसे भर्ती कराया गया था। उसका प्लेट्सलेट्स काफी कम हो गया था। काफी कोशिश के बावजूद डॉक्टर उसे बचा नहीं पाए। वह नौबतपुर इलाके का रहने वाला था। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है।

इधर, पिछले 24 घंटे में पटना में 17 डेंगू के मरीज मिले हैं। वहां समस्तीपुर में छह नए मरीज मिले हैं। इधर, जनवरी से अभी तक राज्य में 646 लोग पीड़ित हुए हैं। वहीं पटना में 265 लोग पीड़ित

हो चुके हैं। राज्य में सबसे अधिक मरीज पटना जिले में ही मिल रहे हैं।

वहीं गया जिले में डेंगू वायरस से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में गया शहर के पुलिस लाइन इलाके में डेंगू से पीड़ित मरीजों की संख्या 6 हो गई है। गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डेंगू से पीड़ित मरीजों के लिए स्पेशल वार्ड बनाया गया है। जहां फिलहाल डेंगू से पीड़ित एक मरीज का इलाज किया जा रहा है।

इस माह कुल 12 मरीज डेंगू से पीड़ित मिलें हैं। जिसमें गया शहर के पुलिस लाइन इलाके से अब तक डेंगू से पीड़ित 6 मरीज मिल चुके है। वहीं डेंगू वायरस से लोगों को बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ गया नगर निगम फोगिंग और दवा का छिड़काव शुरू कर दिया है। ताकि लोगों को डेंगू वायरस के खतरे से बचाया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, फिलहाल दर्जन भर डेंगू पीड़ित मरीज का इलाज चल रहा है। लोगों से अपील है कि वह अपने आसपास के इलाके को साफ रखें।

वहीं नगर निगम ने लोगों से अपील की है कि डेंगू संक्रमित होने पर अपने इलाके की जानकारी जरूर साझा करें। ताकि उसे इलाके में फॉगिंग और लार्वा साइड का छिड़काव किया जा सके। नगर निगम की ओर से भी लगातार फॉगिंग अभियान चलाया जा रहा है। लोग स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन का पालन जरूर करें।

चचेरे भाई के साथ अपनी बहन को लिपटा देखा तो बौखलाया, दोनों को मार डाला

पटना (एजेंसियां)। पटना के बिहटा में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। शुक्रवार को भाई ने अपनी बहन को अपने प्रेमी के साथ रंगेहाथ पकड़ा तो उसने बोतल फोड़कर दोनों के पेट में गोद डाला। घटनास्थल पर ही बहन और उनके प्रेमी की मौत हो गई। यह घटना पटना के बिहटा थाना क्षेत्र के कुंजवा गांव की है। डबल मर्डर के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई।

बताया जा रहा है कि बिहटा थाना क्षेत्र के आजमा गांव निवासी अविनाश कुमार उर्फ रोशन (22) और प्रतिमा रानी (18) दोनों रिश्ते में चचेरे भाई-बहन लगते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच कुछ वर्षों से

प्रेम प्रसंग चल रहा था। अविनाश कुमार, प्रतिमा रानी को घर पर पढ़ने जाता था और इसी क्रम में दोनों के बीच प्रेम बढ़ने लगा। इस बीच दोनों छुप-छुप कर एक दूसरे से मिलने लगे। इस बात की भनक परिवार के लोगों को लग गई। परिवार के लोगों को इन दोनों की हरकत अच्छी नहीं लगी। परिवार के लोगों ने बीच बैठकर इन दोनों को समझाया गया। इसके बावजूद भी इन दोनों का मिलना जुलना कम नहीं हुआ। बल्कि छुप-छुपकर दोनों मिलने लगे।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार की अहले सुबह अविनाश कुमार अपनी प्रेमिका प्रतिमा रानी से अपने घर के ठीक बगल में एक खंडहर नुमा मकान में मिलने पहुंचा था। दोनों आपस में बैठकर बातें कर रहे थे। किसी तरह इस बात की भनक प्रतिमा रानी के भाई विशाल कुमार को लग गई। विशाल को इसकी भनक लगते ही वह आग बबूला हो उठा और अपनी बहन और उसके प्रेमी को मार डालने की एक योजना बनाई। जब वह वहां पहुंचा तो दोनों को एक दूसरे से लिपटे हुए थे। यह देखकर विशाल से रहा नहीं गया और उसने एक बोतल उठाकर अपनी बहन और उसके प्रेमी के पेट में गोद डाला। विशाल मौके से फरार हो गया। जब इस बात की भनक लोगों को लगी तो लोगों ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की पुष्टि करते हुए दानापुर अनुमंडल 2 डीएसपी प्रीतम कुमार ने बताया कि घटना के बाद आरोपित भाई विशाल कुमार (22) को गिरफ्तार कर लिया गया है।

संदिग्ध बीमारी की चपेट में आया परिवार, मासूम की मौत

जांच में जुटा स्वास्थ्य विभाग

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में संदिग्ध बीमारी की चपेट में आने से एक परिवार के सभी सदस्य बीमार हो गये। आननफानन में सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान एक 9 वर्ष के बच्चे की मौत हो गई।आशंका जताई जा रही है कि फूड प्वाइजनिंग के कारण घटना हुई है। वहीं इस मामले की जानकारी मिलने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम जानकारी जुटा रही है। मामला साहेबगंज प्रखंड के रूप छपरा पंचायत के वार्ड नंबर 5 की है। मृतक बच्चे की पहचान सूरज के रूप में की गई है।

इस मामले में साहेबगंज सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गणेश कुमार गौतम ने बताया कि इस बात की जानकारी जिला के स्वास्थ्य विभाग को दे दी गई है। मेडिकल

टीम को जांच के लिए पीड़ित परिवार के घर भेजा गया है। डॉ. गणेश कुमार गौतम ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला फूड प्वाइजनिंग का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल जांच करवाई जा रही है। वहीं घर के लोगों का कहना है कि पूरा इलाका बाढ़ से प्रभावित होने की वजह से जल जमाव की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारा घर पानी से घिरा हुआ है और मौसम और तापमान में हो रहे बदलाव होने से बुखार लग गई थी। फिर देखते ही देखते परिवार के अन्य सदस्य को भी बुखार लग गया। आननफानन में परिवार के सभी लोगों को पीएचसी पहुंचाया गया, जहां एक की हालत गंभीर देखकर उसे एसकेएमसीएच रेफर कर दिया। इलाज के लिए जाने के दौरान बीच रास्ते में ही बच्चे की मौत हो गई। अन्य लोगों को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोबाइल चोर को बेरहमी से पीटा

मेले में महिला का मोबाइल चुराकर भाग रहा था

पटना (एजेंसियां)। बेगूसराय में भीड़ का क्रूर चेहरा देखने को मिला। जहां मोबाइल चोरी के आरोप में भीड़ ने एक युवक की पकड़ कर जमकर पिटाई कर दी। इस घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। बताया जा रहा है की भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर बाजार स्थित श्री कृष्ण जन्माष्टमी मेला देखने आए एक महिला से एक युवक द्वारा मोबाइल छीनकर भाग रहा था तभी आसपास और महिला ने खदेड़ कर युवक को पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर दी। इतना ही नहीं देखने आए लोगों ने भी युवक को पीटना शुरू कर दिया।

आरोपी युवक लगातार लोगों से रहम की भी मांगते रहा लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी। और, युवक की जमकर धुनाई करते रहे। जब युवक बेहोश हो गया तब लोगों ने पिटाई बंद की। स्थानीय लोगों ने बताया है कि मेला देखने आई एक महिला से आरोपी युवक मोबाइल छीनकर भाग रहा था। महिला ने अपना साहस की परिचय देते हुए चोर चोर कर चिल्लाना शुरू कर दिया और महिला चोर के पीछे दौड़ने लगा। दौड़ते देखा महिला को लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया। पिटाई देख कुछ स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना भगवानपुर थाना पुलिस को दी।

इधर, भगवानपुर थाने की पुलिस ने इस घटना की सूचना मेला प्रभारी एसआई सुभाष कुमार को दी।

आननफानन में एसआई सुभाष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर भीड़ से युवक को बचाकर हिरासत में ले लिया और थाने ले जाकर पूछताछ कर रहे हैं। इस घटना के संबंध में एसआई सुभाष कुमार ने बताया है कि एक महिला से मोबाइल छीनकर युवक के द्वारा भाग रहा था। तभी कुछ मेला देखने आए भीड़ और महिला ने उसे युवक को पकड़ लिया और उसे जमकर पिटाई कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com